वर्ष : 07, अंक : 03
नई दिल्ली
मंगलवार, 09 जून से 15 जून-2020
मूल्य रू 3/-
पृष्ठ : 8

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

RNI No. : DELHIN/2014/56301

ओपन सर्च

खबर दुनियाँ की, आइना समाज का

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com
Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in
Website | www.opensearch.co.in

कभी सौतन कभी सहेली! ...पृष्ठ 8

एक नज़र

सीआरपीएफ में कोविड-19 से एक और मौत

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े अर्धसैनिक बल 'केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ)' में कोविड-19 से एक और मौत हुई है, जिससे कोरोना वायरस संक्रमण के कारण जान गंवाने वाले सीआरपीएफकर्मियों की कुल संख्या चार हो गई है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। कश्मीर में तैनात सीआरपीएफ के एक जवान ने कोविड-19 संक्रमण के कारण दम तोड़ दिया। अधिकारियों ने बताया कि अनंतनाग में 90वीं बटालियन में एक नर्सिंग सहायक के रूप में कार्यरत एक जवान की रविवार रात श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान में मौत हो गई। उसे पांच जून को कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया था। सांस लेने में तकलीफ होने की गंभीर समस्या के साथ उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अधिकारियों ने बताया कि जवान उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद का रहने वाला था और 1996 में सीआरपीएफ में शामिल हुआ था। सीआरपीएफमें कोविड-19 के कारण यह चौथी मौत है, जबकि पूरे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) या अर्धसैनिक बलों में 12वीं मौत है।

जनता को मौके का इंतजार : दिग्विजय

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का नाम लिए बगैर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि जनता सब जानती है, केवल मौके का इंतजार करती है। पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने आज ट्वीट कर कहा, तुलसी सिलावट -माफकरो महाराज, हमारा नेता शिवराज। समय बड़ा बलवान। अपने निजी स्वार्थ के लिये लोगों को पलटने में देर नहीं लगती। पर जनता सब जानती है और समझती है। केवल मौके का इंतजार करती है। ज्ञात हो कि भाजपा ने बीते विधानसभा चुनाव में सिंधिया पर हमला बोलते हुए एक स्लोगन का सहारा लिया था और वह था, माफकरो महाराज हमारा नेता शिवराज। अब सिंधिया के साथ भाजपा में गए उनके करीबी तुलसीराम सिलावट सहित अन्य नेता मुख्यमंत्री चौहान को अपना नेता बता रहे हैं।

दिल्ली की सीमाएं खुलते ही सड़कों पर भारी ट्रैफिक

नई दिल्ली। दिल्ली-नोएडा-डायरेक्ट फ्लाईवे (डीएनडी) के पास दिल्ली-नोएडा बॉर्डर पर आज भारी ट्रैफिक देखने को मिला। इससे एक दिन पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा उत्तर प्रदेश और हरियाणा से लगी राष्ट्रीय राजधानी की सीमाओं को खोलने का एलान किया गया था और सीमाएं खुलते ही बड़े पैमाने पर वाहन सड़कों पर उमड़ पड़े। डीएनडी, कालिंदी कुंज-नोएडा, गाजीपुर-दिल्ली और दिल्ली-गुरुग्राम सीमाओं पर बड़ी संख्या में वाहनों को लंबी कतार में देखा गया। बिना उचित पास वाले कई लोग सीमाओं से लौट गए। भ्रम की स्थिति से सीमा पार करने को लेकर प्रतीक्षा करने का समय बढ़ गया और जाम की स्थिति बन गई क्योंकि ऑफिस आज से ऑफिस जाने वालों की संख्या भी बढ़ गई। केजरीवाल, जिन्होंने हरियाणा और उत्तर प्रदेश के साथ राष्ट्रीय राजधानी की सीमा को एक सप्ताह के लिए बंद करने का फैसला किया था, ने रविवार को घोषणा की थी कि सीमाओं को सोमवार से खोला जा रहा है।

एलजी ने पलटा केजरीवाल का फैसला, दिल्ली में होगा सभी मरीजों का इलाज

एलजी के फैसले पर केजरीवाल की प्रतिक्रिया, बोले भगवान की मर्ज़ी है कि हम देश की सेवा करें

केजरीवाल का कहना देशभर से आने वाले मरीजों का इंतज़ाम करना बड़ी चुनौती है

एलजी साहिब के आदेश ने दिल्ली के लोगों के लिए बहुत बड़ी समस्या और चुनौती पैदा कर दी

बेड की कमी के चलते केजरीवाल ने दिल्ली में बाहरी लोगों के इलाज पर रोक लगाई थी

केजरीवाल के फैसले के बाद केजरीवाल को विपक्ष ने घेरना शुरू कर दिया था

नयी दिल्ली.एजेंसी।

दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने दिल्ली सरकार के उस फैसले को एक दिन बाद ही पलट दिया जिसमें दिल्ली के सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में सिर्फ दिल्लीवालों का इलाज होने की बात कही गई थी। अब दिल्ली के सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में अन्य राज्य के मरीजों का भी इलाज संभव हो सकेगा। गौरतलब है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरावाल ने रविवार को घोषणा की थी कि दिल्ली के सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में केवल दिल्लीवासियों का इलाज होगा और दिल्ली में स्थित केंद्र सरकार के अस्पतालों में सभी का इलाज होगा। श्री केजरीवाल ने कहा था कि दिल्ली कैबिनेट ने कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर यह फैसला लिया है। दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल की ओर से दिल्ली में सिर्फ दिल्लीवासियों के इलाज के फरमान को पलटने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का ट्वटीर पर रिएक्शन आया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि देशभर से आने वाले लोगों के लिए करोना महामारी के दौरान इलाज का इंतजाम करना एक बड़ी चुनौती होगा। सभी कॉमेंट्स देखेंअपना कॉमेंट लिखेंकेजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, रूत साहिब के आदेश ने दिल्ली के लोगों के लिए बहुत बड़ी समस्या और चुनौती पैदा कर दी है। देशभर से आने वाले लोगों के लिए करोना महामारी के दौरान इलाज का इंतज़ाम करना बड़ी चुनौती है। शायद भगवान की मर्ज़ी है कि हम पूरे देश के लोगों की सेवा करें। हम सबके इलाज का इंतज़ाम करने की कोशिश करेंगे।

दिल्ली सरकार को लगा एक और झटका

दिल्ली में सिर्फ दिल्लीवासियों के इलाज के फरमान को पलटने के बाद उपराज्यपाल ने कहा है कि कोरोना के संदिग्ध मरीज भी 5 से 10 दिन के भीतर कोरोना टेस्ट करा सकते हैं। उपराज्यपाल ने जारी आदेश में कहा है कि अब कोरोना के लक्षण नहीं दिखाई वाले उन संदिग्धों की टेस्टिंग भी होगी, जो सीधे किसी कोरोना पॉजिटिव के संपर्क में आए हैं। उन्होंने कहा वह 5 से लेकर 10 दिन के अंदर कोरोना टेस्ट करवा सकते हैं। [illegible] कि दिल्ली में बढ़ते कोरोना के मामलों के बीच दिल्ली कैबिनेट ने रविवार को फैसला लिया था कि दिल्ली सरकार के सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में केवल दिल्ली के निवासियों का इलाज होगा, जबकि केंद्र सरकार के अस्पतालों में सभी का इलाज होगा।

सिसोदिया बोले बीजेपी के दवाब में एलजी ने बदला है फैसला

उन्होंने बताया था कि दिल्ली में बढ़ते मामलों के चलते ये फैसले लिये गए हैं। उन्होंने कहा था कि केंद्र सरकार के अस्पतालों में देश भर के लोगों के इलाज हो सकेंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि दिल्ली में जून के आखिरी तक 15 हजार बेड की जरूरत होगी, जबकि हमारे पास सिर्फ 10 हजार बेड हैं। ऐसे में अस्पतालों को सबके लिए खोला जाना संभव नहीं होगा।

Openserch

जम्मू-कश्मीर में 24 घंटों में नौ आतंकवादी ढेर

श्रीनगर.एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सोमवार को घेराबंदी और तलाश अभियान के दौरान सुरक्षा बलों की

आतंकवादियों के साथ हुई भीषण मुठभेड़ में आतंकवादी संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन के चार आतंकवादी मारे गए। इसके साथ ही पिछले 24 घंटों के दौरान नौ आतंकवादी मारे जा चुके हैं। मारे गये आतंकवादियों में हिज्बुल का एक शीर्ष कमांडर भी शामिल है। ये आतंकवादी दो अलग-अलग मुठभेड़ों में मारे गये हैं। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल राजेश कालिया ने यूनीवार्ता को बताया कि आज सुबह शोपियां के पिंजूरा में विशेष सूचना के आधार पर राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर), केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ओर जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसआजी) ने संयुक्त घेराबंदी और तलाश अभियान शुरू किया।उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों ने सभी बाहर के जाने वाले रास्तों को सील कर दिया और वे विशेष इलाके की ओर बढ़ रहे थे तभी वहां छुपे आतंकवादियों ने स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

मोदी सरकार की विफलता का जीता जागता स्मारक साबित हुआ मनरेगा : कांग्रेस

नयी दिल्ली.एजेंसी।

कांग्रेस ने कहा है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना-मनरेगा लॉकडाउन से पीड़ित गरीबो की रोटी का संबल बना और कोविड-19 के दौरान मोदी सरकार का जीता जागता स्मारक साबित हुआ है। कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने सोमवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी इस योजना को खत्म करने की कोशिश में थे लेकिन जल्द ही गरीबो के लिए इस योजना का महत्व समझ कर उन्होंने इसे खत्म करने का विचार छोड़ दिया लेकिन कोरोना काल मे मनरेगा गरीब की संजीवनी बनी और सरकार ने इसका बजट बढ़ाया। उन्होंने कहा कि अब सरकार को बताना चाहिए कि कोरोना काल में कितने अतिरिक्त लोगो को मनरेगा का फायदा हुआ। इस बारे सरकार को आंकड़ा उपलब्ध कराना चाहिए ताकि पता चले कि घर लौटे कितने लोगो को लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि मनरेगा विशेष प्रावधान महिलाओ के लिए है जिसका मकसद ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से समृद्ध करना था और इसे देखने के लिए इसका सोशल ऑडिट होना चाहिए।

सीमा विवाद पर चीन के साथ बातचीत जारी, अबतक के परिणाम सकारात्मक रहे: राजनाथ

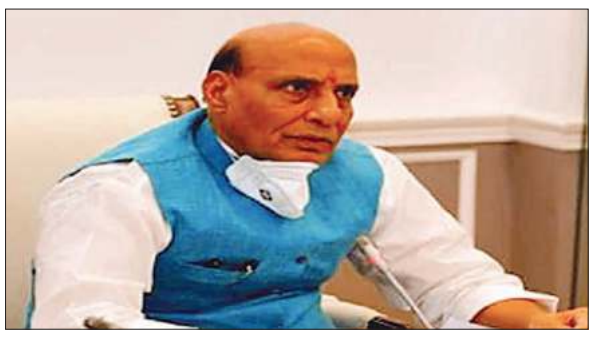

नयी दिल्ली.एजेंसी

भारत के सम्मान और स्वाभिमान पर चोट नहीं पहुंचने देने का भरोसा दिलाते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि भारत और चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थिति को जल्द सुलझाने के लिये सैन्य स्तर और राजनयिक स्तर पर बातचीत कर रहे हैं जिसके अब तक के परिणाम सकारात्मक रहे हैं। ''डिजिटल रैली'' से भाजपा की महाराष्ट्र जन संवाद रैली को संबोधित कर रहे सिंह ने कहा, '' हम किसी के मान, सम्मान पर न चोट पहुंचाते हैं और न अपने मान, सम्मान और स्वाभिमान पर चोट बर्दाश्त कर सकते हैं। इसलिए विपक्ष को कहता हूं कि भारत-चीन मामले पर हमें ज्यादा समझाने की कोशिश मत कीजिए।'' सिंह ने कहा कि भारत-चीन के बीच सीमा को लेकर विवाद लंबे समय से चला आ रहा है। हम भी चाहते हैं कि ये विवाद जल्द सुलझ जाए।

रक्षा मंत्री ने कहा, '' भारत और चीन सैन्य और राजनयिक स्तर पर बातचीत कर रहे हैं। अब तक के परिणाम सकारात्मक रहे हैं। बहरहाल, हम विश्वास दिलाना चाहते हैं कि भारत के सम्मान और स्वाभिमान पर चोट नहीं पहुंचने देंगे।'' उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत परिवारों को 5 लाख रुपये सालाना तक के मुफ्त इलाज की सुविधा दी गई।

कोरोना प्रभावित देशों में पांचवें स्थान पर पहुंचा भारत

नयी दिल्ली.एजेंसी।

कोरोना संक्रमण के मामलों में दिनों दिन हो रही वृद्धि से भारत पिछले 48 घंटों में विश्व में सर्वाधिक प्रभावित देशों की सूची में दो पायदान ऊपर चढ़कर पांचवें स्थान पर पहुंच गया है तथा एक दिन में देश में कोरोना संक्रमण के सर्वाधिक 9971 मामले सामने आये हैं जिससे कुल संक्रमितों की संख्या 2.47 लाख हो गयी है और 287 लोगों की मौत से मृतकों की संख्या 6929 हो गयी है।

भारत संक्रमितों के मामले में स्पेन को पीछे छोड़ कर दुनिया भर में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। भारत में जहां 246628 लोग संक्रमित हुए हैं, वहीं स्पेन में 2,41,310 लोग संक्रमित हैं हालांकि स्पेन में मृतकों की संख्या तीन गुना से भी अधिक है। भारत में अब तक जहां 6929 लोगों की मौत हुई है वहीं स्पेन में 27,135 लोगों की मौत हो चुकी है। देश में पिछले 48 घंटों के दौरान संक्रमण के कुल 19858 मामले सामने आये हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान 9971 नये मामलों के साथ संक्रमितों की संख्या बढ़कर 246628 हो गयी। इस दौरान 287 लोगों की मौत से मृतकों की संख्या 6929 हो गयी। देश में इस समय कोरोना के 120406 सक्रिय मामले हैं, जबकि 119293 लोग इस महामारी से निजात पाने में कामयाब हुए हैं। विश्व में कोरोना संक्रमण से प्रभावित देशों की सूची में अमेरिका पहले स्थान पर है , जहां इस महामारी से अब तक 1,919,430 लोग संक्रमित हो चुके हैं तथा 1,09,791 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। इसके बाद ब्राजील (6.77 लाख) , रूस (4.59 लाख), ब्रिटेन (2.85 लाख) और भारत (2.47 लाख) का स्थान है। स्पेन के बाद इटली का स्थान है जहां इस महामारी से 33.85 हजार लोगों की मौत हुई है तथा 2.35 लाख लोग संक्रमित हैं।

महाराष्ट्र इस महामारी से देश में सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। राज्य में पिछले 24 घंटों में 2739 नये मामले दर्ज किये गये हैं और 120 लोगों की मौत हुई है जिसके साथ ही राज्य में इससे प्रभावित होने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 82968 तथा इस जानलेवा विषाणु से मरने वालों की संख्या बढ़कर 2969 हो गयी है।

कोरोना संक्रमितों के ठीक होने की दर 48 37 प्रतिशत

देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 5220 मरीजों के स्वस्थ होने के बाद ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 1,19,293 हो गई है और कोरोना संक्रमितों के ठीक होने की दर 48 37 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय की और से जारी आंकड़ों में बताया गया कि इस समय कोरोना के 1,20406 मरीज सक्रिय चिकित्सकीय निगरानी में है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद(आईसीएमआर) ने भी कोरोना मरीजों की जांच के लिए लगातार प्रयोगशालाओं की संख्या में इजाफा किया है और इस समय देश में 531 सरकारी प्रयोगशालाएं और 228 निजी प्रयोगशालाएं कोरोना नमूनों की जांच कर रही है।

कांग्रेस के राज में भ्रष्टाचार का स्त्रोत थी मनरेगा : मिनाक्षी लेखी

नयी दिल्ली.एजेंसी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार पर की गयी टिप्पणी पर पलटवार करते हुए आज कहा कि मनमोहन सिंह सरकार के समय कागज़ों पर अच्छी लगनी वाली योजना असल में भ्रष्टाचार का स्त्रोत बनी थी जिसको मोदी सरकार ने धरातल पर उपयोगी एवं लाभप्रद बनाने का काम किया है।

भाजपा की प्रवक्ता मीनाक्षी लेखी ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि वह पूरी विनम्रता से श्रीमती गांधी को कहना

चाहतीं हैं कि उनको सही तथ्यात्मक जानकारी नहीं दी गयी है। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के दूसरे कार्यकाल के आखिरी बजट में मनरेगा में 36 हजार करोड़ रुपए का आवंटन किया गया था जो पूर्ववर्ती बजट के आवंटन 38 हजार करोड़ रुपए से दो हजार करोड़ रुपए कम था। इतना ही नहीं संप्रग के कार्यकाल में मनरेगा को आवंटित पूरी राशि कभी खर्च नहीं हुई। 12 से 15 हजार करोड़ रुपए व्यय नहीं हो पाता था। श्रीमती लेखी ने कहा कि मोदी सरकार ने मनरेगा के कामों एवं श्रमिकों के भुगतान की प्रणाली को दुरुस्त किया और भ्रष्टाचार के रास्ते बंद करके इस योजना को वास्तव में उपयोगी एवं लाभप्रद बनाया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने इसे 40 हजार करोड़ से बढ़ाते हुए इस साल में बजट में 61 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान मनरेगा में किया था तथा इस कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण मजदूरों के बड़े पैमाने पर उनके गांव लौटने के मद्देनज़र करीब 40 हजार करोड़ रुपए की राशि कोरोना पैकेज में बढ़ायी है जिससे इस साल मनरेगा में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का आवंटन किया गया है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तबीयत खराब होने के कारण आपदा प्रबंधन अथारिटी की बैठक में हिस्सा लेंगे डिप्टी सीएम

नई दिल्ली (ओपन सर्च)

स्टेट डिजॉस्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (एसडीएमए) की कल (09 जून) को होने वाली बैठक में तबीयत खराब होने की वजह से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हिस्सा नहीं लेंगे। बैठक में दिल्ली में कोरोना के स्टेटस पर चर्चा की जाएगी। यह महत्वपूर्ण बैठक समय पर हो सके, इसके लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को इसमें हिस्सा लेने के लिए अधिकृत किया है। कल की बैठक में चर्चा होनी है कि क्या दिल्ली में कोरोना सामुदायिक फैलाव (कम्युनिटी स्प्रीड) की स्थिति में पहुंच गया है?'

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने एक बयान जारी कर कहा कि दिल्ली में कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं। कोरोना की स्थिति पर चर्चा करने के लिए कल एसडीएमए (स्टेट डिजॉस्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी) की बैठक होनी है। एसडीएमए की बैठक की अध्यक्षता ओएसडी करते हैं और मुख्यमंत्री एसडीएमए के वाइस चेयर परसन हैं। कल बुलाई गई बैठक में सबसे महत्वपूर्ण चर्चा इस पर मुद्दे पर होनी है कि अभी दिल्ली में कोरोना का स्टेटस क्या है? क्या कोरोना सामुदायिक फैलाव के स्तर पर पहुंच गया है? इस बात पर चर्चा होनी थी कि अगर दिल्ली में कोरोना सामुदायिक फैलाव के स्तर पर पहुंच गया है, तो उससे लड़ने की रणनीति फिर क्या होगी? इसके लिए कल सभी डेटा के साथ कुछ विशेषज्ञ बुलाए गए हैं। उन विशेषज्ञों के साथ चर्चा होनी है। जैसा कि मैंने बताया था कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी की तबीयत ठीक नहीं है। उन्हें बुखार है और गले में कफ है। हम इसको काफी गंभीरता से लेकर चल रहे हैं।

एसडीएमए की बैठक समय पर हो, इसके लिए मुख्यमंत्री ने सरकार की तरफ से शामिल होने के लिए मुझे अधिकृत किया

- आपदा प्रबंधन अथारिटी बैठक में कोरोना के स्टेट्स और सामुदायिक फैलाव पर होगी चर्चा

- मुख्यमंत्री जी की तबीयत ठीक नहीं, उन्हें बुखार और गले में कफ की शिकायत, खुद को आइसोलेट किए : मनीष सिसोदिया

भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल सागवाडा का बुथ संपर्क अभियान

जयपुर (ओपन सर्च)। केंद्र सरकार के 2-0 के स्वर्णिम 1 वर्ष की उपलब्धियों पर भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल सागवाडा का बुथ संपर्क अभियान का शुभारंभ आज वागड के बाँसवाड़ा डूंगरपुर के सांसद कनकमल कटारा के मुख्य आथित्य में गंडेरी गणपति मंदिर मांडवी चौक पर पूजा अर्चना करके महागणपति जी का आशीर्वाद लेकर बुथ नंबर 125 और 126 से भाजपा के राष्ट्रव्यापी बुथ संपर्क अभियान की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हस्ताक्षर रहित प्रपत्र और बुक लेट देकर शुरू किया इस अवसर पर सांसद कटारा ने कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि मोदी जी के स्वर्णिम 1 साल की उपलब्धियों को घर घर जाकर प्रत्येक व्यक्ति तक प्रपत्र और बुक लेट के माध्यम से पहुचाने की बात कही, इन्होंने मोदीजी के इस साल की प्रमुख उपलब्धियों जैसे कि राम मंदिर निर्माण,धारा 370,35, मुस्लिम महिलाओं के लिये तीन तलाक जैसी कई उपलब्धियों को घर घर पहुचाने का आव्हान किया ,इस अवसर पर पूर्व पालिका अध्यक्ष सत्यनारायण सोनी, नगर अध्यक्ष श्याम भट्ट, बुथ संपर्क अभियान के संयोजक नीरज पंचाल,पालिका उपाध्यक्ष कुतुबुद्दीन कोठी,नगर उपाध्यक्ष मनोज कंसारा,युवा मोर्चा अध्यक्ष शैलेश पंडया,उपाध्यक्ष दिलीप कोठारी,बालकृष्ण पाटीदार,कोषाध्यक्ष अश्विन बोबड़ा, पार्षद नानालाल दर्जी,बलभद्र नेमा,गोपाल गुप्ता,विपुल पंचाल, मंगलेश वाडेल,नरेश सेवक,चंद्रशेखर आहारी, सहित कई कार्यकर्ताओ ने उपस्थिति दर्ज करवाई।

रतनी बाई मेहता का कोरोना योद्धा सम्मान

बेंगलुरु (अमृत इंडिया) राजस्थान संघ कर्नाटका की अध्यक्ष श्रीमती रतनी बाई मेहता को मिशन कौमी एकता संस्था द्वारा कोरोना योद्धा के सम्मान से नवाजा गया है। मेहता द्वारा वैश्विक महामारी कोरोना एवं लोक डाउन के मद्देनजर विगत 70 दिनों से विभिन्न क्षेत्रों में जरूरतमंदों को राहत प्रदान की जा रही है। मेहता द्वारा सुखी राशन सामग्री, भोजन पैकेट, कपड़े इत्यादि विविध प्रकार का सामान का नियमित रूप से जरूरतमंद लोगों को वितरण किया जा रहा है।

आयुर्वेद औषधियां बहुत ही लाभदायक : डॉ सुनील

जयपुर (ओपन सर्च)। आयुर्वेद औषधियां कोरोनावायरस और कीमोथेरेपी रेडियोथेरेपी जैसे मैं बहुत ही कारगर साबित हो रही है। सुनील लैबोरेट्रीज प्राइवेट लिमिटेड की ओर से आयोजित वेबिनार में यह बात सामने आई। सोमवार को आयोजित हुए इस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद सुनील लैबोरेट्रीज के निदेशक सुनील तिवारी ने पत्रकार वार्ता में बताया कि ÷क्या जो आयुर्वेदिक औषधियां रेडियोथेरेपी और कीमोथेरेपी के साइड इफेक्ट्स कम करने में काम आती है वह ओषधियां कोरोनावायरस के उपचार में भी लाभदायक साबित हो सकती है या नहीं÷ इस वेबिनार में देश के विभीन हिस्सों से आयुर्वेद से जुड़े विशेषज्ञों ने और एलोपेथी से जुड़े चिकित्सको ने सिरकत की। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. नेहा शर्मा, डॉ. मनोज शर्मा (?म.डी आयुर्वेद) डॉ. महिमा गौतम ने अपने विचार व्यक्त किये। इस वेबिनार में 30 से ऊपर विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। मुख्या वक्ता के रूप में डॉ. नेहा शर्मा ने बताया की आयुर्वेद में कुछ जड़ीबूटियां ऐसी है जो कैंसर के उपचार में विशेषज्ञो द्वारा काम में ली जा रही है, उन जड़ीबूटियों में ऐसे तत्व हैं जो कोरोना वायरस के बचाव में उपयोगी साबित हो सकते है। अभी हाल ही में डॉ. नेहा शर्मा द्वारा एक इंटरनेशनल जर्नल में थाइराइड विषय पर पेपर पब्लिश हुआ है। डॉ नेहा शर्मा ने बताया की इन जड़ीबूटियों का थाइराइड कैंसर के रोग में भी प्रभावी उपचार हो सकता है। डॉ. नेहा शर्मा द्वारा आने वाले समय में एक रिसर्च पेपर और इसी विषय पर पब्लिश होने वाला है। निदेशक तिवाड़ी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए उज्ववल भविष्य के साथ इस महामारी कोरोना वायरस के लिए उनके द्वारा इन कोरोनो योद्धाओं का हौसला अफजाई करते हुए आयुर्वेद,तत्वों से अति शीघ्र कोरोना वायरस से मुक्ति मिलेगी।

शिक्षक भर्ती मामला उप्र का 'व्यापमं घोटाला' है, न्याय नहीं हुआ तो आंदोलन करेंगे : प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर पदेश में 69 हजार सहायक शिक्षकों की भर्ती में कथित गड़बड़ियों को लेकर सोमवार को सूबे की भाजपा सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि यह राज्य का 'व्यापमं घोटाला' है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर इस मामले में न्याय नहीं हुआ तो कांग्रेस आंदोलन करेगी। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका ने ट्वीट किया, ''69000 शिक्षक भर्ती घोटाला उप्र का व्यापमं घोटाला है। इस मामले में गड़बड़ी के तथ्य सामान्य नहीं हैं। डायरियों में छात्रों के नाम, पैसे का लेनदेन, परीक्षा केंद्रों में बड़ी हेरफेर, इन गड़बड़ियों में रैकेट का शामिल होना - ये सब दर्शाता है कि इसके तार काफी जगहों पर जुड़े हैं।

सामूहिक कार्य के जरिये दृढ़संकल्प के साथ अग्रसर

सरकार कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए तकनीकी और रणनीतिक जानकारी, वैज्ञानिक विचारों और कार्य-विशिष्ट मार्गदर्शन के लिए विशेषज्ञों के साथ लगातार परामर्श कर रही है

नई दिल्ली (ओपन सर्च)

मीडिया के एक हिस्से में कुछ खबरें छपी हैं, जिनमें तकनीकी विशेषज्ञों के ज्ञान के बिना कोविड-19 के नियंत्रण और प्रबंधन की दिशा में सरकार के प्रयासों के बारे में चिंता व्यक्त की गई है। ये आशंकाएं और आरोप बेबुनियाद और निराधार हैं। सरकार कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए तकनीकी और रणनीतिक जानकारी, वैज्ञानिक विचारों और कार्य-विशिष्ट मार्गदर्शन के लिए विशेषज्ञों के साथ लगातार परामर्श कर रही है। कोविड -19 के लिए एक राष्ट्रीय कार्य बल (एनटीएफ) का गठन सचिव डीएचआर-और-डीजी-आईसीएमआर द्वारा अध्यक्ष के रूप में नीति आयोग सदस्य (स्वास्थ्य) और सचिव (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण) और सचिव (डीएचआर) सह अध्यक्षों के रूप में किया गया है। एनटीएफमें सरकार और सरकार के बाहर के तकनीकी/क्षेत्र विशेषज्ञों सहित 21 सदस्य शामिल हैं। कार्य बल की प्रमुख विशेषज्ञता सार्वजनिक स्वास्थ्य और/या महामारी विज्ञान है। कोविड-19 महामारी की जटिलता और निहितार्थ को देखते हुए, इस समूह में मेडिसिन, वायरोलॉजी, फार्माकोलॉजी और कार्यक्रम कार्यान्वयन क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं।

इसके अलावा, कार्य बल ने चार विशेषज्ञ समूह गठित किए हैं। विशेषज्ञ समूहों में पूरी तरह से महामारी और निगरानी (13 सदस्य) और संचालन अनुसंधान (15 सदस्य) के सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्र के सार्वजनिक स्वास्थ्य और महामारी विशेषज्ञ शामिल हैं।

कार्य बल की 20 बैठकें हो चुकी हैं और उसने व्यवस्थित ढंग से महामारी से निपटने में वैज्ञानिक और

तकनीकी योगदान दिया है। अन्य योगदानकर्ताओं में, कार्य बल ने जांच, रोकथाम, इलाज और निगरानी के बारे में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। एनटीएफ के अलावा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने विशेषज्ञों के एक समूह का गठन किया है, जिसमें सदस्य के रूप में सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ शामिल हैं।

मीडिया का एक वर्ग महामारी के बारे में भारत के दृष्टिकोण के संबंध में भी निर्णय ले रहा है। लॉकडाउन पर फैसला कोविड-19 मामलों की तेजी से वृद्धि की पृष्ठभूमि में लिया गया था। मामलों की दोगुनी होती दर निचले स्तर पर आ गई थी, जो मामलों की संख्या अधिक होने और उच्च मृत्यु दर के खतरे की ओर इशारा कर रही थी जैसाकि कई पश्चिमी देशों ने अनुभव किया था। हमारी स्वास्थ्य प्रणाली जल्द ही कोविड-19 रोग को पराजित कर देगी,यह हकीकत लग रहा है।

राष्ट्र के सामने जितनी तेजी से हालात बदले हैं उसके साथ गति बनाए रखने के लिए नीतियों और रणनीतियों को जांचने की आवश्यकता है। यह वायरस एक नया एजेंट है, अभी तक इसके बारे में कुछ भी अभी पता नहीं है। सरकार उभरती हुई जानकारी और अनुभव के आधार पर रणनीति का पूर्ण विवरण ले रही है। जैसा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य में अच्छी तरह से जाना जाता है, महामारी के विभिन्न चरणों में अलग-अलग प्रतिक्रिया होती है। वास्तव में, बारीक, चरण-वार प्रतिक्रिया एक संतुलित स्वास्थ्य प्रणाली की सकारात्मक विशेषता है। डब्ल्यूएचओ और वैश्विक स्वास्थ्य समुदाय के लोगों ने कोविड -19 के लिए भारत के सक्रिय और प्रथम दृष्टिकोण की सराहना की है। सभी राज्य सरकारों के बीच लॉकडाउन पर सहमति थी।

सरकार ने पहले ही लॉकडाउन के प्रभाव और लाखों संक्रमणों और हजारों मौतों को रोकने के लिए पर अन्य प्रतिबंधों के प्रभाव के साथ ही स्वास्थ्य प्रणाली और लोगों की तैयारियों में भारी लाभ के बारे में जानकारी साझा कर दी थी। ब्रिटेन, इटली, स्पेन और जर्मनी जैसे देशों की तुलना में, भारत में 17.23 मामलों/लाख आबादी और 0.49 मौतों/लाख आबादी (डब्ल्यूएचओ की स्थिति के अनुसार 6 जून 2020 के अनुसार) सबसे कम मामले दर्ज किए गए हैं।

युवा व्यक्तित्व दिलीप बांठिया के 44वें जन्मोत्सव पर 211 यूनिट रक्तदान

आईजीपी ने रक्तदाताओं में भरा उत्साही जोश, रांका व गहलोत सहित अनेक रहे मौजूद

बीकानेर। नेतागिरी इसे आती नहीं, क्योंकि नेता नहीं है। राजनेता तो है मगर राजनीति करनी आती नहीं। खैर यारबाज है, जरूरतमंदों का मददगार है। गांधीवादी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का अनन्य समर्थक है, वर्षों से कांग्रेस पार्टी से जुड़ा है। शहर से राज्य स्तरीय पदों पर सेवारत भी है। साथ ही लगभग सभी राजनीतिक दलों एवं प्रदेश के अनेक आईएएस, आईपीएस अफसरों सहित हर वर्ग उम्र के लोगों से मित्रता की मिसाल भी कायम रखे हुए हैं। दिलीप बांठिया नाम का यह व्यक्तित्व 44 वर्ष का हो चुका है। बीकानेर के उपनग[illegible] शह[illegible] क्षेत्र के युवा के 44[illegible]वें जन[illegible] पर विशाल रक्तदा[illegible] शिविर [illegible] एकत्रित हो [illegible]या, ज[illegible] अनेक युवाओं की फौज ने दिलीप को एक लीडर ही नहीं हमराज के रूप में भी अपना साथी माना है। तभी उनके जन्मोत्सव पर कोरोना जैसी महामारी के दौर में हेल्पिंग हैंडस सरीखी संस्था के बैनर तले जब कुछ दिनों पूर्व भी यह कार्यक्रम बना तो रक्तदाताओं के पंजीयन की एक [illegible]सबी [illegible] देखते [illegible] घंटे में 21[illegible] यू[illegible] देते [illegible] जिंदगियों के लिए एक तरह से अमृत समान काम आएगा। रक्तदाताओं की हौसलाफजाई करने व बांठिया को जन्मोत्सव की शुभकामनाएं देने बीकानेर रेंज के आईजीपी जोश मोहन, यूआईटी के पूर्व चेयरमैन व भाजपा नेता महावीर रांका, शहर कांग्रेस अध्यक्ष यश[illegible] गहलो[illegible]शा[illegible]ना प्र[illegible] विंद[illegible]ज, विकास [illegible]या, सीएमएचओ डॉ [illegible]री एल[illegible] मीणा, पूर्व सरपंच हेमंत सिंह यादव, नारायण झंवर, रतनलाल दफ्तरी, बिश्नाराम सियाग सहित बड़ी संख्या में विविध क्षेत्रों के लोगों ने भागीदारी निभाई। हेल्पिंग हैंड्स के रितेश सेवग ने बताया कि तेरापंथ भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में शांतिमुनिजी ने भी अपनी सानिध्यता प्रदान की। साथ ही बड़ी संख्या में उद्योगपतियों, राजनेताओं, समाजसेवियों ने उपस्थिति दर्शा कर रक्तदाताओं की भी हौसला अफजाई की। उन्होंने बताया कि 211 यूनिट रक्तदान के अलावा 150 फॉर्म भी रक्तदाताओं के अग्रिम पंजीकृत हुए हैं। सभी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए दिलीप बांठिया ने भी अपने धन्यवाद वक्तव्य में कहा कि रक्त दाताओं के लिए उनके रक्त की हर बूंद सदैव आभारी रहेगी। सादगी पूर्वक केक काटा गया, बांठिया व [illegible]य [illegible]यों का सत्कार किया गया। [illegible]भी को कोरोना बचाव सामग्री का भी वितरण किया गया।

opensearch

आर्किटेक्ट श्रीगोपाल कुलरिया का नाम ब्रावो इंटरनेशनल बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज, देश का नाम कर रहे है रोशन

बीकानेर (ओपन सर्च)। संभाग मुख्यालय बीकानेर वैसे तो सम्पूर्ण विश्वपटल पर अपनी ऐतिहासिक धरोहर हेतु सुप्रसिद्ध है और इसी प्रसिद्धि को आगे बढ़ाते हुए बीकानेर मूल के मुम्बई में प्रवासित विश्वकर्मा वंसज आर्किटेक्ट श्रीगोपाल कुलरिया ने इस धरोहर को और ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास किया है। श्रीगोपाल कुलरिया ने अपनी कलाकृति द्वारा ब्रावो इंटरनेशनल बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड, (यूनाइटेड अरब एमिरेट्स) में अपना नाम दर्ज करवाकर बीकानेर शहर का ही नहीं, सम्पूर्ण भारत का नाम भी रोशन किया है।

श्रीगोपाल कुलरिया ने अपने पैतृक कार्य काष्ट-कला का अद्भुत उदाहरण देते हुए 60 वॉट के बल्ब व ग्लास की बोतल के अंदर लकड़ी की छोटी सी मथेरणी को सजाकर अद्भुत कलाकृति का निर्माण किया, जो देखने वालों को आश्चर्यचकित जरूर करती है। इसी कलाकृति को देश ही नहीं अपितु विदेशी संस्थाओं ने भी सम्मानित एवं पुरस्कृत किया। भगवान श्रीविश्वकर्माजी को प्रेरणा स्वरूप मानते हुए श्रीगोपाल कुलरिया वर्तमान में मुम्बई व देश के अन्य शहरों में अपनी आर्किटेक्ट डिज़ाइन द्वारा घरों व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को अंलकृत व सुसज्जित करने का कार्य बखुबी कर रहे है, साथ ही अपनी प्रतिभा द्वारा ऐसी ही अनूठी व अद्भुत कलाकृतियों के निर्माण द्वारा बीकानेर शहर के साथ श्रीविश्वकर्मा सुथार समाज व भारत देश को विश्व पटल पर गौरान्वित कर रहे है।

मोदी सरकार-2 का एक वर्ष : बाड़मेर में केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने किया भाजपा के बूथ संपर्क अभियान का शुभारंभ

क्षेत्र के लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा से किया कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी का स्वागत

बालोतरा (बाड़मेर)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का सफल एक वर्ष पूर्ण होने पर केंद्र सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भारतीय जनता पार्टी का बूथ संपर्क अभियान सोमवार से आरम्भ हो गया। 8 से 14 जून तक प्रदेश भर में चलने वाले बूथ संपर्क अभियान का बाड़मेर में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने भाजपा बालोतरा के कल्याणपुर मण्डल में बूथ संपर्क अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान कल्याणपुर, पचपदरा, बालोतरा एवं जसोल सहित कई गांवों एवं कस्बों में बूथ संपर्क के दौरान क्षेत्र के लोगों ने ढ़ोल बजाकर एवं पुष्प वर्षा से केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी का जोरदार स्वागत किया। बाड़मेर के

सांसद एवं केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने कल्याणपुरा कस्बे के घरों एवं दुकानों में आमजन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पत्र देते हुए संपर्क अभियान का शुभारंभ किया। यहां पर बालोतरा भाजपा जिलाध्यक्ष महेश बी. चौहान सहित अनेक गणमान्य लोगों ने कैलाश चौधरी का स्वागत किया। इसके बाद जिला अध्यक्ष महेश बी. चौहान के नेतृत्व में सभी मंडलों में बूथ स्तर पर सम्पर्क किया गया। प्रदेश में इस अभियान के तहत पार्टी के 2-2 कार्यकर्ता 8 जून से घर-घर जाकर प्रधानमंत्री का पत्र देंगे और सरकार की उपलब्धियों को बताएँगे। प्रदेश भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पत्र को राजस्थान के 25 लाख घरों तक भाजपा कार्यकर्ताओं तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। बच्चों एवं बड़े-बुजुर्गों से की आत्मीयता से मुलाकात ¬ केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने सोशियल डिस्टेंसिंग की पालना करते हुए भाजपा बूथ संपर्क अभियान में भाग लिया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने क्षेत्र के लोगों से आत्मीयता से मुलाकात की।

बड़े-बुजुर्गों के चरण स्पर्श किए और कहा कि मै मोदी की चिट्ठी लेकर आया हूं। उन्होंने बच्चों एवं युवाओं से भी हालचाल पूछे और क्षेत्र की समस्याओं के समाधान को लेकर हरसंभव प्रयास करने की बात कही। इस दौरान आमजन और पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका माला पहनाकर और पुष्प वर्षा करके स्वागत किया।

जेएनसी व एमवीसी दून पब्लिक स्कूल के आनलाईन समर कैम्प में सलाद डेकोरेशन में पुष्पेन्द्र चौधरी व फैन्सी ड्रेस में रूद्रप्रताप रहे प्रथम

बाडमेर (ओपन सर्च)। प्रमोद श्री विधापीठ, कुशल वाटिका, बाड़मेर द्वारा संचालित जेएनसी/एमवीसी दुन पब्लिक स्कूल के समर कैंप में ''सलाद डेकोरशन'' व ''फैन्सी डेउस'' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बाड़मेर से नही बल्कि गुजरात व मध्यप्रदेश राज्य एवं दुबई से भी बच्चों ने हिस्सा लिया। प्रधानाचार्य सीमा राठौड़ ने बताया कि विधालय के ऑनलाईन एवं निःशुल्क समर कैंप के माध्यम से देश-विदेश से भी बच्चे जुड रहे हैं, जिसमें इस कैंप की गुणवता का अंदाजा लगाया जा सकता है। ''सलाद डेकोरेशन'' प्रतियोगिता में जूनियर ग्रुप से पुष्पेन्द्र चौधरी, यथर्व सोनी (डीपीएस स्कुल) व काव्या चांडक (फयुचर लिंक) स्कुल ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। सीनीयर ग्रुप से दीक्षा सिसोदीया, ध्रुवी पगारिया (सेंट पोल) व दीक्षा संखलेचा ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्तकिया।''फैन्सीड्रेस'' प्रतियोगिता में जूनियर ग्रुप से रूद्रप्रताप व रूद्र छगांणी ने प्रथम, कनिष्ठासिंह व तन्वीसिंह (डीपीएस) ने द्वितीय व तन्मय चौधरी एवं ख्वाहिस मंथानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सिनियर ग्रुप से काव्य पांचाल, सुष्टि बोहरा व लक्ष्मी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। निव्या, तेजस, खुशबू, मनीष, लक्षिका, लक्षिता, मयूरी, व्याख्या, पूनम, प्राची, मानसी, कशिश, प्रियांशी, दक्षायनी आदि छात्रो नें भी शानदार प्रदर्शन किया।

सीआईएफएस मुख्यालय में हेल्प इंडिया ने प्रदान की कोरोना प्रीवेंटिव सामग्री

मुंबई (ओपन सर्च)

प्रमुख बहु-कौशल युक्त सुरक्षा एजेन्सी सीआईएफएसके खारघर-मुंबई स्थित महानिरीक्षक पश्चिम मुख्यालय में हेल्प इंडिया ऑनलाइन संस्थान की तरफ से ष्टढ्ढस्स्न के बल सदस्यों के लिये सरदारशहर में निर्मित आयुर्वेदिक काढ़ा 1000 पैकेट, सेनिटाइजर मशीन व सेनिटाइजर अधिकारियों को सुपुर्द किया गया। ष्टढ्ढस्स्न के सभी अधिकारियों द्वारा हेल्प इंडिया टीम का आभार व्यक्त किया गया। ष्टढ्ढस्स्न में एडिशनल एसपी लक्ष्मीनारायण चौधरी ने कहा कि हेल्प इंडिया के सामाजिक कार्यो के लिए ष्टढ्ढस्स्न इनके लिए विशेष पत्र से सेना को अवगत करवाएगा तथा धन्यवाद पत्र संस्थान को प्रेषित करेंगे। हेल्प इंडिया के अनेक विंग्स

के चेयरमैन डॉ पवन पारीक के मुताबिक संस्थान के रोजगार विंग में राष्ट्रीय सदस्य विष्णु राठी व सक्रिय कार्यकर्ता रामकुमार पाल मौजूद रहे, उन्होंने इस अवसर पर बताया कि कोरोना की इस महामारी में बतौर वॉरियर्स तैनात फोर्स को अपनी सुरक्षा हेतु इस सामग्री से बहुत सहायता मिलेगी। उन्होंने बताया कि हेल्प इंडिया संस्थान वैश्विक महामारी से पूर्व ही हेल्प इंडिया प्रीवेंटिव हेल्थ पर अनेक विशेषज्ञ के साथ कार्य कर रहा है। वर्तमान समय मे संस्थान का कार्य इ पोर्टल के मार्फत ट्रेनिंग देकर एक करोड़ रजिस्टर्ड लोगो को प्रेविंटिव हेल्थ कोच बनाने का लक्ष्य है जो आगामी 18 माह में पूर्ण कर लिया जाएगा। डॉ पारीक के अनुसार हेल्प इंडिया ने इस वैश्विक महामारी में देशभर में सामाजिक सरोकारों व नाम के अनुरूप बेहतरीन कार्यो की मिसाल कायम की है, हेल्प इंडिया ने 19 राज्यो के 141 जगह 229000 से ज्यादा घर पर निर्मित मास्क, 28000 सूखा राशन पैकेट,1100 के लगभग पुलिस चौकी व पुलिस बूथ को सेनिटाइजर करवाना, घर पर निर्मित भोजन के 3 लाख से ज्यादा भोजन पैकेट के साथ हज़ारो व्यक्तियों को प्रीवेंटिव हेल्थ की विडियो कॉन्फ्रेसिंग से ट्रेनिंग दी है, साथ ही अन्य कार्यो से ष्टढ्ढस्स्न के अधिकारियों को अवगत करवाया।

ट्रांसपोर्टरों का टैक्स माफ, स्कूलों की फीस नहीं ?

कोरोना काल में लोगों के पास नहीं है फीस के पैसे, जबकि रियायती दर पर दी गई है स्कूलों को जमीन

हरीश गुप्ता

जयपुर। ट्रांसपोर्टरों की एक धमकी से ट्रांसपोर्ट विभाग हिल गया और 3 महीने के टैक्स माफी की घोषणा कर डाली। वह अलग बात है कि वे 6 माह का टैक्स माफ करने पर अड़े हुए हैं। उधर निजी स्कूल वाले एक भी महीने की फीस नहीं छोड़ रहे सरकार चुप क्यों है?

लॉक डाउन के बाद सभी की आर्थिक हालत तंग हो गई। कईयों को नौकरी से हटा दिया गया। जिन के धंधे थे चौपट हो गए। भूख के मारे कई पलायन कर गए तो कई रास्ते में दम तोड़ गए। ऐसे में निजी स्कूल वालों ने फीस मांगना नहीं छोड़ा। कारण सरकार ने निजी स्कूलों पर फीस न मांगने की सख्ती नहीं की। यह तो तब है, जबकि लगभग कई बड़े स्कूलों को सरकार ने रियायती दर पर जमीन दी हुई है। ऐसे में चाहे तो सरकार सख्ती कर सकती थी। उसका कारण तो समझ आ रहा है कि फीस माफी के लिए सरकार तक पैरवी करने के लिए कोई मजबूत पैरोकार खड़ा नहीं हुआ। सभी को पता है राजस्थान रोडवेज काफी घाटे में चल रही है। घाटे में चलने का कारण छीजत तो है ही, लेकिन सबसे बड़ा कारण प्राइवेट बसें हैं। लेकिन दुर्भाग्य है सरकार में बैठे लोग प्राइवेट बसों की पैरवी कर रहे हैं और रोडवेज की उपेक्षा। उसका कारण है पैरवी करने वालों के परिवार वालों और दोस्तों की बसें काफी ज्यादा है। यही कारण है ट्रांसपोर्टरों ने अप्रैल, मई और जून माह का टैक्स माफ करवा लिया। इतना करवाने के बाद भी इनके पेट का दर्द कम नहीं हुआ। अब वह 6 माह का माफ करने का दबाव बना रहे हैं।

लॉक डाउन में सड़क पर आए लोगों को सरकार से उम्मीद थी कि बिजली-पानी के बिल माफ होंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ फिर उम्मीद थी कि निजी स्कूलों की फीस के मामले में सरकार कोई सख्ती करेगी, लेकिन ऐसा भी नहीं किया गया। सरकार के रवैए को देखते हुए निजी विद्यालयों ने कसर नहीं छोड़ी और मौके का फायदा उठाकर फीस और बढ़ा डाली।

ऐसे में जब स्कूलों की फीस माफ नहीं हो सकती तो ट्रांसपोर्टरों का टैक्स माफ करने की क्या जरूरत? टैक्स आएगा तो राज्य के खजाने में ही। कई लोगों से बात की तो सभी का कहना था कि इन लोगों का टैक्स माफ नहीं होना चाहिए। आखिर ट्रांसपोर्ट विभाग सरकार के खजाने का दुश्मन क्यों बना हुआ है?

निशुल्क मास्क वितरण

नई दिल्ली। प्रशांत विहार थाने के बाहर जरूरतमंद लोगों को निशुल्क मास्क व सैनिटाइजर बांटे गए। लायन ब्लड बैंक शालीमार बाग के अध्यक्ष व इंद्रप्रस्थ संजीवनी के संरक्षक लायन डॉ. राजेंद्र अग्रवाल का तीन जून को कॉलमेट गंगा राम अस्पताल में कोरोना से निधन हो गया था। उनकी स्मृति में संस्था के अध्यक्ष डॉ. संजीव अरोड़ा ने रविवार को यह आयोजन किया। उन्होंने बताया कि लॉयन राजेंद्र अग्रवाल इस कोरोना काल में लोगों की मदद के लिए हमेशा आगे रहे, जरूरतमंद लोगों तक ब्लड पहुंचाने में तत्परता से खड़े रहे और इस बीच बीमार भी पड़ गए। अफसोस कि अंत में कोरोना के कारण उन्हें असमय इस दुनिया को अलविदा कहना पड़ा, लेकिन हम उनके सेवा-भाव को सलाम करते हैं और उनके रास्ते पर आगे बढ़ने का प्रण लेते हैं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में लॉयन संजय सिघला, सागर सेन, संजीव गुप्ता, सी ए मनीष कुमार, राहुल शर्मा, राजेश सिंह, जितेंद्र मनचंदा व अन्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मोटरसाइकिल लूटने वाला वांछित गिरफ्तार

नई दिल्ली। टिगड़ी थाना पुलिस ने देवली रोड से मोटरसाइकिल लूटकर फरार हुए एक आरोपित को सोमवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। आरोपित कुछ दिन पहले ही कोर्ट से पैरोल पर बाहर आया था। आरोपित के पास से लूट की मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई है। आरोपित की पहचान कय्यूम के रूप में की गई है। पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि रविवार रात करीब तीन बजे पुलिस को सूचना मिली कि दो युवक मोटरसाइकिल लेकर फरार हो गए हैं। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद से एक आरोपित को को गिरफ्तार कर लिया।

मोबाइल और नगदी लूटने वाला हत्थे चढ़ा: अंबेडकर नगर थाना पुलिस ने मदनगीर क्षेत्र में युवक से मोबाइल और नगदी लूटने वाले एक आरोपित अरुण को गिरफ्तार किया है। उसके दो अन्य साथियों की तलाश की जा रही है। उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि सात जून की रात एक युवक से तीन अज्ञात बदमाशों ने अचानक हमला कर मोबाइल और 300 रुपये लूट लिए थे।

युवक से लूट कर भाग रहे दो आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। अंबेडकर नगर पुलिस ने रविवार को युवक को घायल कर नगदी लूटकर फरार हो गए आरोपितों को देर रात गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों की पहचान विजय और नितिन के रूप में की गई। गिरफ्तार आरोपित विजय इससे पहले अंबेडकर नगर पुलिस थाने का वांछित था। दक्षिणी दिल्ली जिले के पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि सात जून की शाम पुलिस को सूचना मिली कि दक्षिणपुरी इलाके में बाइक सवार दो बदमाशों ने युवक को घायल कर उसके साथ लूटपाट की है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की सहायता से रविवार देर रात दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपितों को जेल भेज दिया गया।

फ्लैट से चुराया गया मोबाइल पुलिस ने किया बरामद, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजौरी गार्डन थाना में छह जून को एक शख्स ने दर्ज कराई गई अपनी शिकायत में पुलिस को बताया कि किसी ने उनका मोबाइल फोन व पांच हजार रुपए नकद उनके घर से चुरा लिए हैं। वारदात को तब अंजाम दिया गया जब वे प्रथम तल स्थित अपने फ्लैट से दूध लाने के लिए बाहर गए थे।

राजौरी गार्डन थाना के प्रभारी इंस्पेक्टर अनिल कुमार शर्मा के नेतृत्व में गठित टीम ने एसीपी राम सिंह की देखरेख में इस मामले के आरोपित की तलाश शुरु की। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और आसपास के इलाके में सक्रिय बदमाशों के बारे में सूचना जुटानी शुरू की। जानकारियों के आधार पर पुलिस ने जगमोहन हेमंत व ऋषभ नामक तीन आरोपितों को दबोच लिया। इनके पास से पुलिस ने चुराई गई मोबाइल व पांच सौ रुपए बरामद किए।

सवारी बन ई रिक्शा ले उड़ा चोर

नई दिल्ली। सवारी बनकर चोर धोखा देकर ई रिक्शा लेकर फरार हो गया। इस बावत पीड़ित ई रिक्शा चालक की शिकायत पर मुखर्जी नगर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। चोरी की पूरी वारदात मौके के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जिसके फुटेज के आधार पर पुलिस चोर का सुराग पाने में जुटी है।

जानकारी के अनुसार कल्लू खान आजादपुर इलाके में रहते हैं और परिवार के भरण पोषण के लिए ई रिक्शा चलाते हैं। शनिवार को ई रिक्शा लेकर घर से निकले थे और आजादपुर इलाके में सवारी का इंतजार कर रहे थे। तभी उनके पास से एक शख्स आया है और विजय नगर चलने को कहा। विजय नगर लेकर पहुंचे तो उसने गुरुद्वारे के पास ई रिक्शा रुकवा दिया और सामान लाने की बात कह कर चला गया। वह कुछ देर के बाद लौटा तो कल्लू से कहा कि काफी देर हो गया है, वह जाकर पानी पी लें। ऐसे में कल्लू पानी पीने के लिए चला गया और इस बीच वह शख्स ई रिक्शा लेकर फरार हो गया। लौटने के पर ई रिक्शा व सवारी नहीं मिला तो मामले की सूचना पुलिस को दी।

गलत लेन में चलने पर 1008 वाहनों के हुए चालान

नई दिल्ली। सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निर्धारित लेन में वाहन चलाने के लिए लोगों को जागरूक करने के साथ ही यातायात पुलिस ने अब गलत लेन में वाहन चलाने वालों के चालान करने भी शुरू कर दिए हैं। एक सप्ताह से जागरूकता अभियान चलाने के साथ चार दिनों में एक हजार से अधिक वाहनों के चालान भी किए गए हैं। संयुक्त आयुक्त यातायात एनएस बुंदेला ने बताया कि लेन ड्राइविग के लिए वाहन चालकों को जागरूक करने के लिए साइन बोर्ड और पंफ्लेट की मदद ली गई है। एसीपी और ट्रैफिक इंस्पेक्टर ट्रैफिक रेंज के सभी सर्कल अपने कर्मचारियों के साथ लोगों को लेन ड्राइविग के लिए जागरूक कर रहे हैं। जागरूकता अभियान दक्षिणी दिल्ली में अरविदो मार्ग, पश्चिमी दिल्ली में पूसा रोड से पिलर नंबर 190, मायापुरी से धौला कुआं तक, नई दिल्ली में पंचशील लाल बत्ती से धौला कुआं, आरआर अस्पताल के सामने एनएच-6 पर और पूर्वी दिल्ली में कृष्णा नगर लाल बत्ती, आइटी पार्क सहित मध्य और उत्तरी दिल्ली में भी मुख्य सड़कों पर चलाया गया। जागरूकता अभियान के बाद लेन ड्राइविग का उल्लंघन करने पर मोबाइल कैमरा ऐप के जरिये 4 से 7 जून तक 1008 वाहन चालकों के चालान किए गए हैं।

उच्च न्यायालय ने राशन के लिए ई कूपन जारी करने में विलंब के आरोप पर दिल्ली सरकार से जवाब मांगा

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कोविड-19 महामारी के दौरान राशन उपलब्ध कराने के लिए ई कूपन जारी करने में विलंब का आरोप लगाने वाली याचिका पर दिल्ली सरकार से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति नवीन चावला ने दिल्ली सरकार को याचिका पर एक सप्ताह के भीतर स्थिति रिपोर्ट दायर करने का निर्देश दिया। याचिका में ई कूपन के लिए लगभग 309 परिवारों द्वारा दायर आवेदनों का संदर्भ दिया गया है। उच्च न्यायालय ने पांच जून को यह आदेश उत्तर-पूर्वी दिल्ली की निवासी एक महिला की याचिका पर दिया जिसने दावा किया कि 23 अप्रैल को आवेदन दायर किए जाने के बावजूद उसे चार जून तक ई कूपन जारी नहीं किया गया।महिला की ओर से पेश हुए वकील तुषार सानू ने अदालत को बताया कि महिला को पांच जून की सुबह एक किट के साथ ई कूपन और राशन जारी किया गया। वकील ने हालांकि, अदालत का ध्यान उन 309 परिवारों की ओर आकृष्ट किया जिन्हें तब तक ई कूपन नहीं मिले थे।

दिल्ली सरकार ने उच्च न्यायालय से कहा, कोविड-19 हेल्पलाइन, एम्बुलेंस की संख्या में बढ़ोतरी कर रहे

नई दिल्ली (ओपन सर्च)

आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में दावा किया कि उसने कोविड-19 से संबंधित हेल्पलाइन 1031 की क्षमता में इजाफा किया है और एम्बुलेंस के बेड़े को बढ़ाने का भी प्रस्ताव किया है ताकि वायरस की चपेट में आए प्रत्येक व्यक्ति को त्वरित इलाज उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जा सके।

एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति प्रतीक जालान की पीठ के समक्ष ये दावा किया गया। उच्च न्यायालय ने एक वीडियो क्लिप का स्वत: संज्ञान लेकर जनहित याचिका के तौर पर सुनवाई शुरू की थी, जिसमें एक व्यक्ति ने दावा किया था कि उसे अपनी मां को कोरोना वायरस संक्रमित पाए जाने के बाद अस्पताल में भर्ती करवाने के लिए दर-दर की ठोकर खानी पड़ी।दिल्ली सरकार के अतिरिक्त स्थायी वकील अनुज अग्रवाल ने कहा कि आप और केंद्र सरकार की दलीलों पर गौर करने के बाद पीठ ने कई निर्देश जारी किए, जिसमें डॉक्टर की सलाह को ध्यान में रखते हुए जितना संभव हो सके सभी मरीजों का परीक्षण किया जाना शामिल है।

अग्रवाल ने कहा कि पीठ ने यह भी निर्देश दिया कि राज्य अथवा विभाग द्वारा मरीजों से संपर्क करने में होने वाली देरी के मुद्दे को भी आईसीएमआर के साथ सलाह-मशविरा करके हल करें। विस्तृत आदेश की प्रतीक्षा है।

सुनवाई के दौरान, दिल्ली सरकार के स्थायी वकील (अपराध) राहुल मेहरा और अग्रवाल ने अदालत को बताया कि हेल्पलाइन 1031 में लाइनों की संख्या में बढ़ोतरी करके इसकी क्षमता को और बढ़ाया जाएगा ताकि बिना देरी और इंतजार किए अधिक कॉल सुनी जा सकें।

उन्होंने पीठ को यह भी सूचित किया कि दिल्ली सरकार जून के अंत तक एम्बुलेंस की संख्या में इजाफा करने को लेकर भी प्रयासरत थी। साथ ही उन्होंने कहा कि पहले एम्बुलेंस की उपलब्धता को लेकर कुछ समस्या थी लेकिन उसके हस्तक्षेप के बाद लगभग सभी कोविड-19 से संबंधित कॉल पर एम्बुलेंस मुहैया करायी जा रही है। दिल्ली सरकार की ओर से जारी ''दिल्ली कोरोना'' मोबाइल ऐप के बारे में भी अदालत को सूचित किया गया, जिसके जरिए कोविड-19 के मरीजों के लिए अस्पतालों में बिस्तर और वेंटिलेटर की उपलब्धता का पता लगाया जा सकता है। निर्देश देने के बाद अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 25 जून के लिए सूचीबद्ध की।

स्वास्थ्य सचिव ने कोविड-19 के बढ़ रहे मामलों से संबंधित जिलों के जिला मेजिस्ट्रेट, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारियों और नगर निगमों के आयुक्तों के साथ विचार विमर्श किया

नीति गोपेंद्र भट्ट

नई दिल्ली। स्वास्थ्य सचिव श्रीमती प्रीति सूदन और मंत्रालय के विशेष कार्याधिकारी श्री राजेश भूषण तथा वरिष्ठ अधिकारियों ने उच्च स्तरीय बैठक में आज कोविड-19 के बढ़ रहे मामलों से संबंधित 10 राज्यों के 38 जिलों के जिला क्लेक्टरों, 45 नगर निगमों, नगर पालिकोओं के आयुक्तों, मुख्य चिकित्सा अधिकारियों, जिला अस्पतालों के अधीक्षकों के साध विडियो कांफ्रेंस के जरिये समीक्षा बैठक की। ये जिले महाराष्ट्र, हरियाणा, तेलंगाना, तमिलनाडु, राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश के राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में हैं। इस बैठक में प्रमुख रूप से व्यापक संक्रमण से प्रभावित घने बसे शहरी इलाकों जिन के साथ सार्वजनिक सुविधाओं के क्षेत्र हैं, घर घर सर्वे के महत्व, तेजी से जांच के बाद तुरंत आइसलोशन और मामलों के नैदानिक प्रबंधन तथा लागू की जाने वाली नियंत्रण रणनीति के मुद्दों पर चर्चा की गई।

राज्यों को अधिकारियों को कटेनमेंट जोन और बफर जोन में उठाये जाने वाले कदमों सर्विलांस और कोविड-19 से बचाव के नियमों को आदत के रूप में विकसित किये जाने की सलाह दी गई। मृत्यु दर में कमी लाने कि लिये अधिकारियों को मौतें रोकने हेतु संपर्कों का पता लगाते हुये अधिक जोखिम और बुजुर्गों विशेष रुप से अन्य रोगों से ग्रस्त वृद्धों को प्राथमिकता देते हुये उपाय करने, सक्रिय सर्विलांस, पर्याप्त जांच, समय पर मामलों का पता लगाने के लिये स्वास्थ्य से संबंधित व्यवहार पर गौर करने और लक्षणों के बढ़ने से पहले समय पर रोगियों को उपचार के लिये भेजना सुनिश्चित करने की जरूरत से अवगत कराया गया।

कोविड-19 के नियंत्रण और प्रबंधन के स्वास्थ्य ढांचे और कर्मियों को बारे में बताया गया कि स्वास्थ्य ढांचे के लिये पर्याप्त योजना बनाई जानी चाहिये, पर्याप्त संख्या में सर्विलांस दल उपलब्ध कराये जाने, बिस्तरों की उपलब्धता के लिये एक प्रभावी व्यवस्था बनाने, लोगों को जरूरत के अनुसार स्वास्थ्य सेवाओं का पता लगाने में मदद के लिये चिकित्सा पेशेवरों और वरिष्ठ अधिकारियों के तालमेल के प्रयासों की विशेष व्यवस्था बनाने की भी सलाह दी गई। क्षेत्रीय शासन पर नगर पालिका और निगमों के अधिकारियों को नेतृत्व संभालते हुये पूर्ण शासन दृष्टिकोण के आधार पर नियंत्रण उपायों कि लिये स्थानीय पालिका या निगम के पूरे ढांचे के उपयोग करने की सलाह दी गई। यह भी सलाह दी गई कि कोविड-19 पर नियंत्रण के प्रयासों पर बल देते हुये नागरिकों के लिये पहले से उपलब्ध नियमित और जरूरी स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान दिया जाये। जिन क्षेत्रों पर लगातार ध्यान केन्द्रित किया जाना जरूरी है, उनमें समय पर मामलों का पता लगाने लिये घर घर सर्वे, सर्वे दलों को सशक्त बनाना, कुशल एंबुलेंस प्रबंधन, अस्पतालों में रोगी और बिस्तर प्रबंधन, मृत्यु दर में कमी सुनिश्चित करने के लिये बारी बारी से सातों दिन चौबीस घंटे अस्पताल में दाखिल मरीजों का नैदानिक प्रबंधन करना शामिल हैं, और यह सलाह दी गई की कि प्रयोगशालाओं से जल्द रिपोर्ट मंगवा कर पुष्ट मामलों की पहचान कर समय पर उनका उपचार कराया जा सके। यह भी कहा गया कि विश्वास विकसित करने और स्वास्थ्य सेवाओं तक समय पर पहुंच में ग्रामीण प्रतिनिधियों का सहयोग लिया जाये।

वाहन चोरी व लूटपाट की वारदात को अंजाम देने वाले छह बदमाश दबोचे

नई दिल्ली.एजेंसी। राजेंद्र नगर थाना पुलिस ने इलाके में वाहन चोरी व लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देने वाले छह बदमाशों को गिरफ्तार किया। आरोपितों पर पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। गिरोह के दो सदस्य गला दबाकर लूटपाट करने में माहिर हैं। आरोपितों की पहचान अजय पटुआ, आशिम, गोपेश, जय प्रकाश, प्रेम और कृष्ण के रूप में हुई है। उनके पास से चोरी की आठ स्कूटी, सोने के दो कड़े, दो लैपटाप व अन्य सामान बरामद हुए हैं। बदमाश लूटे गए सोने के गहने को मुथूट फाइनेंस में जमा कर लोन ले लेते थे। पुलिस आरोपितों की गिरफ्तारी पर 12 मामले सुलझाने का दावा किया है। डीसीपी संजय भाटिया ने बताया कि 12 मार्च को ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में स्कूटी की चोरी हुई थी। घटना स्थल का सीसीटीवी फुटेज निकला गया तो पता चला कि छह बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया है। जांच में जुटी राजेंद्र नगर थाना एसएचओ सतेंद्र मोहन की टीम को जानकारी मिली की बदमाश सात जून को वारदात करने इलाके में आने वाले हैं। पहले से सर्तक पुलिस ने तीन अलग-अलग स्कूटी पर आए छह बदमाशों को दबोच लिया। पूछताछ में बदमाश अजय पटुआ ने बताया कि वह नशे का आदी है और अपने पांच साथियों के साथ मिलकर चोरी, वाहन चोरी और लूटपाट की वारदात करता था। अजय और गोपेश को गला दबाकर लूटपाट करने का विशेष अनुभव था। आरोपितों ने बताया कि छह जून को उन्होंने महिला से गहने लूटने के अलावा कई अन्य वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अजय पर पहले से तीन, आशिम पर पांच, गोपेश पर तीन, जय प्रकाश पर पांच और प्रेम पर चार मुकदमें दर्ज हैं। सभी बदमाशों की उम्र 23 से 31 वर्ष के बीच है।

मरीजों को भर्ती से मना किए जाने के संबंध में याचिका पर अदालत ने जवाब मांगा

नई दिल्ली.एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक याचिका पर सोमवार को आप सरकार से जवाब मांगा। याचिका में सरकारी और निजी अस्पतालों को कोविड-19 के लक्षण वाले और बिना लक्षण वाले मरीजों को भर्ती करने से मना नहीं करने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। याचिका में यह भी निर्देश देने का आग्रह किया गया है कि अस्पतालों को आपात स्थिति में पहले कोरोना वायरस की जांच के लिए जोर नहीं देना चाहिए। न्यायमूर्ति डी एन पटेल और न्यायमूर्ति प्रतीक जैन की पीठ ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सुनवाई की और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया। मामले में अब 25 जून को सुनवाई होगी। पीठ वकील और याचिकाकर्ता कृष्ण कुमार शर्मा की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिन्होंने मरीजों से पीपीई किट के लिए ज्यादा रकम नहीं लेने और उचित मूल्य लेने के निर्देश का अनुरोध किया है। कोविड-19 महामारी के समय उपचार से मना करने वाले सरकारी और निजी अस्पतालों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई किए जाने का भी उन्होंने अनुरोध किया है। वकील के एम मोनिका के जरिए दाखिल याचिका में अनुरोध किया गया है कि सरकारी और निजी अस्पतालों में किसी मरीज को भर्ती करने के पहले कोविड-19 की जांच के लिए विवश नहीं करना चाहिए। याचिका में कहा गया है , ''कई निजी अस्पतालों ने भर्ती करने से पहले कोविड-19 की जांच को जरूरी कर दिया है जबकि प्रतिवादी (दिल्ली सरकार) पहले ही इस मुद्दे पर एक स्पष्टीकरण जारी कर चुकी है कि अस्पताल प्रशासन बिना लक्षण वाले मरीजों की जांच नहीं कराए।'' याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय को बताया कि कई अस्पताल डायलिसिस, खून चढ़ाने, कीमोथैरेपी और प्रसव जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करने से भी टालमटोल कर रहे हैं।

याचिका में कहा गया है, ''कई जगहों पर ऐसा देखा गया है कि अस्पताल सेवाएं प्रदान करने के पहले कोविड-19 की जांच कराने पर जोर दे रहे हैं। दिल्ली सरकार कई निर्देश जारी कर चुकी है कि महामारी के दौरान कोई भी सरकारी या निजी अस्पताल या नर्सिंग होम अगर जरूरी चिकित्सा सेवा मुहैया कराने से मना करता है तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।''

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने खुद को पृथक-वास में रखा,होगी कोविड-19 की जांच

नई दिल्ली (विकास सैनी)

कोरोना वायरस से जूझ रही दिल्ली के लिए एक और चिंताजनक खबर है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तबीयत खराब हो गई है। उन्हें रविवार से हल्का बुखार और गले में खराश है। कोरोना वायरस के रिस्क को देखते हुए कल उनका टेस्ट कराया जाएगा। सोमवार की उनकी सारी मीटिंग्स कैंसिल कर दी गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, केजरीवाल ने कल दिल्ली में कोरोना की स्थिति की जानकारी देने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। जिसके बाद उनकी तबीयत थोड़ी गड़बड़ हुई। ऐहतियातन उन्होंने खुद को होम आइसोलेशन में रखा है। आप सरकार ने दिल्ली में एसिम्प्टोमेटिक और प्री-सिम्प्टोमेटिक केसेज के कोरोना टेस्ट पर रोक लगा रखी है। सिर्फ लक्षण वाले संदिग्धों का टेस्ट होता है।

कॉन्टैक्ट्स को क्वारंटीन करने की कोशिश शुरू

दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने एक चौनल से बातचीत में केजरीवाल की तबीयत खराब होने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिन में सीएम के संपर्क में आने वालों लोगों ने सावधानी बरतनी शुरू कर दी है। भारद्वाज ने कहा कि 'सीएम सेल्फ क्वारंटीन में हैं। कल सुबह टेस्ट के बाद पक्का पता जाएगा।' मंत्री ने कहा कि कैबिनेट की मीटिंग्स तो दूर-दूर बैठकर होती थीं। सरकारी अधिकारियों को सावधानी बरतनी चाहिए।

दिल्ली में कोरोना मामलों का विस्फोट

देश की राजधानी में कोरोना वायरस मामलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सोमवार सुबह तक दिल्ली में करीब 29 हजार मामले हो चुके थे। इनमें से 10,999 कोरोना मरीज अभी तक स्वस्थ हो चुके हैं। वहीं 17,125 ऐक्टिव मरीज अभी भी इलाज करा रहे हैं। दिल्ली सरकार के मुताबिक, 12,213 कोरोना पेशंट्स को उनके घरों में ही आइसोलेशन में रहने को कहा गया है। यहां मरने वालों की संख्या 812 पहुंच चुकी है। दिल्ली में कोरोना हॉटस्पॉट्स की संख्या भी बढ़कर 169 हो चुकी है।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन का कहना है कि अगले दो हफ्ते में राजधानी में कोरोना के केस डबल होकर 56 हजार तक पहुंच जाएंगे। इन सबके बीच, दिल्ली सरकार ने सोमवार से शॉपिंग मॉल, धार्मिक स्थल और रेस्तरां खोलने का ऐलान किया है। लेकिन होटल और बैंक्विट हॉल अभी बंद रहेंगे। यह छूट अनलॉक-1 के तहत दी गई है। रविवार को सीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ऐलान किया था कि दिल्ली के प्राइवेट अस्पतालों में अब सिर्फ यहीं के निवासियों का इलाज होगा। केजरीवाल ने बताया था कि दिल्ली सरकार के अंतर्गत आनेवाले हॉस्पिटल और दिल्ली के प्राइवेट हॉस्पिटलों में सिर्फ दिल्ली के लोगों का इलाज होगा। वहीं केंद्र सरकार के हॉस्पिटल जैसे एम्स, सफदरजंग और राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) में सभी लोगों का इलाज हो सकेगा।

दिल्ली में खुले धार्मिक स्थल, कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

नई दिल्ली (राहुल गुप्ता)

अनलॉक-1 के तहत दिल्ली में सोमवार से सभी मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे और गिरिजाघर खुल गए। मंदिरों के खुलते ही सुबह से ही श्रद्धालु भगवान के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। लोग मास्क के साथ नजर आए। धार्मिक स्थलों में सामाजिक दूरी, सैनिटाइजेशन और बाकी चीजों का पूरा ख्याल रखा जा रहा है। मंदिर में प्रवेश से पहले लोगों की थर्मल स्क्रीनिंग की जा रही है। इसके बाद मंदिर में प्रवेश के साथ ही लोगों को दर्शन के लिए नियम भी बताए जा रहे हैं। दिल्ली के कालकाजी मंदिर में श्रद्धालुओं ने समामाजिक दूरी का पालन करते हुए मां कालका के दर्शन किए। इसी तरह झंडेवालान मंदिर में श्रद्धालुओं ने नियमानुसार पूजा की। यहां प्रबंधन के लोगों ने सैनिटाइजर और तापमान चेक करने की मशीन लगाई हुई है। कनॉट प्लेस के पास हनुमान मंदिर में ढोल की धुन पर 'हनुमान' के रूप में सजे एक व्यक्ति ने नृत्य किया। लोधी रोड स्थित साईं बाबा मंदिर में भी श्रद्धालुओं ने दो गज की दूरी का पालन करते हुए पूजा की। छतरपुर मंदिर में भक्तों ने पूजा-अर्चना की। इसी तरह सभी मंदिरों में श्रद्धालु भगवान के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। श्रद्धालु समाजिक दूरी का पालन करने के साथ भगवान के दर्शन के लिए नियमों का पालन कर हे हैं। इस दौरान कहीं से नियम तोड़ने या भीड़ जुटने की खबर नहीं मिली है। दिल्ली कांग्रेस के उपाध्यक्ष अभिषेक दत्त ने कस्तूरबा नगर विधानसभा क्षेत्र के धार्मिक स्थलों का दौरा किया। उन्होंने ट्वीट कर बताया कि यहां धार्मिक स्थलों पर तैयारियां अच्छी की गई हैं। गोल घेरे के निशान, सैनिटाइजेशन आदि।

ओपन सर्च

भोजन करना बड़ी बात नहीं। भोजन न करना भी बड़ी बात नहीं। भोजन करने और न करने में विवेक रखना बड़ी बात है।

आते रहेंगे चक्रवाती तूफान

'निसर्ग' चक्रवाती तूफान आया और गुजर गया। तूफान आएगा, तो तबाही की निशानदेहियां जरूर छोड़ जाएगा, लेकिन बंगाल-ओडिशा के 'अम्फान' की तरह इसने 'तांडव' नहीं किया। सिर्फ एक व्यक्ति की मौत हुई, करीब 200 पेड़ उखड़ कर जमींदोज हो गए, करीब 40 जगह शॉर्ट सर्किट की घटनाएं हुई। किसी की छत उड़ गई, तो किसी की छत के कपड़े की तरह चिथड़े उड़ गए। समंदर में नौसेना का भारी-भरकम जहाज पत्ते की तरह डोलने लगा, मानो कोई भूकंप आ गया हो! और बहुत कुछ हुआ, लेकिन मुंबई का संकरा, घना शहर और उसकी आबादी बच गई। मुंबई कई मौकों पर महफूज रहा है। तूफान या तो आया नहीं अथवा आने के बाद कमजोर पड़ गया या किसी और दिशा की तरफ मुड़ गया। ऐसा तूफान करीब 129 साल के बाद महाराष्ट्र के समंदरी तट से टकराया है। आपदाओं और हादसों का मूल्यांकन तूफान से हुए नुकसान और मौतों के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। ऐसा करने से वह बहुत जल्दी 'अतीत' हो जाते हैं और हम भविष्य के प्रति बेफिक्र और लापरवाह हो जाते हैं। 'निसर्ग' का अर्थ होता है-ब्रह्मांड। तूफानों से न जाने कितनों के 'ब्रह्मांड' तबाह हो जाते हैं, फिर भी इनका वैज्ञानिक आकलन किया जाना चाहिए। 'निसर्ग' महातूफान से पहले समंदर का तापमान 30-37 डिग्री सेल्सियस बताया गया है। जाहिर है कि वाष्पीकरण और बादल बनने की प्रक्रिया भी हुई होगी और उसके बाद के रासायनिक समीकरण भी बने होंगे! सवाल है कि क्या ऐसे तूफान ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के ही दुष्परिणाम होते हैं? ये अवधारणाएं आज तक हम मानसिक और बौद्धिक रूप से समझ नहीं पाए हैं, जबकि वैज्ञानिक शोधों के निष्कर्ष हैं कि मनुष्य की सबसे बड़ी और भयानक समस्या जलवायु परिवर्तन के अलावा कुछ और नहीं है, लेकिन वह हमारी कल्पना के संकुचित दायरे से बहुत बाहर है। अब कम मौतें और कम नुकसान के मायने ये नहीं हैं कि पर्यावरण और कुदरत अपने खेल आगे नहीं दिखाएंगे। चक्रवाती तूफानों के सिलसिले 17वीं सदी के उत्तरार्द्ध से जारी हैं और अब तक चक्रवाती तूफान बनने की प्रक्रिया में करीब 46 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

विजय कुमार

यानी अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान अब अधिक मात्रा में बन रहे हैं। यह भी सवाल हो सकता है कि चक्रवाती तूफान पश्चिमी तट की ओर ज्यादा क्यों बढ़ रहे हैं? वैज्ञानिक शोधों ने बार-बार ये निष्कर्ष दिए हैं कि तूफान क्यों बढ़ रहे हैं? विज्ञान और शोध की भूमिका यहीं तक है, लेकिन विश्व स्तर पर हमारे नेता, विभिन्न पर्यावरण सम्मेलनों के दौरान, चीखते हुए संकल्प लेते रहे हैं कि हमें पृथ्वी को बचाना है। हमें कार्बनडाइऑक्साइड का इस्तेमाल कम करना है, ताकि पृथ्वी की गरमी कुछ ठंडी होकर शांत हो सके। पृथ्वी मनुष्य की मोहताज नहीं है। उसी ने मानव को रचा है। पृथ्वी न जाने कितने प्रलय और चक्रवाती तूफान देख और झेल चुकी है। बहरहाल कार्बन का इस्तेमाल कम नहीं होता, क्योंकि हमें कोयला और पेट्रोलियम का उपभोग जरूर करना है। वे हमारे विकास के प्रतीक हैं। जलवायु परिवर्तन का सबसे बुरा कहर जिन देशों पर बरपना है, उनमें भारत और बांग्लादेश नाजुक स्थिति में हैं। यदि जलवायु परिवर्तन के संतुलन ठीक नहीं हैं, तो कोई भी चक्रवाती तूफानों को रोक नहीं सकता। उनका सिलसिला जारी रहेगा और वे ज्यादा घातक और मारक साबित होते रहेंगे। फिलहाल अरब सागर में कम और खाड़ी बंगाल में ज्यादा चक्रवाती तूफान बनते हैं। यह समीकरण 1-4 का हो सकता है, लेकिन भविष्य में इसमें भी बदलाव हो सकता है। लिहाजा पर्यावरण हमारे लिए सबसे संवेदनशील और महत्त्वपूर्ण मुद्दा होना चाहिए, लेकिन सच कुछ और ही है। हालांकि भारत में 1980 के दशक में पर्यावरण की अवधारणा स्थापित हो चुकी थी।

मानव जीवन का पर्यायवाची है पर्यावरण

योगेश कुमार सोनी

पर्यावरण को सुरक्षित करने के लिए वर्ष 1972 में संयुक्त राष्ट्र संघ ने स्वीडन में विश्व के तमाम देशों को एक मंच पर लाकर पहला पर्यावरण सम्मेलन आयोजित किया था। इसमें 119 देश सम्मिलित हुए और पहली बार एक ही उद्देश्य के लिए इतने देश एकत्रित हुए थे। विश्व में लगातार बढ़ रहे प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग से होने वाली हानि की चिंताओं की वजह से विश्व पर्यावरण दिवस की शुरुआत की गई थी। इसके दो वर्ष बाद हमारे देश में विश्व पर्यावरण की नींव 5 जून 1974 में रखी गई थी। भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पर्यावरण दिवस पर भारत की प्रकृति और पर्यावरण के प्रति चिंता जाहिर करते हुए आग्रह किया था कि पर्यावरण को समझें व इससे प्यार करें चूंकि भारत जैसे देश में इसका एक अलग ही महत्व है। वैसे तो विश्वभर में कई महत्वपूर्ण दिवस मनाए जाते हैं लेकिन कुछ दिनों का बेहद अहम मुद्दों की गंभीरता को समझाने के लिए निर्माण हुआ था, इनमें से विश्व पर्यावरण दिवस भी एक है। मौजूदा स्थिति में हाईटैक होने के लिए हर रोज विश्व का एक सकारात्मक दिशा की ओर निर्माण हो रहा है जिसमें भारत का नाम भी बेहद चुनिंदा देशों में गिना जाना लगा। लेकिन हम अन्य देशों की अपेक्षा पर्यावरण को बचाने व संभालने में उतने सक्षम नही हैं जितने की हमे जरुरत हैं और उम्मीद भी। दरअसल मामला यह है कि लगातार बढ़ रही जनसंख्या को व्यवस्थित करने के लिए हम पर्यावरण का विनाश करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाते हुए और हाईटैक दुनिया का निर्माण करना गलत नही हैं लेकिन मानव जीवन की सबसे अहम व मूलभूत जरुरत को दरकिनार करके तरक्की करना अपराध सा लगता है। यदि हम हिन्दुस्तान के परिवेश में चर्चा करें तो हमारे यहां जनसंख्या का बेहद तेजी से बढ़ना जारी है तो उस आधार पर सरकारों को जनता के लिए जगह की व्यवस्था करनी होती है जिसके चलते जंगल का पर्यावरण बर्बाद किया जा रहा है इसके अलावा प्रदूषण हमारा सबसे बडा दुश्मन है। देश की तरक्की व जनता की जरुरत के लिए ऐसे मुद्दों की गंभीरता न समझना मानव जीवन पर ही भारी पड़ रहा है। मनुष्य की शहरीकरण की भूख ने प्रकृति को इतनी हानि पहुंचा दी कि उसको यह मालूम ही नही पड़ा कि वो कब काल के गर्भ में प्रवेश कर गया। यदि महानगरों की जीवनशैली व यापन की चर्चा करें तो यहां पिछले दो दशकों कम आयु में होने वाली मौतों के आंकडों ने चौंका दिया। मनुष्य की आयु का घटना लगातार जारी है। इंसान की उम्र करीब सौ वर्ष होती थी लेकिन आज के दौर में साठ साल पर आकर सीमित रह गई।

वैज्ञानिकों के अनुसार लगातार हो रही आपदाओं के लिए प्राकृतिक संसाधनों के बेहद अधिक इस्तेमाल को जिम्मेदार ठहराया है। उनका मानना है कि आज स्थिति के आधार पर हमारी धरती अपने भार से कहीं अधिक भार वहन कर रही है। अगर यही हाल रहा तो अगले दशकभर में धरती रहने लायक नही बचेगी। लेकिन मनुष्य आज भी सही राह पर चले तो वो अपना भविष्य सुधार सकता है। यदि आपने गौर किया हो तो लॉकडाउन के दौरान वातावरण इतना शुद्ध हो चुका है कि ऐसा हाल करीब ढाई दशक पूर्व देखा जाता था। महानगरों में सांस लेने में भारी तकलीफहोती थी लेकिन इस दौरान इस तरह की किसी समस्या ने परेशान नही किया। पेड-पौधे फिर से हरे भरे होने दिखने लगे साथ ही पक्षियों का भी फिर से आगमन हुआ।

फैक्ट्रियां व गाडियां न चलने से आसमान इतना साफदिखने लगा कि मानो किसी पहाडी क्षेत्र में आ गए हों। लोगों को जो अन्य बीमारियां भी होती थी वो इस बार नही हुई। इस घटना से एक बात तो समझ में आ गई कि यदि सरकार कोई ऐसी नीति बना दे जिससे किसी आपदा के कुछ दिन या समय का लॉकडाउन कर दें तो और वो जनता आराम से मान ले तो हम दोबारा से प्रकृति को रिपेयर कर सकते हैं। जब हम एक वायरस के डर से स्वयं को इतने लंबे समय तक कैद कर सकते हैं तो क्या सप्ताह में एक दिन या कुछ समय के लिए अपने आप को मना नही सकते।

मनरेगा से ही निकलेगा मार्ग

सोनिया गांधी

> मौजूदा केंद्र सरकार के छह साल व उससे पहले भी, लगातार मनरेगा की उपयोगिता साबित हुई है। मोदी सरकार ने इसकी आलोचना की, इसे कमजोर करने की कोशिश की, लेकिन अंत में मनरेगा के लाभ व सार्थकता को स्वीकारना पड़ा। कांग्रेस सरकार द्वारा स्थापित की गई सार्वजनिक वितरण प्रणाली के साथ-साथ मनरेगा सबसे गरीब व कमजोर नागरिकों को भूख तथा गरीबी से बचाने के लिए अत्यंत कारगर है।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून, 2005 (मनरेगा) एक क्रांतिकारी और तर्कसंगत परिवर्तन का जीता जागता उदाहरण है। यह क्रांतिकारी बदलाव का सूचक इसलिए है, क्योंकि इस कानून ने गरीब से गरीब व्यक्ति के हाथों को काम व आर्थिक ताकत दे भूख व गरीबी पर प्रहार किया। यह तर्कसंगत है क्योंकि यह पैसा सीधे उन लोगों के हाथों में पहुंचाता है जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

मौजूदा केंद्र सरकार के छह साल व उससे पहले भी, लगातार मनरेगा की उपयोगिता साबित हुई है। मोदी सरकार ने इसकी आलोचना की, इसे कमजोर करने की कोशिश की, लेकिन अंत में मनरेगा के लाभ व सार्थकता को स्वीकारना पड़ा। कांग्रेस सरकार द्वारा स्थापित की गई सार्वजनिक वितरण प्रणाली के साथ-साथ मनरेगा सबसे गरीब व कमजोर नागरिकों को भूख तथा गरीबी से बचाने के लिए अत्यंत कारगर है। खासतौर से कोरोना महामारी के संकट के दौर में यह और ज्यादा प्रासंगिक है।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि देश की संसद द्वारा सितंबर, 2005 में पारित मनरेगा कानून एक लंबे जन आंदोलन तथा सिविल सोसायटी द्वारा उठाई जा रही मांगों का परिणाम है। कांग्रेस पार्टी ने जनता की इस आवाज को सुना व अमलीजामा पहनाया। यह हमारे 2004 के चुनावी घोषणापत्र का संकल्प बना और हममें से इस योजना के क्रियान्वयन के लिए अधिक से अधिक दबाव डालने वाले हर व्यक्ति को गर्व है कि यूपीए सरकार ने इसे लागू कर दिखाया।

इसका एक सरल सिद्धांत है - भारत के गांवों में रहने वाले किसी भी नागरिक को अब काम मांगने का कानूनी अधिकार है और सरकार द्वारा उसे न्यूनतम मजदूरी के साथ कम से कम 100 दिन तक काम दिए जाने की गारंटी होगी। इसकी उपयोगिता बहुत जल्द साबित भी हुई। यह जमीनी स्तर पर, मांग द्वारा संचालित, काम का अधिकार देने वाला कार्यक्रम है, जो अभूतपूर्व है तथा इसका उद्देश्य गरीबी मिटाना है। मनरेगा की शुरुआत के बाद 15 साल में इस योजना ने लाखों लोगों को भूख व गरीबी के कुचक्र से बाहर निकाला है।

महात्मा गांधी ने कहा था, 'जब आलोचना किसी आंदोलन को दबाने में विफल हो जाती है, तो उस आंदोलन को स्वीकृति व सम्मान मिलना शुरू हो जाता है'। स्वतंत्र भारत में महात्मा गांधी की इस बात को साबित करने का मनरेगा से ज्यादा अच्छा उदाहरण और कोई नहीं।

पद संभालने के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी समझ आया कि मनरेगा को बंद किया जाना व्यावहारिक नहीं है, इसलिए उन्होंने इस योजना को 'कांग्रेस पार्टी की विफलता का एक जीवित स्मारक' तक कह डाला। पिछले सालों में मोदी सरकार ने मनरेगा को खत्म करने, खोखला करने व कमजोर करने की पूरी कोशिश की। लेकिन मनरेगा के सजग प्रहरियों, अदालत एवं संसद में विपक्षी दलों के भारी दबाव के कारण सरकार को पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा।

इसके बाद केंद्र सरकार ने मनरेगा को स्वच्छ भारत तथा प्रधानमंत्री आवास योजना जैसे कार्यक्रमों से जोड़कर इसका स्वरूप बदलने की कोशिश की, जिसे उन्होंने सुधार कहा। लेकिन, वास्तव में यह कांग्रेस पार्टी की योजनाओं का नाम बदलने का एक प्रयास मात्र था। यह और बात है कि मनरेगा श्रमिकों को भुगतान किए जाने में अत्यंत देरी की गई तथा उन्हें काम तक दिए जाने से इनकार कर दिया गया।

कोविड-19 महामारी और इससे उत्पन्न आर्थिक संकट ने मोदी सरकार को वास्तविकता का अहसास करवाया है। पहले से ही चल रहे अभूतपूर्व आर्थिक संकट व मंदी की मार झेल रही अर्थव्यवस्था ने सरकार को आभास दिलाया कि पिछली यूपीए सरकार के प्रमुख ग्रामीण राहत कार्यक्रमों को दोबारा शुरू करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

काम स्वयं बोलता है। चाहे देर से ही सही, वित्तमंत्री द्वारा हाल में ही मनरेगा का बजट बढ़ाकर एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का कुल आबंटन किए जाने की घोषणा ने इस बात को साबित कर दिया है। अकेले मई 2020 में ही 2.19 करोड़ परिवारों ने इस कानून के तहत काम की मांग की, जो आठ साल में सबसे ज्यादा है।

कांग्रेस पार्टी के कार्यक्रमों को यथावत स्वीकार करने के लिए मजबूर मौजूदा राजग सरकार अभी भी कमियां खोजने के लिए कुर्तकों का जाल बुनने में लगी है। लेकिन पूरा देश जानता है कि दुनिया के इस सबसे बड़े जन आंदोलन ने किस प्रकार न केवल लाखों भारतीयों को गरीबी के कुचक्र से बाहर निकाला, अपितु पंचायती राज संस्थाओं का स्वरूप बदल दिया, जलवायु परिवर्तन का प्रभाव कम करने में मदद की तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित किया।

इसने सभी के लिए समान वेतन सुनिश्चित कर, महिलाओं, दलितों, आदिवासियों तथा कमजोर वर्गों को सशक्त बनाकर एक नए सामाजिक परिवर्तन की शुरुआत की। इसने उन्हें संगठित होने की ताकत दी और उन्हें सम्मान व स्वाभिमानपूर्ण जीवन प्रदान किया। आज के संकट में भारत को सशक्त बनाने के लिए इन तथ्यों को जानना बहुत आवश्यक है।

> महात्मा गांधी ने कहा था, 'जब आलोचना किसी आंदोलन को दबाने में विफल हो जाती है, तो उस आंदोलन को स्वीकृति व सम्मान मिलना शुरू हो जाता है'। स्वतंत्र भारत में महात्मा गांधी की इस बात को साबित करने का मनरेगा से ज्यादा अच्छा उदाहरण और कोई नहीं। पद संभालने के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी समझ आया कि मनरेगा को बंद किया जाना व्यावहारिक नहीं है, इसलिए उन्होंने इस योजना को 'कांग्रेस पार्टी की विफलता का एक जीवित स्मारक' तक कह डाला।

आज निराश मजदूर व कामगार विभिन्न शहरों से समूहों में अपने गांवों की ओर लौट रहे हैं। उनके पास न तो रोजगार है और न ही एक सुरक्षित भविष्य। जब अभूतपूर्व संकट के बादल मंडरा रहे हैं, तो मनरेगा की जरूरत व महत्व पहले से कहीं और ज्यादा है। इन मेहनतकशों का विश्वास पुनः स्थापित करने के लिए राहत कार्य उन पर केंद्रित होने चाहिए। सबसे पहला काम उन्हें मनरेगा का जॉब कार्ड जारी किया जाना है।

राजीव गांधी ने अपने विशेष प्रयासों द्वारा जिस पंचायती राज तंत्र को सशक्त बनाने का संघर्ष किया, आज मनरेगा को लागू करने की मुख्य भूमिका उन्हीं पंचायतों को दी जानी चाहिए, क्योंकि यह कोई केंद्रीकृत कार्यक्रम नहीं है। जन कल्याण की योजनाएं चलाने के लिए पंचायतों को और मजबूत किया जाए तथा प्राथमिकता से पैसा पंचायतों को दिया जाए। ग्राम सभा यह निर्धारित करे कि किस प्रकार का काम किया जाए। क्योंकि स्थानीय निर्वाचित प्रतिनिधि ही जमीनी हकीकत, श्रमिकों की स्थिति व उनकी जरूरतों को समझते हैं।

संकट के इस वक्त केंद्र सरकार को पैसा सीधा लोगों के हाथों में पहुंचाना चाहिए तथा सब प्रकार की बकाया राशि, बेरोजगारी भत्ता व श्रमिकों का भुगतान लचीले तरीके से बगैर देरी के करना चाहिए। मनरेगा की उपयोगिता बार-बार साबित हुई है क्योंकि यूपीए सरकार के दौरान इसमें निरंतर सुधार व बढ़ोतरी हुई। विस्तृत सोशल ऑडिट, पारदर्शिता, पत्रकारों व बौद्धिकों द्वारा जांच-परख व लोकपाल की नियुक्ति के माध्यम से सरकार व नागरिकों ने मिलकर इसे मौजूदा आकार दिया।

राज्य सरकारों ने सर्वश्रेष्ठ विधियों को अपनाकर इसमें महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह पूरी दुनिया में गरीबी उन्मूलन के एक मॉडल के रूप में प्रसिद्ध हो गया। अनिच्छा से ही सही, मोदी सरकार इस कार्यक्रम का महत्व समझ चुकी है। मेरा सरकार से निवेदन है कि यह वक्त देश पर छाए संकट का सामना करने का है, न कि राजनीति करने का। आपके पास एक शक्तिशाली तंत्र है, कृपया इसका उपयोग कर आपदा के इस वक्त भारत के नागरिकों की मदद कीजिए।

लेखिका भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष हैं

opensearch

कोरोना काल में मीडिया की भूमिका

उमा ठाकुर

वैश्विक संकट की इस घड़ी में संपूर्ण विश्व में लॉकडाउन चल रहा है। जैविक जंग के अदृश्य शत्रु से मां भारती को बचाने लाखों कोरोना योद्धा ढाल बनकर खड़े हैं। डाक्टर, पैरा मेडिकल स्टाफ, पुलिस कर्मी, सफाई कर्मी, बैंक कर्मी और जरूरी सेवाओं से जुड़े लोग अपने जीवन की परवाह किए बिना अपने-अपने स्तर पर सेवाएं दे रहे हैं ताकि हम सब अपने घरों में सुरक्षित रह सकें। कोरोना काल में जहां डाक्टर, पैरा मेडिकल स्टाफ, पुलिस कर्मी, सफाई कर्मी फ्रंट वॉरियर की तरह दिन-रात डटे हैं, वहीं मीडिया कर्मी की भूमिका को कैसे नकारा जा सकता है।

लॉकडाउन में कोरोना से जुड़ी पल-पल की खबरें बस एक क्लिक से आप तक पहुंच रही हैं, फिर वह चाहे बीबीसी न्यूज चौनल हो या फिर दिव्य हिमाचल वेब टीवी। विश्वभर की खबरों से लेकर गांव के अंतिम छोर से जुड़ी तथ्यपूर्ण खबरों की रफ्तार कभी थमी नहीं। भारत में पत्रकारिता ने शुरुआत से ही चुनौतीपूर्ण कार्य किया, चाहे वह सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का लक्ष्य रहा हो या सामाजिक चेतना का, हर दृष्टिकोण से पत्रकारिता ने स्वतंत्रता संग्राम को बढ़ाने तथा जन-जागृति लाने का महत्त्वपूर्ण कार्य किया है। कोरोना के दौर में रेडियो की बात करें तो वह भी जनमानस को जागरूक करने का महत्त्वपूर्ण कार्य कर रहा है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य की अगर हम बात करें तो इंटरनेट ही दुनिया की सबसे सक्षम सूचना प्रणाली है। प्रिंट, इलेक्ट्रानिक और सोशल मीडिया ने समाज के हर वर्ग के पाठकों, दर्शकों और श्रोताओं के बीच लोकप्रियता हासिल की है।

पाश्चात्य मीडिया के प्रख्यात विद्वान मार्शल मैकलूहान ने जनसंचार की नई प्रौद्योगिकी में विकास को केंद्र में रखकर ही संपूर्ण विश्व को ग्लोबल विलेज यानी विश्व ग्राम का सार्थक नामकरण दिया है, जो आज के संदर्भ में बिलकुल सटीक बैठता है। सोशल मीडिया हो या फिर इलेक्ट्रानिक मीडिया, समाज में घटित अच्छे या बुरे की खबर से हमें अपडेट करवाता रहता है, वहीं दूसरी ओर तथ्यहीन जानकारी के चलते हम भ्रमित भी हो सकते हैं। अकसर हम अपने आस-पास लोगों को मीडिया की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए सुनते हैं कि मीडिया की हेडलाइन डरावनी व न्यूज चौनलों पर चलने वाली समसामयिक परिचर्चाएं तथ्यविहीन होती हैं, जिसमें समाज हित व देश हित जैसी कोई बात नहीं होती, बस कोरी बहस होती है। काफी हद तक यह बात सही भी है। न्यूज चौनल्स की भरमार व भौतिकतावाद की होड़ में पीत पत्रकारिता को बढ़ावा देना, मानवीय सरोकारों का हनन ही है। परंतु यह बात हम कैसे भूल सकते हैं कि मीडिया के कारण ही समाज में सकारात्मक बदलाव भी आए हैं।

टेलीविजन पर रामायण का पुनः प्रसारण लॉकडाउन में भी लोगों के जीवन में एक सकारात्मक बदलाव लाया है, जो युवा पीढ़ी को जीवन के प्रति नजरिए को बदलने में कामयाब हो सकता है। मीडिया द्वारा दिखाई जाने वाली कोरोना योद्धाओं के संघर्ष की कहानी हम सभी में देशभक्ति का जज्बा भर देती है और हमें मैं और मेरा के सीमित दायरे से निकालकर मानवता की सेवा करना सिखा रही है। बच्चों का मन कोरे कागज की तरह होता है। मीडिया में आई कोरोना योद्धाओं के प्रति पेंटिंग द्वारा आभार व्यक्त करने की तस्वीरें प्रत्येक बालमन में भविष्य के सुंदर भारत की तस्वीर को उकेरने में कामयाब होती नजर आती है। युवावर्ग लॉकडाउन में अपना हुनर, अपने अनुभव सोशल मीडिया द्वारा साझा कर रहे हैं। साहित्यकार अपनी लेखनी से कोरोना महामारी के प्रति समाज को जागरूक कर रहे हैं। महिलाएं भी देशभक्ति में पीछे कहां हैं? वैसे भी नारी तो परिवार की अहम धुरी होती है। घर-परिवार की जिम्मेदारी के साथ-साथ हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर फ्रंट वॉरियर के रूप में डटी है, वहीं ग्रामीण महिलाएं भी दूरदराज के गांव में जाकर कोरोना की जंग में योद्धा की तरह अपना फर्ज निभा रही हैं। अपने हाथों से बने मास्क बांट रही हैं। साथ ही स्वच्छता का पाठ भी पढ़ा रही हैं। मानवता की सेवा की यह सुंदर तस्वीरें हम मीडिया के माध्यम से ही लक्ष्मण रेखा के अंदर ही प्राप्त कर रहे हैं। सिर पर उम्मीद की गठड़ी लिए, छह-सात साल के बच्चे की अंगुली थामे, मानव भीड़ का हिस्सा बनी, गांव की ओर पलायन करती उस सशक्त महिला का दर्द भी मीडिया में तैरती तस्वीरों में घर बैठे साफ महसूस किया जा सकता है, जिसकी आंखों में कोरोना से पहले भूख से मरने का डर है। भारत के बुजुर्ग भी इस जंग में कहां पीछे हैं। कुछ ने तो अपने जीवन की जमा पूंजी मानवता की सेवा में दान कर दी ताकि कोई भी भूखा न सोए। यह सब सकारात्मक सोच की खबरें हमें मीडिया द्वारा ही देखने-सुनने को मिलती हैं, जो कहीं न कहीं अवसाद से बचाती हैं और हम 132 करोड़ देशवासियों को इस लड़ाई में अपने साथ खड़ा पाते हैं। यही सकारात्मक बदलाव हमें अपने अंदर भी देखने को मिल रहा है। मानो, जैसे प्रकृति ने हमारा पूरा सिस्टम रिबूट कर दिया हो। अगर फिर भी आप को लगे कि मीडिया द्वारा आपके लिए, समाज के लिए कुछ नकारात्मक परोसा जा रहा है तो आप अपने विवेक का इस्तेमाल कर सकते हैं और हां, रिमोट तो आपके हाथ में है ही। आखिर यह आजादी एक पाठक या दर्शक को ही है कि उसे क्या पढ़ना है या फिर क्या कुछ देखना है? अंत में एक उम्मीद यह कि नैतिकता, चरित्र और मानवता का प्रश्न जो बार-बार उठता है, उसे मीडिया मानव कल्याण के लिए जरूर पोषित करेगा।

बहु प्रतिभा शाली : भारतीय पुलिस

तनवीर जाफरी

हमारे देश में पुलिस विभाग को समाज आम तौर पर अच्छी नजरों से नहीं देखता। पुलिस को प्रायः बर्बरता, रिश्वतखोरी, जुर्म को खत्म करने के बजाए उसे बढ़ावा देने, जनता से अभद्र व्यवहार करने जैसे दृष्टकोण से देखा जाता है। जाहिर है पुलिस की इस तरह की छवि अनायास ही नहीं गढ़ी गयी है बल्कि इसके पीछे पुलिस विभाग में ही सेवा देने वाले अनेक अधिकारी व कर्मचारी हैं जिनकी नकारात्मक कारगुजारियों के चलते पुलिस विभाग काफी हद तक बदनाम हुआ है। इनमें दो मुख्य आरोप ऐसे हैं जिसपर प्रायः बहस भी होती रही है। जहाँ तक भ्रष्टाचार व रिश्वतखोरी का प्रश्न है तो शायद ही देश का कोई विभाग ऐसा हो जहाँ भ्रष्ट व रिश्वतखोर लोग मौजूद न हों।

लिहाजा अकेले पुलिस विभाग पर भ्र्ष्ट व रिश्वतखोर विभाग होने का ठीकरा फोड़ना भी सही नहीं। ऐसे अनेक उदाहरण भी मिलेंगे जिनसे पता चलेगा कि पुलिस भर्ती के लिए लाखों रूपये खर्च करने वाला युवक जिसने ब्याज/सूद पर लाखों रूपये लिए हैं या अपनी जमीन गिरवी रखी है। जाहिर है ऐसा युवक भर्ती के बाद अपने उन पैसों कि उगाही जरूर करना चाहेगा। कई घटनाएं ऐसी भी सामने आई जिनसे पता चला कि आला अधिकारियों द्वारा अपने मातहतों को रिश्वत के लिए बाध्य किया जाता है। मलाईदार थाना बेचने की कहानी तो पूरा देश जानता ही है। अनेक संकटकालीन अवसरों पर पुलिस कर्मी व अधिकारी खुल कर यह बातें कह भी चुके हैं। उधर आला अधिकारी भी किसी न किसी भ्र्ष्ट राजनैतिक नेटवर्क से जुड़े रहते हैं। लिहाजा भ्रष्टाचार का ठीकरा केवल पुलिस विभाग पर फोड़ना भी उचित नहीं।

रहा सवाल अभद्र व्यवहार का तो यह भी सही है कि पुलिस कर्मियों की भाषा प्रायः सख्त होती है। वे अपने से भी आगे अपना डण्डा रखने की कोशिश करते हैं। गली गलोच भी इनके लिए आम बात है। परन्तु यह भी सच है की इनका मुख्य कार्य या प्रशिक्षण कानून व्यवस्था को बनाए रखना होता है। जबकि कानून व्यवस्था को बिगाड़ने का काम आम तौर पर वह लोग करते हैं जिन्हें या तो कानून पर भरोसा नहीं होता या कानून से खिलवाड़ करना जिनकी आदतों में शामिल होता है। ऐसे लोग अपराधियों की श्रेणी में गिने जाते हैं। मुझे यहां मेरे एक मित्र आई पी एस अधिकारी की बात याद आती है। उन्होंने पुलिस के उद्दंड होने के सवाल पर एक बार कहा था कि यदि किसी अपराधी को पकड़ कर कुर्सी पर बिठाकर इज्जत से पूछिए कि -भाई साहब क्या आपने अमुक अपराध, चोरी या डकैती अथवा कत्ल किया है ? तो आप क्या समझते हैं ? वह स्वीकार करेगा कि उसने कोई अपराध किया है? शायद कभी नहीं। हाँ पुलिस कहीं भी किसी के भी साथ नाजायज करती है किसी के साथ अकारण बदतमीजी से पेश आती है या बिना जरुरत के थर्ड डिग्री का इस्तेमाल करती है तो वह पूरी तरह से गलत व अस्वीकार्य है।

परन्तु पुलिस की इस छवि से अलग पुलिस की दूसरी छवि भी है जिसके चलते इतनी बदनामियों के बावजूद न केवल इस विभाग का अब भी रुतबा कायम है बल्कि आम लोगों को संकट के समय इसी विभाग की और निहारते भी देखा जाता है। उदाहरण के तौर पर इन दिनों कोरोना के संकट काल में ही पुलिस की भूमिका को देखिये। सरकार ने कोरोना योद्धाओं के नाम पर देश के अस्पतालों व स्वास्थ्य संस्थानों पर तो हवाई जहाज व हेलिकॉप्टर्स से फूल बरसाए परन्तु उनसे भी महत्वपूर्ण भूमिका हमारे देश की वह पुलिस अदा कर रही थी जिसने कोरोना को पूरी रफ्तार से देश में फैलने से रोकने में अपनी भरपूर जिम्मेदारी निभाई। इसका सबसे बड़ा उदाहरण यह है कि जिन स्वास्थ्य कर्मियों पर सरकार ने पुष्प वर्षा कराई उन्हीं स्वास्थ्य कर्मियों ने पुलिसकर्मियों पर पुष्प वर्षा कर उनके योगदान को सराहा।दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स व सफदरजंग अस्पताल के डॉक्टर्स, नर्सिंग स्टाफ व वैज्ञानिकों द्वारा लॉक डाउन के दौरान दिल्ली के हौजखास स्थित डीसीपी ऑफिस पहुंचकर दिल्ली पुलिस के जवानों पर फूलों की वर्षा की गयी।

राजनीति

विश्व महासागर दिवस: जीने के लिए महासागरों को बचाना होगा

रियंका सौरभ

जीवन में महासागरों के महत्व को समझते हुए पर हम पृथ्वी वासियों का ध्यान महासागरों के अस्तित्व को अक्षुण्ण रखने की ओर अवश्य ही जाना चाहिए। वर्तमान में मानवीय गतिविधियों का असर समुद्रों पर भी दिखने लगा है। समुद्र में ऑक्सीजन का स्तर लगातार घटता जा रहा है और तटीय क्षेत्रों में समुद्री जल में भारी मात्रा में प्रदूषणकारी तत्वों के मिलने से जीवन संकट में हैं। तेलवाहक जहाजों से तेल के रिसाव के कारण समुद्री जल के मटमैला होने पर उसमें सूर्य का प्रकाश गहराई तक नहीं पहुँच पाता, जिससे वहाँ जीवन को पनपने में परेशानी होती है और उन स्थानों पर जैव-विविधता भी प्रभावित हो रही है। महासागरों के तटीय क्षेत्रों में भी दिनों-दिन प्रदूषण का बढ़ता स्तर चिंताजनक है।

दुनियाभर में आठ जून के दिन विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है। महासागर पृथ्वी पर न सिर्फ जीवन का प्रतीक है बल्कि पर्यावरण संतुलन में भी अहम भूमिका निभाते है। इसका मुख्य मकसद लोगों को समुद्र में बढ़ रहे प्रदूषण और उससे होने वाले खतरों के बारे में जागरूक करना है। पृथ्वी पर महासागरों के बगैर जीवन की कल्पना करना भी मुश्किल ही लगता है, क्योंकि समंदर को सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बेहद उपयोगी माना जाता है, बावजूद इसके महासागरों में तेजी से प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। महासागरों में गिरने वाले प्लास्टिक प्रदूषण के वजह से महासागर धीरे-धीरे अपशिष्ट होते जा रहे हैं। जिसका समुद्री जीवों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है क्योंकि समुद्री जीव गलती से प्लास्टिक को अपना भोजन समझ लेते हैं जिससे उन्हें अपनी जान से हाथ धोना पड़ता है।

हर साल विश्व महासागर दिवस को अलग-अलग थीम के अनुसार मनाया जाता है। इस बार विश्व महासागर दिवस 2020 का विषय है 'एक सतत महासागर के लिए नवाचार',विश्व महासागर दिवस मनाए जाने के पीछे मकसद केवल महासागरों के प्रति जागरुकता फैलाना नहीं है,विश्वभर में महासागरों की अहमियत और भविष्य में इनके समक्ष खड़ी चुनौतियों से भी अवगत करवाया जाता है। इतना ही नहीं, इस दिवस पर कई महासागरीय पहलू जैसे-खाद्य सुरक्षा, जैव-विविधता, पारिस्थितिक संतुलन,सामुद्रिक संसाधनों के अंधाधुंध इस्तेमाल, जलवायु में हो रहा परिवर्तन आदि पर प्रकाश डालना है।

पिछले दशकों में, ग्लोबल वार्मिंग से बर्फ की चादरें और ग्लेशियर को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है, बर्फके आवरण और आर्कटिक की समुद्री सीमा और मोटाई में कमी आई है, और तापमान में वृद्धि हुई है। ग्लोबल मीन सी लेवल बढ़ रहा है, इन बदलावों ने स्थलीय और मीठे पानी की प्रजातियों और पारिस्थितिक तंत्र को प्रभावित किया है, तटीय पारिस

लड़की का नंबर नहीं देने पर सिर पर बीयर की बोतल फोड़ दी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के मयूर विहार इलाके में कबाड़ी से एक लड़की के मोबाइल नंबर मांगने कुछ मनचले पहुंच गए। कबाड़ी ने नंबर नहीं होने की बात कही तो वे लोग गाली-गलौच पर उतर आए। विरोध करने पर कबाड़ी के सिर पर बीयर की बोतल फोड़ दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफगैर-इरादतन हत्या की कोशिश की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है।

पुलिस को शिकायत में कबाड़ी वारिस ने बताया कि गुरुवार शाम को एक लड़की दुकान पर कबाड़ का सामान बेचने के लिए आई थी। जैसे ही वह लौटी, तो दो-तीन लड़के उनकी दुकान पर पहुंच गए। उन्होंने लड़की का नंबर मांगा, लेकिन जब उन्होंने नंबर नहीं होने की बात कही तो लड़के भड़क गए।

एक ने पास पड़ी बीयर की बोतल उठाकर उनके सिर पर फोड़ दी। आरोपी दोबारा बोतल मारने लगा तो उन्होंने बचाव करने के लिए अपना हाथ बढ़ाया, जिससे हाथ में चोट लगी। मयूर विहार फेज-1 पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने कहा कि वह जल्द ही आरोपियों को अरेस्ट कर लेगी।

हाथ-पैर बांधकर युवक की हत्या, प्लांट से मिला शव

नई दिल्ली। तीन दिन से लापता शख्स की हत्या का मामला सामने आया है। शव हैदरपुर वाटर प्लांट से बरामद हुआ है। पुलिस ने मृतक की पहचान नरेंद्र प्रताप सिंह के रूप में की है। मृत्य के दोनों पैर बंधे हुए थे। आशंका है की शव को हत्या के बाद यहां लाकर ठिकाने लगाया गया। शुरुआती जांच में पता चला है कि नरेंद्र पिछले चार दिन से लापता थे। फिलहाल पुलिस ने इस संबंध में हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आशंका है कि रंजिश के चलते किसी जानकार ने ही वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस के मुताबिक, नरेंद्र परिवार के साथ सेक्टर-21 रोहिणी, अमन विहार इलाके में रहते थे। परिवार में पत्नी, एक बेटी है। पुलिस को शुक्रवार सुबह हैदरपुर वाटर प्लांट के जाल में एक युवक की लाश मिली। पुलिस ने शव को मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया। परिजनों ने पुलिस को बताया कि युवक की हत्या बुधवार को ही कर दी गई होगी। नरेंद्र पहले मेडिकल स्टोर चलाते थे। घाटा होने के कारण दुकान बंद कर दी। बुधवार की शाम नरेंद्र बाइक लेकर निकले थे। देर रात तक भी नहीं लौटे। परिजनों ने फोन किया तो भी संपर्क नहीं हो सका। गुरुवार सुबह नरेंद्र के पिता ने उनके लापता होने की सूचना अमन विहार थाने में दी। पुलिस ने बताया, नरेंद्र के मोबाइल की कॉल डिटेल को खंगाला जा रहा है। फिलहाल पुलिस ने नरेंद्र के साथ लूटपाट की वारदात से इनकार किया है।

पूरी सुरक्षा के साथ खुलने को तैयार है टैगोर गार्डन गुरुद्वारा

नई दिल्ली। सोमवार से सभी धार्मिक स्थलों को खोलने की इजाजत दी गई है, जिसे देखते हुए टैगोर गार्डन स्थित गुरुद्वारा में साफ-सफाई और सैनिटाइजिंग का काम पूरा कर लिया गया है. कुछ संगत आज गुरुद्वारे में आए और सोशल डिस्टेंस व सफाई बनाए रखने को लेकर अभ्यास किया गया. गुरुद्वारा में एंट्री करने के बाद संगत पहले हैंडवाश करते हैं और फिर वह एक टनल से होकर गुजर रहे हैं. इसके बाद वह माथा टेकने के लिए अंदर जा सकते हैं. दरबार साहिब में भी सैनिटाइजर की बोतलें रखी गई हैं. टैगोर गार्डन गुरुद्वारा के प्रेसिडेंट जितेंद्र सिंह ने बताया कि गुरुद्वारे में आने वालों के लिए सभी तरह की व्यवस्थाएं की गई हैं.

उन्होंने बताया कि प्रबंधन की तरफसे लॉकडाउन के समय में टैगोर गार्डन स्थित बैंक के बाहर सैनिटाइजर टनल लगवाई गई थी. उन्होंने कहा कि लोगों को कोरोना से बचाने के लिए गुरुद्वारा प्रबंधन द्वारा इस प्रकार के निर्णय लिए गए.

रानी खेड़ा: यात्रियों को डेढ़ घंटे तक करना पड़ रहा बस का इंतजार

नई दिल्ली। अनलॉक-1 की शुरुआत होने के बाद धीरे-धीरे जिंदगी पटरी पर आने लगी है और लोग अपने कामकाज के लिए घरों से बाहर निकलना शुरू हो गए हैं परंतु इस दौरान उन लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जो रोजाना बस से ऑफिस जाते हैं।

रानी खेड़ा बस स्टैंड

रानी खेड़ा बस स्टैंड पर यात्री घंटों तक बस का इंतजार करते रहते हैं, लेकिन फिर भी उनका इंतजार खत्म नहीं होता। इसके बाद यदि कोई बस आती भी है तो उसमें ज्यादा लोगों को प्रवेश नहीं करने दिया जाता। इस कारण आधे यात्री बस स्टैंड पर ही अगली बस आने का इंतजार करने को मजबूर हैं।

दिल्ली की इस कड़ी धूप में यात्री बस स्टैंड पर खड़े-खड़े परेशान हो जाते हैं। लोगों को ऑफिस पहुंचने में भी रोजाना देरी हो रही है। इस बारे में एक यात्री ने बताया कि वह सुबह से आकर यहां पर बस का इंतजार करते हैं, परंतु यह इंतजार कितना लंबा चलेगा इसका उन्हें अंदाजा नहीं होता। कई बार एक घंटे से डेढ़ घंटे तक बस का इंतजार करना पड़ता है।

अकबरी बेगम मामले में पुलिस ने 6 लोगों के खिलाफ चार्जशीट की दाखिल, 21 जून को सुनवाई

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों में 85 साल की महिला अकबरी बेगम की हत्या के मामले में दिल्ली पुलिस की एसआईटी ने छह आरोपियों के खिलाफकड़कड़डूमा कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दी है। अदालत ने अगली सुनवाई 21 जून को मुकर्रर की है। अकबरी बेगम की हत्या के बाद ये मामला संसद में भी गूंजा था। संसद में कपिल सिब्बल ने गृह मंत्री से मामले की जांच को लेकर सवाल पूछा था। दरअसल, उपद्रवियों ने अकबरी बेगम के घर में आग लगा दी थी। परिवार के बाकी सदस्य घर की सीढ़ी के सहारे छत पर चले गए थे और अपनी जान बचा ली थी। उम्र ज्यादा होने की वजह से अकबरी बेगम सीढ़ी के सहारे छत पर नहीं जा सकीं और घर में आग लगने की वजह से दम घुटने से उनकी मौत हो गई थी। अकबरी बेगम का शव घर की दूसरी मंजिल पर बरामद हुआ था। घर में आग लगने पर दमकल विभाग और दिल्ली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची थी और परिवार के बाकी सदस्यों को सुरक्षित निकाल लिया था लेकिन अकबरी बेगम का शव बरामद हुआ था।

आरडब्ल्यूए के सहयोग से धार्मिक स्थलों को बुर्कानशी मुस्लिम महिला कर रही सेनेटाइज

नई दिल्ली। देश में 8 जून से सभी धार्मिक स्थल खुलने की बात चल रही है। धार्मिक स्थलों को खोलने से पहले सभी धार्मिक स्थलों को सैनिटाइजर करने का कार्य जारी है। पूर्वी दिल्ली के मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्र में आरडब्ल्यूए फेडरेशन ऑफइंडिया की तरफसे मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे और चर्चों को सैनिटाइजर किया जा रहा है। ताकि धार्मिक स्थलों में आने वाले भक्तों को कोरोना से बचाया जा सके। आरडब्ल्यूए फेडरेशन ऑफदिल्ली की मेंबर इमराना सैफी ने बुर्का पहनकर मंदिर में कीटाणु नाशक दवाओं का छिड़काव कर सेनेटाइज किया। बता दें कि कई बुर्कानशी मुस्लिम महिला क्षेत्र में कीटाणु नाशक दवाओं का छिड़काव कर कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने का प्रयास कर रही हैं। जब से क्षेत्र में कोरोना संक्रमण का मामला सामने आया है, ये महिलाएं तंग गली, मोहल्ले ,सार्वजनिक स्थान के साथ धार्मिक स्थलों में कीटाणु नाशक दवाओं का छिड़काव कर रही है।

कैसे दिल्ली में बदले सियासी समीकरण?

भाजपा ने लगातार तीसरी बार यूपी से संबंधित नेता को सौंपी कमान

नई दिल्ली (ओपन सर्च)

एक समय था जब दिल्ली की सियासत पंजाबी, हरियाणवी और यहां के मूल निवासियों के इर्द-गिर्द घूमती थी। यही कारण था कि यहां सभी पार्टियों की कमान इन्हीं के पास रहती थी।

उत्तर प्रदेश व बिहार के लोगों का यहां के राजनीतिक गलियारे में विशेष महत्व नहीं था। समय के साथ यहां बड़ी संख्या में बिहार और उत्तर प्रदेश के लोग आकर बस गए तो राजधानी का सियासी समीकरण भी बदल गया। चुनावी समीकरण को ध्यान में रखकर सभी पार्टियों ने वहां के लोगों को महत्व दिया है। भाजपा ने तो इन राज्यों से जुड़े नेताओं को कमान ही सौंप दी है। आदेश गुप्ता लगातार तीसरे प्रदेश अध्यक्ष है जिनकी पृष्ठभूमि उत्तर प्रदेश से है। राष्ट्रीय जनसंघ से लेकर कुछ वर्ष पहले तक भाजपा में आजादी के समय दिल्ली आने वाले परिवारों या हरियाणवी व पंजाबी पृष्ठभूमि के लोगों को प्रदेश अध्यक्ष सहित अन्य महत्वपूर्ण पद मिलते थे। वर्ष 2014 लोकसभा चुनाव के बाद बाद पार्टी में यह परंपरा टूट गई। वर्ष 2014 में तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष डॉ. हर्षवर्धन के केंद्रीय मंत्री बनने के बाद पार्टी ने सतीश उपाध्याय को दिल्ली भाजपा की कमान सौंपी थी। उपाध्याय की पढ़ाई-लिखाई दिल्ली में हुई है, लेकिन इनका परिवार मूलरूप से आगरा का रहने वाला है।

मनोज तिवारी का घर वाराणसी में

नवंबर, 2016 में पार्टी ने पूर्वांचल के मतदाताओं को ध्यान में रखकर उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी। हालांकि तिवारी मूलरूप से बिहार के कैमूर जिले से हैं लेकिन उनकी पढ़ाई लिखाई वाराणसी में हुई है। उनका घर भी वाराणसी में है। अब इनकी जगह उत्तर प्रदेश के कन्नौज से संबंधित आदेश गुप्ता दिल्ली भाजपा के मुखिया बने हैं। देश के विभाजन के समय में काफी संख्या में लोग पाकिस्तान से दिल्ली पहुंचे। उन लोगों के बीच राष्ट्रीय जनसंघ का अच्छा जनाधार था। इसी तरह से दिल्ली में रहकर व्यापार करने वाले पंजाबी व हरियाणवी लोगों में भी जनसंघ व भाजपा की अच्छी पकड़ थी।

यही कारण है कि शुरू से दिल्ली में जनसंघ व भाजपा के अधिकांश बड़े नेता इन्हीं के बीच से निकले हैं।

वहीं, रोजगार की तलाश में दिल्ली पहुंचने वाले उत्तर प्रदेश व बिहार के लोगों की राजनीतिक सक्रियता शुरू में कम रहती थी। पिछले दस-पंद्रह वर्षों से तो ये लोग दिल्ली में मकान खरीदकर परिवार सहित रहने भी लगे हैं। राजनीतिक रूप से भी इनकी सक्रियता बढ़ी है और अब सभी पार्टियां इन्हें अपने साथ जोड़ना चाहती हैं।

केंद्रीय वित्त मंत्री से सांसद दीयाकुमारी ने की वार्ता

मार्बल उद्योग एवं रोजगार को पटरी पर लाने हेतू टेक्स स्लैब में रियायत ज़रूरी : सांसद दीयाकुमारी

नीति गोपेंद्र भट्ट

नई दिल्ली। (राजस्थान) की सांसद दीया कुमारी ने केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण से आग्रह किया है कि देश में मार्बल उद्योग के रोजगार को पटरी पर लाने के लिए टेक्स स्लैब में रियायत देना अनिवार्य है। लंबे समय से मार्बल उद्योग मंदी की गिरफ्त में था और लॉकडॉउन ने तो इस व्यापार को पूरी तरह से निस्तेज कर दिया है। व्यवसाय से जुड़े राजस्थान विशेष कर राजसमन्द के क्षेत्रवासी मार्बल के भविष्य को लेकर चिंताग्रस्त है।

सांसद दीयाकुमारी ने सुझाव दिया कि मार्बल व्यवसाय को वापस स्थापित करने और सिरेमिक टाईल्स के समकक्ष खड़ा करने के लिए इस पर लगने वाले टेक्स को कोटा स्टोन की तरह 5त्न किया जाना चाहिए। मार्बल कोई विलासिता की वस्तु नहीं रह गया है जिस पर 18त्न टैक्स आरोपित किया जाए। व्यवसाय की यही गति रही तो मार्बल माइंस में काम करने वाले मज़दूर और जुड़े लाखों बेबस गरीब लोग दर दर की ठोकरे खाने पर मजबूर हो जाएंगे।

पाँच प्रतिशत जीएसटी के साथ मार्बल को विशेष आर्थिक पैकेज की कवायद

कोरोना वायरस के चलते अपने दिल्ली आवास से रविवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से ऑडियो ब्रिज के माध्यम से बात करते हुए सांसद दीयाकुमारी ने अपने पूरे संसदीय क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से उन्हें अवगत कराया और उनसे मार्बल पर जीएसटी घटाने के साथ ही मार्बल व्यवसाय को बचाने के लिए विशेष पैकेज देने की मांग की। सांसद ने कहा कि ओजीएल होने के कारण विदेशी मार्बल जो कि भारत में आयात हो रहा है उसमें टैक्स को बढ़ाया जाए, जिससे भारत में उत्पादित मार्बल की वैश्विक माँग बढ़ सके एवं आत्मनिर्भर भारत में मार्बल व्यवसाय भी अपना योगदान दे सके। लोकल को वोकल करने के साथ साथ ही उसको ग्लोबल भी किया जा सके साथ ही मार्बल एक्सपोर्ट की प्रक्रियाओं को सरल किया जाए। छोटे कारोबारियों के द्वारा जीएसटी रिटर्न भरे जाने पर होने वाले विलंब के ऊपर जो पैनल्टी लगायी जा रही है उसको भी कम किया जाए एवं सरकार एक बार के लिए पेनल्टी में छूट प्रदान करें।

छोटे और मध्यम व्यापारियों को आ रही दिक्कतों के बारे में भी वित्त मंत्री से विस्तार से चर्चा करते हुए सांसद ने बिजली के बिल माफ़ करने से लेकर जो लोन छोटे व्यापारियों द्वारा लिया जा चुका है उसकी किश्तों में भी केन्द्र सरकार के द्वारा रियायत दिए जाने की मांग रखी।

बातचीत के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री ने सांसद दीयाकुमारी से कहा कि इन सारे विषय पर केंद्र सरकार गंभीरता पूर्वक विचार कर रही है। सरकार से जो भी बन सकेगा रियायत देगी।

एनआईए हिरासत में कोरोना पॉजिटिव पाई गई संदिग्ध आतंकी हिना बशीर

नई दिल्ली.एजेंसी। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने एनआईए हिरासत में कोरोना पॉजिटिव पाई गई संदिग्ध आतंकी हिना बशीर बेग को दिल्ली के एलएनजेपी अस्पताल में तत्काल भर्ती कराने का आदेश दिया है। हिना फिलहाल एनआईए हिरासत में थी।

एनआईए की हिरासत में लेने के दौरान तिहाड़ जेल अधिकारियों ने इन तीनों अभियुक्तों का कोरोना टेस्ट कराया था, जिसमें उनकी रिपोर्ट निगेटिव आई थी। इसके बाद तीनों को एनआईए मुख्यालय लाया गया था और पिछले नौ दिनों तक उनसे पूछताछ की गई थी। पूछताछ के दौरान हिना में कोरोना के लक्षण दिखाई दिए, जिसके बाद उसका फिर से कोरोना का टेस्ट किया गया। जिसके बाद वो कोरोना पॉजीटिव पाई गई। हिना के कोरोना पॉजीटिव आने के बाद उससे पूछताछ करने वाली एनआईए की टीम को भी क्वारंटाइन में भेज दिया गया है।

हिना बशीर बेग श्रीनगर की रहने वाली है। उसके साथ उसके पति जहानजैब सामी और अब्दुल बासित को आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में मार्च के पहले सप्ताह में गिरफ्तार किया गया था।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आतंकी संगठन आईएसकेपी के साथ उनके संबंधों को लेकर दिल्ली के जामिया नगर से गिरफ्तार किया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफलोगों को भड़काया था।

एनआईए ने जहानजैब सामी और अब्दुल बासित की हिरासत की मांग नहीं की, जिसके बाद कोर्ट दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। बासित पर आरोप है उसने अगस्त 2018 में कई लोगों को अपने संगठन में शामिल कर आतंकी हमलों के लिए उकसाने का काम किया था।

opensearch

दिल्ली के लोग मुख्यमंत्री केजरीवाल के नाकामी पर सहानुभूति और कागजी स्वास्थ्य व्यवस्था से त्रस्त हो चुके हैं- रामवीर सिंह बिधूड़ी

नई दिल्ली.एजेंसी

वैश्विक महामारी कोविड-19 से दिल्ली के लोगों को सुरक्षित रखने में विफल केजरीवाल सरकार और ध्वस्त होती स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर आज दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता व दिल्ली विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी के नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने राजघाट पर धरना दिया। इस अवसर पर सोशल डिस्टेंसिंग का विशेष ध्यान रखते हुए भाजपा विधायक मोहन सिंह बिष्ट, ओ पी शर्मा, अनिल बाजपेई, जितेंद्र महाजन, अभय वर्मा, अजय महावर उपस्थित थे।

आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार से हमारी यही मांग है कि समय पर दिल्ली के अस्पतालों में लोगों का समुचित इलाज हो, लोगों को इलाज के लिए दर-दर न भटकना पड़े। अस्पतालों के बाहर लोग दम तोड़ रहे हैं और मुख्यमंत्री केजरीवाल अपनी राजनीति में व्यस्त हैं। प्रतिदिन प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए केजरीवाल नए-नए मुद्दों को उठाकर अपनी नाकामियों को छुपाने की कोशिश में लगे रहते हैं। अगर विज्ञापन पर खर्च किए हुए करोड़ों रुपए केजरीवाल सरकार ने स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को सुधारने में लगाया होता तो आज दिल्ली की स्थिति बेहतर होती। यह दिल्ली के मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी थी कि वह दिल्ली के लोगों को सुरक्षित रखें लेकिन उन्होंने ठीक इसके विपरीत लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में मरने के लिए छोड़ दिया।

गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल सरकार द्वारा दिल्ली के अस्पतालों को सिर्फदिल्ली के लोगों के इलाज के लिए निर्देशित

करना उनकी संवेदनहीनता को साफदर्शा रहा है। दिल्ली के लोगों को ही दिल्ली में समय पर इलाज नहीं मिल रहा है तो पर प्रांत के लोगों को क्या ही इलाज मुहैया करा पाएंगे केजरीवाल? असल मुद्दों से भटकाने में केजरीवाल सरकार को महारत हासिल है। कई बार अपने बयानों से मुख्यमंत्री केजरीवाल ने परप्रांत के लोगों को लेकर अपने सौतेले रवैए को साबित किया है। काफी समय से मुख्यमंत्री केजरीवाल परप्रांत के लोगों को दिल्ली से दूर करने के एजेंडे को लागू करना चाहते थे और आज केजरीवाल ने साबित कर दिया कि उन्हें परप्रांत के लोगों से कितनी नफरत है। गुप्ता ने कहा कि कोई गंभीर बीमारी से ग्रसित मरीज दिल्ली के अस्पतालों में जाएगा तो क्या उसे यह कह कर मना कर दिया जाएगा कि आप दिल्ली के नहीं है इसलिए हम आपका इलाज नहीं कर सकते हैं? क्या दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल के पास जरा भी इंसानियत बची है?

यह उम्मीद नहीं थी कि मुख्यमंत्री होने के नाते अरविंद केजरीवाल इस आपदा के समय में भी लोगों की सुरक्षा की जगह अपनी राजनीति को सर्वोपरि रखेंगे। श्रेय लेने की होड़ में अरविंद केजरीवाल ने अपनी मानवता को कहीं भुला दिया है।

नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि केजरीवाल सरकार ने तो जैसे ठान लिया है कि दिल्ली को बर्बाद करके छोड़ेंगे। मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर बैठकर एक व्यक्ति इतना अमानवीय और संवेदनहीन कैसे हो सकता है? समय रहते केजरीवाल सरकार ने महामारी कोविड-19 से निपटने की उचित व्यवस्था नहीं की जिसका परिणाम यह हुआ कि दिल्ली में आज कोरोना संक्रमण के 27000 से भी ज्यादा मामले हैं।

गांधी का ग्राम स्वराज पूरी तरह से लागू होना बाकि-राम बहादुर राय

नई दिल्ली.एजेंसी

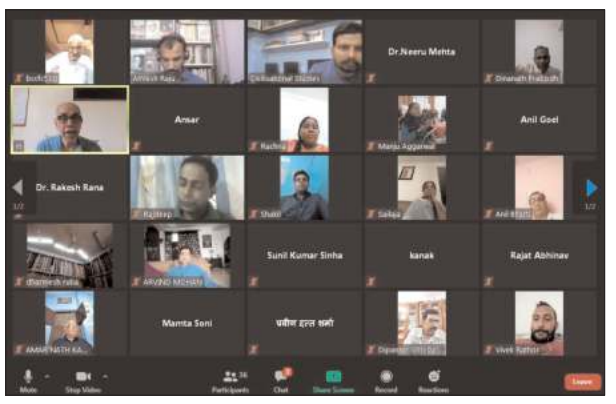

महात्मा गांधी का ग्राम स्वराज स्वदेशी और स्वावलंबन पर आधारित था। भारत में ग्राम पंचायत को ज्यादा से ज्यादा ताकत और हिस्सेदारी मिले इसकी गांधीजी वकालत करते थे। गांधी जी ने 14 फरवरी 2016 को ही मद्रास (चेन्नई) में अपने भाषण में कहा स्वदेशी और स्वावलंबन को परिभाषित किया था। 1916 के बाद ग्राम स्वराज का विषय नवजीवन ने पुस्तक रूप में विस्तार से छापी है लेकिन कॉरोना के इस दौर में यह विषय मौजूँ हो गया है। ग्राम स्वराज कोई किताबी विषय नहीं जिसे पुनर्जीवित किया जाए बल्कि केंद्र और राज्य सरकार को ग्राम स्वराज को पूरी तरह से लागू करने की दिशा काम शुरू कर देना चाहिए।

73 वें संशोधन में पंचायती राज की जो व्यवस्था होनी चाहिए उसमें कोई अड़चनें मुझे नहीं दिख रह। यही ग्राम स्वराज की गांधी की परिकल्पना को पूरी तरह से साकार रूप दे सकती है। यह बात इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष और वरिष्ठ पत्रकार राम बहादुर राय ने कही। गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति राजघाट और गांधी ज्ञान मंदिर मधेपुरा बिहार के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को महात्मा गांधी का ग्राम स्वराज विषय पर आयोजित वेबिनार में बतौर मुख्य वक्ता राय ने यह बात कही।

वेबिनार में वरिष्ठ पत्रकार और गांधी विषयों के अध्येता अरविन्द मोहन ने हस्तक्षेप करते हुए कहा की गांधी जी के छूआछूत से सम्बंधित बुराइयों से मुक्ति पाने की सलाह ही ग्राम स्वराज की सच्ची परिकल्पना थी। कार्यक्रम में गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक दीपांकर श्रीज्ञान ने विषय प्रवेश करते हुए ग्राम स्वराज की महत्ता बताई तो गांधी ज्ञान मंदिर मधेपुरा के संस्थापक दीनानाथ प्रबोध ने इसे बिनोबा के भूदान ग्रामदान से जोड़ते हुए परिभाषित किया। मगध विश्वविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक देवनारायण पासवान देव के साथ चाणक्या स्कूल आफ पोलिटिकल राइटस एंड रिसर्च के अध्यक्ष सुनील कुमार सिन्हा ने धन्यबाद ज्ञापन किया।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता हिरासत में, हॉस्पिटल पर फैसले के खिलाफ कर रहे थे प्रदर्शन

नई दिल्ली.एजेंसी। हॉस्पिटलों पर लिए गए दिल्ली सरकार के फैसले पर राजनीति शुरू हो गई है। इसमें भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नए प्रदेश अध्यक्ष आदेश कुमार गुप्ता प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए हैं। दरअसल, दिल्ली सरकार ने आज फैसला लिया है कि फिलहाल कोरोना काल तक दिल्ली सरकार और प्राइवेट हॉस्पिटलों में सिर्फदिल्ली के मरीजों का इलाज होगा। इसके खिलाफ आदेश गुप्ता प्रदर्शन कर रहे थे।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष आदेश कुमार गुप्ता के साथ दूसरे कई बीजेपी नेताओं को हिरासत में लिया गया है। गुप्ता ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने पहले जनता को झूठा भरोसा दिया कि 30 हजार बेड हैं और अब अपनी नाकामी छिपाने की कोशिश कर रहे हैं।

इस हफ्ते 2 जून को आदेश गुप्ता ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का पद संभाला है। इससे पहले मनोज तिवारी इस पद पर थे। आदेश गुप्ता नॉर्थ एमसीडी के मेयर रह चुके हैं। गुप्ता पश्चिमी पटेल नगर से पार्षद हैं। अप्रैल 2018 में वह उत्तरी नगर निगम के मेयर बने थे।

प्रकृति के पाँच स्वरूपों में से एक गायत्री

भगवती गायत्री नित्यसिद्ध परमेश्वरी हैं। किसी समय ये सविता (सूर्य) की पुत्री के रूप में अवतीर्ण हुई थीं, इसलिए इनका नाम सावित्री पड़ गया। कहते हैं कि सविता के मुख से इनका प्रादुर्भाव हुआ था। भगवान सूर्य ने इन्हें ब्रह्माजी को समर्पित कर दिया। तभी से इनकी ब्रह्माणी संज्ञा हुई। कहीं-कहीं सावित्री और गायत्री के पृथक-पृथक स्वरूपों का भी वर्णन मिलता है। इन्होंने ही प्राणों का त्राण किया था, इसलिए भी इनका गायत्री नाम प्रसिद्ध हुआ।

भगवती गायत्री आद्याशक्ति प्रकृति के पांच स्वरूपों में एक मानी गयी हैं। इनका विग्रह तपाये हुए स्वर्ण के समान है। यही वेदमाता कहलाती हैं। वास्तव में भगवती गायत्री नित्यसिद्ध परमेश्वरी हैं। किसी समय ये सविता (सूर्य) की पुत्री के रूप में अवतीर्ण हुई थीं, इसलिए इनका नाम सावित्री पड़ गया। कहते हैं कि सविता के मुख से इनका प्रादुर्भाव हुआ था। भगवान सूर्य ने इन्हें ब्रह्माजी को समर्पित कर दिया। तभी से इनकी ब्रह्माणी संज्ञा हुई। कहीं-कहीं सावित्री और गायत्री के पृथक-पृथक स्वरूपों का भी वर्णन मिलता है। इन्होंने ही प्राणों का त्राण किया था, इसलिए भी इनका गायत्री नाम प्रसिद्ध हुआ। उपनिषदों में भी गायत्री और सावित्री की अभिन्नता का वर्णन है- गायत्रीमेव सावित्रीमनुब्रूयात।

गायत्री ज्ञान-विज्ञान की मूर्ति हैं। ये द्विजातिमात्र की आराध्या देवी हैं। इन्हें परब्रह्मस्वरूपिणी कहा गया है। वेदों, उपनिषदों और पुराणादि में इनकी विस्तृत महिमा का वर्णन मिलता है। गायत्री की उपासना तीनों कालों में की जाती है, प्रातः, मध्यान्ह और सायं। तीनों कालों के लिए इनका पृथक-पृथक ध्यान है। प्रातःकाल ये सूर्यमण्डल के मध्य में विराजमान रहती हैं, उस समय इनके शरीर का रंग लाल रहता है। ये अपने दोनों हाथों में क्रमशः अक्षसूत्र और कमण्डलु धारण करती हैं। इनका वाहन हंस है तथा इनकी कुमारी अवस्था है। इनका यही स्वरूप ब्रह्मशक्ति गायत्री के नाम से प्रसिद्ध है। इसका वर्णन ऋग्वेद में प्राप्त होता है। मध्यान्हकाल में इनका युवा स्वरूप है। इनकी चार भुजाएं और तीन नेत्र हैं। इनके चारों हाथों में क्रमशः शंख, चक्र, गदा और पद्म शोभा पाते हैं। इनका वाहन गरुड है। गायत्री का यह स्वरूप वैष्णवी शक्ति का परिचायक है। इस स्वरूप को सावित्री भी कहते हैं। इसका वर्णन यजुर्वेद में मिलता है। सायंकाल में गायत्री की अवस्था वृद्धा मानी गयी है। इनका वाहन वृषभ है तथा शरीर का वर्ण शुक्ल है। ये अपने चारों हाथों में क्रमशः त्रिशूल, डमरू, पाश और पात्र धारण करती हैं। ये रुद्र शक्ति की परिचायिका हैं। इसका वर्णन सामवेद में प्राप्त होता है।

इस प्रकार गायत्री, सावित्री और सरस्वती एक ही ब्रह्मशक्ति के नाम हैं। इस संसार में सत्-असत् जो कुछ हैं, वे सब ब्रह्मस्वरूपा गायत्री ही हैं। भगवान व्यास कहते हैं- जिस प्रकार पुष्पों का सार मधु, दूध का सार घृत और रसों का सार पाय है, उसी प्रकार गायत्री मंत्र समस्त वेदों का सार है। गायत्री वेदों की जननी और पाप विनाशिनी हैं, गायत्री मंत्र से बढ़कर अन्य कोई पवित्र मंत्र पृथ्वी पर नहीं है। गायत्री मंत्र ऋक्, यजु, साम, काण्व, कपिष्ठल, मैत्रायणी, तैत्तिरीय आदि सभी वैदिक संहिताओं में प्राप्त होता है, किंतु सर्वत्र एक ही मिलता है। इसमें चौबीस अक्षर हैं। मंत्र का मूल स्वरूप इस प्रकार है- तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नरू प्रचोदयात! अर्थात् सृष्टिकर्ता प्रकाशमान परमात्मा के प्रसिद्ध वरणीय तेज का हम ध्यान करते हैं, वे परमात्मा हमारी बुद्धि को सत् की ओर प्रेरित करें। याज्ञवल्क्य आदि ऋषियों ने जिस गायत्री भाष्य की रचना की है वह इन चौबीस अक्षरों की विस्मृत व्याख्या है। इस महामंत्र के दृष्टा महर्षि विश्वामित्र हैं। गायत्री मंत्र के चौबीस अक्षर तीन पदों में विभक्त हैं। अतः यह त्रिपदा गायत्री कहलाती है। गायत्री दैहिक, दैविक, भौतिक त्रिविध तापहन्त्री एवं परा विद्या की स्वरूपा हैं। यद्यपि गायत्री के अनेक रूप हैं, परन्तु शारदातिलक के अनुसार इनका मुख्य ध्यान इस प्रकार है- भगवती गायत्री के पांच मुख हैं, जिन पर मुक्ता, वैदूर्य, हेम, नीलमणि तथा धवल वर्ण की आभा सुशोभित है, त्रिनेत्रों वाली ये देवी चंद्रमा से युक्त रत्नों का मुकुट धारण करती हैं तथा आत्मतत्व की प्रकाशिका हैं। ये कमल के आसन पर आसीन होकर रत्नों के मुकुट धारण करती हैं। इनके दस हाथों में क्रमशः शंख, चक्र, कमलयुगम, वरद तथा अभयमुद्रा, कोड़ा, अंकुश, शुभ्र कपाल और रुद्राक्ष की माला सुशोभित है। ऐसी भगवती गायत्री का हम भजन करते हैं। *(एजेंसी)*

धनवान और ऊंचे पद पर होते हैं दसवें नक्षत्र में जन्मे व्यक्ति

ज्योतिष शास्त्र में केतु को भले ही अशुभ ग्रहों की श्रेणी में रखा गया है लेकिन इसके नक्षत्र में जन्म लेने वाला व्यक्ति बड़ा ही भाग्यशाली होता है। ये काफी चतुर होते हैं और कूटनीति चाल चलने में माहिर होते हैं। ज्योतिषशास्त्र में बताया गया है कि 27 नक्षत्रों में 10 नक्षत्र मघा है। इस नक्षत्र का चिन्ह शाही सिंहासन वाला कमरा होता हैं। इस नक्षत्र के चारों चरण सिंह राशि में होते हैं इसलिए मघा नक्षत्र में जन्म लेने व्यक्तियों पर सूर्य का प्रभाव रहता है। मघा नक्षत्र में जन्म लेने वाले व्यक्ति बहुत ही महत्वाकांक्षी होते हैं। यह जहां भी रहते हैं अपना दबदबा बनाकर रखते हैं।

इनके लिए स्वभिमान सबसे बड़ा धन होता है और इसके साथ कभी समझौता नहीं करते हैं। इनमें समाज में उच्चवर्ग के लोगों से संपर्क बनाए रखने की चाहत होती है। सरकार और सरकारी तंत्र से निकटता बनाए रखते हैं। आर्थिक मामलों में यह काफी समझदारी से काम लेते हैं। जहां से धन का लाभ दिखता है वहां मौके का फायदा उठाने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। आमतौर पर इस नक्षत्र में जन्म लेने वाले व्यक्ति ऊंचे पद पर होते हैं और इनका घर धन-धान्य से संपन्न होता है। हर तरह के भौतिक साधनों का उपभोग करते हैं।

पारिवारिक परंपराओं के प्रति इनमें आदर का भाव होता है और उसे दिल से निभाते हैं। दान-दक्षिणा देना इन्हें पसंद होता है। इनके स्वभाव की एक बड़ी विशेषता यह होती है कि जहां काम करते हैं वहां लंबे समय तक टिक कर काम करते हैं। बार-बार नौकरी बदलना पसंद नहीं करते हैं। अधिकारियों के साथ इनका अच्छा तालमेल बना रहता है। मघा नक्षत्र में जन्म लेने वाली महिलाएं साहसी और स्पष्टवादी होती हैं। इनकी महत्वाकांक्षा बहुत ऊंची होती है। मघा नक्षत्र के जातकों को रक्त संबंधी रोग एवं अस्थमा की आशंका रहती है।

बिना धड़ के सिर ने देखा पूरा महाभारत और युद्ध का निर्णायक बना

बात उस समय कि है जब महाभारत का युद्ध आरंभ होने वाला था। भगवान श्री कृष्ण युद्ध में पाण्डवों के साथ थे जिससे यह निश्चित जान पड़ रहा था कि कौरव सेना भले ही अधिक शक्तिशाली है लेकिन जीत पाण्डवों की होगी।

ऐसे समय में भीम का पौत्र और घटोत्कच का पुत्र बर्बरीक ने अपनी माता को वचन दिया कि युद्ध में जो पक्ष कमज़ोर होगा वह उनकी [illegible] लड़े[illegible] बर्बरीक [illegible] महादेव [illegible] प्रसन्न [illegible] उनसे तीन अजेय बाण प्राप्त किये थे। भगवान श्री कृष्ण को जब बर्बरीक की योजना का पता चला तो वह ब्राह्मण का वेश धारण करके बर्बरीक के मार्ग में आ गये।

श्री कृष्ण ने बर्बरीक का मजाक उड़ाया कि, वह तीन वाण से भला क्या युद्ध लड़ेगा। कृष्ण की बातों को सुनकर बर्बरीक ने कहा कि उसके पास अजेय बाण है। वह एक बाण से ही पूरी शत्रु सेना का अंत कर सकता है। सेना का अंत करने के बाद उसका बाण वापस अपने स्थान पर लौट आएगा।

इस पर श्री कृष्ण ने कहा कि हम जिस पीपल के वृक्ष के नीचे खड़े हैं अपने बाण से उसके सभी पत्तों को छेद कर दो तो मैं मान जाउंगा कि तुम एक बाण से युद्ध का परिणाम बदल सकते हो। बर्बरीक ने चुनौती स्वीकार करके, भगवान का स्मरण किया और बाण चला दिया। पेड़ पर लगे पत्तों के अलावा नीचे गिरे पत्तों में भी छेद हो गया। इसके बाद बाण भगवान श्री कृष्ण के पैरों के चारों ओर घूमने लगा क्योंकि एक पत्ता भगवान ने अपने पैरों के नीचे दबाकर रखा था। भगवान श्री कृष्ण जानते थे कि युद्ध में विजय पाण्डवों की होगी और माता को दिये वचन के अनुसार बर्बरीक कौरावों की ओर से लड़ेगा जिससे अधर्म की जीत हो जाएगी।

इसलिए ब्राह्मण वेषधारी श्री कृष्ण ने बर्बरीक से दान की इच्छा प्रकट की। बर्बरीक ने दान देने का वचन दिया तब श्री कृष्ण ने बर्बरीक से उसका सिर मांग लिया। बर्बरीक समझ गया कि ऐसा दान मांगने वाला ब्राह्मण नहीं हो सकता है। बर्बरीक ने ब्राह्मण से कहा कि आप अपना वास्तविक परिचय दीजिए। इस पर श्री कृष्ण ने उन्हें बताया कि वह कृष्ण हैं।

सच जानने के बाद भी बर्बरीक ने सिर देना स्वीकार कर लिया लेकिन, एक शर्त रखी कि, वह उनके विराट रूप को देखना चाहता है तथा महाभारत युद्ध को शुरू से लेकर अंत तक देखने की इच्छा रखता है। भगवान ने बर्बरीक की इच्छा पूरी कि, सुदर्शन चक्र से बर्बरीक का सिर काटकर सिर पर अमृत का छिड़काव कर दिया और एक पहाड़ी के ऊंचे टीले पर रख दिया। यहां से बर्बरीक के सिर ने पूरा युद्ध देखा।

युद्ध समाप्त होने के बाद जब पाण्डवों में यह विवाद होने लगा कि किसका योगदान अधिक है तब श्री कृष्ण ने कहा कि इसका निर्णय बर्बरीक करेगा जिसने पूरा युद्ध देखा है। बर्बरीक ने कहा कि इस युद्ध में सबसे बड़ी भूमिका श्री कृष्ण की है। पूरे युद्ध भूमि में मैंने सुदर्शन चक्र को घूमते देखा। श्री कृष्ण ही युद्ध कर रहे थे और श्री कृष्ण ही सेना का संहार कर रहे थे। *(एजेंसी)*

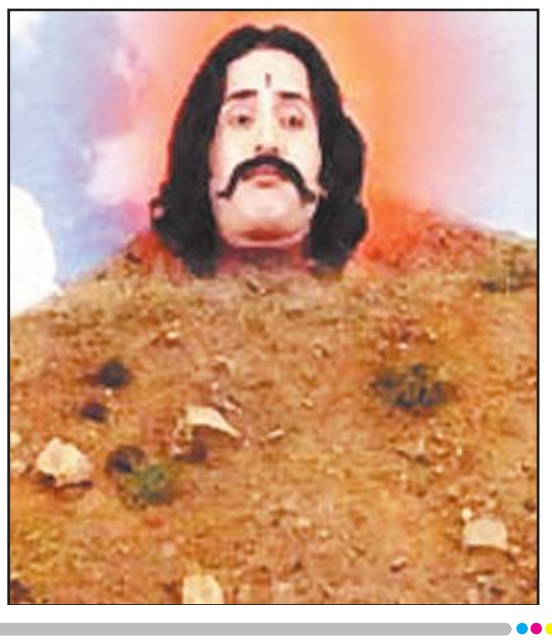

हनुमान जी ने ऐसा क्या चुरा लिया कि नफरत करने लगे लोग

कलियुग में ईश्वर के प्रतिनिधि के तौर पर हनुमान जी पृथ्वी पर देह सहित मौजूद हैं। इसलिए मंगलवार और शनिवार के दिन हनुमान मंदिर में लोगों की लंबी कतार लगती है और लोग अपनी-अपनी मुरादें हनुमान जी को सुनाते हैं।

लेकिन एक स्थान ऐसा है जहां के लोग हनुमान जी पूजा नहीं करते हैं बल्कि इनके हृदय में हनुमान जी के प्रति नफरत की भावना है। सारा देश भगवान श्री कृष्ण को माखन चोर कहता हैं लेकिन यहां लोग हनुमान जी को चोर कहते हैं, वह भी पहाड़ का चोर। हनुमान जी यह नफरत आज की नहीं है बल्कि उस समय से है जब मेघनाद के नागपाश में बंधकर राम और लक्ष्मण जी बेहोश हो गये थे। इस समय राम और लक्ष्मण को होश में लाने के लिए सुषेण नामक वैद्य ने हनुमान जी को हिमालय से संजीवनी बूटी लाने के लिए कहा।

हनुमान जी पवन की गति से उड़कर उत्तराखंड के चमोली जिला में स्थित द्रोणगिरी पर्वत पर पहुंचे। द्रोणगिरी पर्वत चमोली जिला के जोशीमठ विकास खंड के अंतर्गत बसा हुआ है। इसी पर्वत की तलहटी में द्रोणागिरी नामक गांव बसा हुआ है।

यहां के लोगों का कहना है कि हनुमान जी जब संजीवनी बूटी लेने आये तब गांव की एक वृद्ध महिला ने हनुमान जी को पर्वत का वह हिस्सा दिखाया जहां संजीवनी बूटी उगती थी। इस बूटी तक पहुंचने का रास्ता भी महिला ने ही दिखाया। हनुमान जी संजीवनी बूटी के बदले पहाड़ का वह हिस्सा ही उखाड़कर ले गये। इसलिए हनुमान ही से इनकी नाराजगी है। हनुमान जी के प्रति नाराजगी का आलम यह है कि, इस गांव में हनुमान जी का नाम लेने वाले और उनकी पूजा करने वाले को बिरादरी से बाहर भी कर दिया जाता है। वैसे इस गांव के लोगों की राम जी से कोई नाराजगी नहीं है। राम की पूजा बड़ी ही श्रद्धा भक्ति से करते हैं। यहां के लोग हर साल द्रोणगिरी की पूजा करते हैं लेकिन इस पूजा में महिलाओं को शामिल नहीं किया जाता है क्योंकि एक महिला ने ही द्रोणगिरी पर्वत का वह हिस्सा दिखाया था जहां संजीवनी बूटी उगती थी।

एक स्थान ऐसा है जहां के लोग हनुमान जी पूजा नहीं करते हैं बल्कि इनके हृदय में हनुमान जी के प्रति नफरत की भावना है। सारा देश भगवान श्री कृष्ण को माखन चोर कहता हैं लेकिन यहां लोग हनुमान जी को चोर कहते हैं, वह भी पहाड़ का चोर।

opensearch

साध्वी सूर्योदया श्रीजी राजेंद्र भवन पहुंचे

बेंगलुरु (ब्यूरो)। आचार्य देवेश श्रीमद् विजय जयंतसेन सुरीश्वरजी महाराज साहेब की आज्ञानुवर्तीनी साध्वीश्री सूर्यदयाश्रीजी, कैलाशश्रीजी, विपुलदर्शिताश्रीजी आदि ठाणा रविवार को यहां कीलारी रोड स्थित राजेंद्र भवन में पधारे। उल्लेखनीय है कि साध्वीवृंद विगत

दिनों से कोरोना महामारी के मद्देनजर शिमोगा में विराजमान थे। वहां से पद विहार कर बेंगलुरू पहुंचे। इस अवसर पर अखिल भारतीय श्री राजेंद्र जैन युवक परिषद के अध्यक्ष डूंगरमल चोपड़ा के साथ अनेक सदस्यों ने विहार की कुशल क्षेम व सुख साता पूछी। प्रकाश हिराणी ने बताया कि परिषद की टीम के सदस्यों ने साध्वीवृंद से अनेक विषयों पर धार्मिक चर्चा भी की। साध्वीजी ने वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर बेंगलुरु के विजयनगर-क्लब रोड में चातुर्मास करने की जानकारी दी। इस मौके पर परिषद के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष भंवर लाल कटारिया, वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रकाश हिरानी, बेंगलुरु शाखा के अध्यक्ष डूंगरमल चोपड़ा, सचिव नेमीचंद संघवी, कोषाध्यक्ष रमेश जैन, सह सचिव दिलीप कांकरिया आदि सदस्य उपस्थित रहे। चोपड़ा ने बताया कि साध्वी वृंद राजेंद्र भवन में विराजित है।

आज की प्रेरणा...

प्रवचनकार - आचार्य महाश्रमण....
प्रस्तुति - यू ट्यूब के संप्रसारण से....
आलेखन - आज के प्रवचन से....
यह शरीर साधना का साधन बने

हमारा शरीर एक नौका है, जीव नाविक है और संसार समुद्र। शरीर से धर्म साधना भी हो सकती है व पाप कर्म व अपराध के बंध भी यह यह हेतु बन सकता है। इस शरीर के पांच भेद बतलाये गए है। इस शरीर रूप नौका का निश्छिद्र होना सबसे जरूरी होता है और तभी यह नैया हमें किनारे तक पहुंचा सकती है, वरना यह डुबोने वाली भी बन सकती है। आश्रव हमारी शरीर नौका का एक छिद्र है और सवंर के द्वारा उस छिद्र को बंद किया जा सकता है। निर्जरा से घुसे हुए पानी को बाहर निकला जा सकता है। हम सवंर, साधना व तप के द्वारा शरीर नौका को पार करके अपने मोक्ष के लक्ष्य को पूरा करें। बुढ़ापे का पीड़ित करना, रोग, व्याधियों का सताना व इन्द्रयों का क्षीण होना हमारी धर्म साधना में वाधक बन सकते है। अतः उससे पहले पहले हमें धर्म साधना कर लेनी चाहिए। एक सन्यासी ने अपना रत्न फेंका और एक युवक को उसे ले लेने के लिए कहा तो बुद्धिमान युवक के दिमाग में आया कि कोई एक रत्न को तब फैंकता है जब उसे उससे भी कोई कीमती रत्न मिल जाये। सन्यासी को जो रत्न मिला वह संयम और साधना का रत्न था। इस समय कोरोना काल में अनेक व्यक्तियों ने धर्म साधना का काफी लाभ उठाया है, यदि किसी ने नहीं उठाया है तो वह समालोचना करे। हमें इस शरीर रुपी नौका से भव सागर को तरने का लक्ष्य रखना चाहिए।

नौकरी के दौरान कैसे मिल गई डिग्रियां

डॉक्टर भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति की पात्रता पर उठाए कई सवाल

जयपुर (हरीश गुप्ता)। डॉ भीमराव आंबेडकर विधि विश्वविद्यालय अभी शुरू भी नहीं हुआ कि नए नए अजूबे कर रहा है। विश्वविद्यालय के प्रमुख की पात्रता पर उठ रहे सवालों का दौर खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा। गौरतलब है दैनिक 'अमृत इंडिया' ने 2 जून के अंक में इंजीनियर करेंगे गंभीर बीमारी का इलाज शीर्षक से समाचार प्रमुखता से प्रकाशित किया था। समाचार में बताया गया था कि विश्वविद्यालय के कुलपति समाजशास्त्र विषय से हैं, ऐसे में विधि के बच्चों को क्या ज्ञान देंगे। गौरतलब यह भी है कि समाचार प्रकाशित होने के बाद इसी मामले में राजस्थान उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर हुई। जिसकी सुनवाई के बाद कुलाधिपति सचिवालय, प्रमुख शासन सचिव उच्च शिक्षा, बार काउंसिल ऑफ इंडिया समेत कई को नोटिस जारी हुए हैं। उधर सूत्रों ने बताया कि विश्वविद्यालय कुलपति डॉ देव स्वरूप 27 साल यूजीसी में सेवा दे चुके हैं, लेकिन नौकरी के दौरान डिग्रियां कैसे मिली यह सवाल उठ खड़े हुए हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि डॉक्टर देव स्वरूप विद्वान है, यही कारण रहा होगा कि उन्हें राजस्थान जैसे विश्वविद्यालय का कुलपति बनाया था। डॉक्टर देव स्वरूप ने नौकरी के दौरान एलएलबी, एमफिल और पीएचडी तक कर डाली। सूत्रों ने बताया कि डॉ भीमराव आंबेडकर विधि विश्वविद्यालय जो अभी पूरी तरह शुरू भी नहीं हुआ उसमें कुलपति की अनुशंसा पर गाजियाबाद और दिल्ली निवासी दो व्यक्तियों को सिंडिकेट में नामित भी करवा दिया गया। ऐसे में सवाल उठता है कि राजस्थान मूल के विधि में पीएचडी और नेट उत्तीर्ण छात्रों का क्या होगा? क्या राजस्थान में विधि विषय के विशेषज्ञों की कमी है? वरना राजस्थान के छात्रों की उपेक्षा क्यों? इन सभी सवालों के जवाब में डॉक्टर देव स्वरूप से उनका पक्ष जानना चाहा तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

मजबूत भारत और सुरक्षित भारतीय मोदी सरकार की उपलब्धि

प्रदेश भाजपा मीडिया सेल द्वारा आयोजित वीडियो प्रेस कॉन्फ्रेंस में पाली सांसद ने लिया भाग

नई दिल्ली (ओपन सर्च)
पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री, पाली सांसद एवं विदेशी मामलात समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने कहा है कि केन्द्र सरकार की हर योजनाओं का लाभ बिना भ्रष्टाचार, बिना बिचौलिए के सीधा आमजन को मिला हैं।पिछले कार्यकाल में मोदी सरकार द्वारा जनहित के कार्य, देशहित में लिए फैसले यह उसी परिणामस्वरूप नरेन्द्र मोदी को पुनः प्रचण्ड जनादेश के साथ फिर से भारत एवं हर भारतीय की सेवा का अवसर प्राप्त हुआ है। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में भाजपा ने जो भी वादे किए गए, उनमें से बड़े महत्वपूर्ण वायदों को एक साल ही में पूरा कर लिया गया। आम जनता के हितों और देश के मान-सम्मान के साथ ही कोविड महामारी जैसे चुनौतिपूर्ण समय में बेहतर प्रबंधन के साथ प्रत्येक भारतीय को सुरक्षित रखना, मोदी 2.0 की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियां रही है।

प्रदेश भाजपा मीडिया सेल द्वारा आयोजित वीडियो प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोदी सरकार के एक साल पूर्ण होने पर सांसद चौधरी ने कहा कि कोविड-19 से उत्पन्न वैश्विक और देशव्यापी संकट में प्रधानमंत्री जन कल्याण योजना एक बहुत बड़ा कदम है और यह योजना ग़रीबों के लिए सुरक्षा कवर साबित हुई है जिसकी सहायता से देश की अधिकांश जरूरतमंत आबादी को सीधी एवं त्वरित लाभ पहुंचाया जा रहा है । कोविड महामारी देश के लिए चुनौती के साथ ही एक मौका है, आत्मनिर्भर बनने का। मोदी सरकार के एक साल में हम एक तरफ समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति से जुड़े तो वहीं अनेक अभूतपूर्व और ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। जिनमें 370, 35-ए का हटना, सीएए को लागू करना, राममंदिर का मुद्दा हो, तीन तलाक,

कुर्रियान समझौता हो, असम-बोड़ा समझोता हो यह सभी निर्णय अभूतपूर्व होने के साथ ही काफी लम्बे समय से अटके हुए पड़े थे। विशेष रूप में धारा 370 एवं 35-ए के संदर्भ में श्यामाप्रसाद मुखर्जी का कथन था कि देश में दो संविधान, दो झण्डे नहीं हो सकते है। इतने लंबे समय तक कांग्रेस की सरकारों ने अपने वोट बैंक की राजनीति के कारण देश को अखण्ड नहीं बनने दिया। इस धारा के वजह से देश ही नहीं जम्मू-कश्मीर और उनके लोगों को काफी नुकसान हुआ। लेकिन गत 5 अगस्त के मोदी सरकार के ऐतिहासिक फैसले ने देश को नया परिदृश्य दिया। सीएए के माध्यम से भी वर्षो से नागरिकता से वंचित लोगों को उनका हक दिया गया। राममंदिर का मुद्दा कई वर्षो से न्यायालयों में लंबित था। लेकिन राजनैतिक इच्छाशक्ति का जो उदाहरण मोदी सरकार ने दिया वह अन्य कोई सरकार नहीं दे पाई। तीन तालक के संदर्भ में यह एक हमारे समाज पर बहुत बड़ा धब्बा था। भारतीय संविधान, देश के सभी नागरिकों को समानता का अधिकार देता है, लेकिन तीन तलाक एक विशेष वर्ग के लोगों के प्रति इस अधिकार का हनन था। मोदी सरकार द्वारा तीन तलाक पर रोक मुस्लिम महिलाओं को बड़ी राहत प्रदान की।

सांसद ने आगे कहा कि कोरोना संकट के दौर में जब विश्व की महाशक्तिशाली देशों की हालत पतली हो गई, वहां भारत ने काफी हद तक हालात को काबू में रखा। भारत जैसे विशाल आबादी देश में सत्तर दिन तक लॉकडाउन का पालन होता है तो यह एक बडी उपलब्धि है। प्रधानमंत्री के एक आह्वाहन पर पूरा देश उनके पीछे खड़ा नजर आया और लॉकडाउन को सफल बनाने में कंधे से कंधा मिलाया। मोदी सरकार ने विश्व में भारत का मान- सम्मान बढ़ाने और आर्थिक मजबूती प्रदान करने के लिए काम किया है। चीफ ऑफ डिफेंस की नियुक्ति, सेना को राफेल, अपाचे हैलीकॉप्टर जैसे अन्य आधुनिक युद्ध संसाधनों से युक्त किया, करतापुर कॉरिडोर के साथ ही सैनिकों की लंबे समय से चली आ रही वन रैंक-वर पेंशन की मांग को भी मोदी सरकार ने पूरा किया। जन-धन योजना के मार्फत 20 करोड़ महिलाओं का लाभ मिला। मनरेगा के अंतर्गत अतिरिक्त पैकेज एवं मजदूरी बढ़ाकर ग्रामीण भारत को एक नई दिशा दी। भारत सरकार की गरीब कल्याणकारी योजनाओं द्वारा देश की करीबन 80 करोड़ आबादी लाभान्वित हुई। वरिष्ठजनों और दिव्यांगों के लिए 1 हजार की सहायता राशि से उन्हें संबल प्रदान किया गया।

मोदी सरकार-2 का एक वर्ष राष्ट्रीय गौरव और आमजन के कल्याण को समर्पित : केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी

कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया संसदीय क्षेत्र के पत्रकारों से संवाद

बाड़मेर (ओपन सर्च)
केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संसदीय क्षेत्र बाड़मेर-जैसलमेर के पत्रकारों के साथ संवाद किया। इस डिजिटल प्रेसवार्ता में कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि मोदी सरकार 2.0 का यह एक वर्ष चुनौतीपूर्ण रहने के साथ ही कई ऐतिहासिक फैसलों का गवाह बना है। उन्होंने कहा इस एक वर्ष में धारा-370 और 35ए की समाप्ति, अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि ट्रस्ट की घोषणा, मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक के कलंक से मुक्ति, नागरिक संशोधन अधिनियम जैसे फैसले लिए गए। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि चुनौतीपूर्ण इसलिए रहा क्योंकि कोरोना और [illegible] चक्रवात ने जो संक[illegible] खड़े कि[illegible] उससे दुख और विप[illegible] तो [illegible]

साथ ही भारी नुकसान हुआ। लेकिन आज देश में एक निर्णय लेने वाली और उत्तरदायी सरकार [illegible] जो [illegible] [illegible] आमजन के कल्याण के प्रति [illegible] समर्पित है केंद्र सरकार = कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि आयुष्मान भारत के तहत एक करो[illegible] को [illegible] योजना [illegible] इस योजना से 2.23 करोड़ लोगों का नाम दर्ज कर असाधारण कार्य किया गया। एक साल में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 26 मार्च को 1.70 लाख करोड़ के राहत पैकेज की घोषणा की। गरीबों का जीवनस्तर सुधारने के लिए काम = केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि 80 करोड़ गरीबों को पांच महीने तक हर माह 5 किलो गेंहूं चावल और प्रति परिवार एक किलो दाल मुफ्त दी। मनरेगा के तहत मजदूरी को 182 रुपये से बढ़ाकर 202 रुपये प्रतिदिन किया गया। तीन करोड़ गरीब वरिष्ठ नागरिकों, गरीब विधवाओं और गरीब दिव्यांगजनों को 1000 रुपये की अनुग्रह राशि दी गई। प्रवासियों, किसा[illegible], छोटेकारोबारियों और [illegible] वालों के लिए अल्प[illegible]लिक और दीर्घकालिक कदम उठाए [illegible]ए।

कोरोना काल मे मजदूरों के पलायन की कहानी फड़ कला की जुबानी

नई दिल्ली (ओपन सर्च)
कोविड-19 की वैश्विक महामारी का सबसे अधिक असर कामगार मजदूर लोगो पर हुआ, वे रोजी रोटी के लिए गांव से शहरों मे आये थे लेकिन इस महामारी के चलते जब शहर बन्द होने लगे तो वे सब भी भयभीत होकर अपने गांवो की और पलायन करने लगे। लॉकडाऊन मे

जब बसें, रेलें, सब साधन बन्द थे तो ये मजदूर पैदल, साईकल, ऑटो, या जो भी साधन मिले उसी के सहारे चलने लगे। रास्ते में इन्हौने कई परेशानियां झेली, सामान का बोझ, गोद में बच्चे, भूख, प्यास, नंगे पांव इनका पलायन कोरोना काल की सबसे दुखद कहानी बन गया ।इस कहानी को भीलवाड़ा राजस्थान के कलाकार कल्याण जोशी ने अपनी फड़ लोक कला चित्रों के माध्यम से बताने का प्रयास किया हे।

अपने हृदय की गांठों को खोलो

मनीषीसंतमुनिश्रीविनयकुमारजीआलोक

चंडीगढ (ब्यूरो)। द्वेष की गांठ को हृदय में बांधकर क्यों रखते हो। हम प्रतिदिन नए हो रहे हैं। अत- मन से गांठ खोलने का अवसर भी रोज हमें मिल रहा है। अपने हृदय की गांठों को खोलो। अपने हृदय में कोई गांठ मोबाइल की तरह सेव करके मत रखो। इसे तुरंत ही डिलीट कर दो। सरल व निर्दोष हृदय में ही प्रभु प्रवेश करते है। मंदिर जाना सरल है, लेकिन मन को मंदिर बनाना, निर्दोष बनाना उतना ही कठिन है। निर्दोषता का निश्चलता का बलिदान देकर सफलता के पीछे दौडना नहीं है। पवित्रता का बलिदान देकर प्रलोभन दे, ऐसे कामों के पीछे भागना नहीं। प्रतिस्पर्धा की होड़ में प्रसन्नता को छोडना नहीं है। जिस कार्य को करने से डर लगे या रोना पड़े, ऐसा कोई कार्य ऐसी कोई प्रवृत्ति करना नहीं। अपने गुणों का विस्तार करने की दिशा में सोचें

और अपनी कमियों को सुधारने की तरफ ध्यान दें। ये शब्द मनीषीसंतमुनिश्रीविनयकुमारजीआलोक ने कहे।

मनीषीसंत ने आगे कहा ध्यान के जरिए आप भटकते हुए मन को एकाग्र करने का सामर्थ्य जुटा सकेंगे। ध्यान आपको आंतरिक शांति और अपने बारे में जानने में मदद करता है। हर रोज सुबह उठकर एक कार्य करने की

सरल व निर्दोष हृदय में ही प्रभु प्रवेश करते है। मंदिर जाना सरल है, लेकिन मन को मंदिर बनाना, निर्दोष बनाना उतना ही कठिन है। निर्दोषता का निश्चलता का बलिदान देकर सफलता के पीछे दौडना नहीं है।

लिस्ट बनाये कि आज कम से कम जो भी मुझे मिले उसे मैं खुश कर संकू क्योकि यह समय जो हर दिन बीत रहा है ना जाने कहां पर आखिरी श्वांसो की लिस्ट को भगवान ने जारी कर देना है तो इससे पहले कि देर हो जाए अपने को अंदर व बाहर एक सा बनाकर इंसानियत के लिए जीने शुरू कर दें।

हर रोज व्यक्ति अपनी आस्था के अनुसार किसी न किसी स्थान पर अपने माथे को सजदा करता है चाहे मंदिर हो,संत समागम हो, गुरूद्धारा हो, चर्च हो, मस्जिद हो लेकिन अगर हम मंदिर जैसा पाक साफ बन जाए तो हम खुद ही मंदिर हो जाएंगे।

मनीषीश्रीसंत ने अंत मे फरमाया जीवन का प्रारम्भ संस्कार और संगति से होता है दोनों ही अच्छे मिल जाये तो मानव आदर्श हो जाता है। जब बच्चा शिक्षा लेने जाता है वहाँ उसे शिक्षक आदर्श मिल जाये तो सोने में सुहागा हो जाए। शिक्षक अपने नामोरुप हो जाये तो फिर जीवन निखर कर आता है। शिक्षक शिष्ट है सदाचारी है तो शिक्षा अच्छी देगा और जीवन का निर्माण अच्छा करेगा। क्योंकि शिक्षक भी माता के तुल्या होता है योग्य सलाह देकर उत्थान करता है। मनुष्य अच्छे शिक्षक के पास जाता है तो अच्छा और आदर्श व्यक्तित्व का धनी हो जाता है।

कोरोना के चलते युवा उद्यमी ने सपरिवार गौशाला में मनाया अपना जन्मदिन

गायों को खिलाया हरा चारा और गुड,लिया संतो से आशीर्वाद
प्रत्येक जन्मदिन गौशाला में मनाने का लिया संकल्प

बाड़मेर (ओपन सर्च)। युवा उद्यमी कैलाश मालू झाक ने कोरोना काल को देखते हुए अपना जन्मदिन सपरिवार गौशाला में गायों को हरा चारा एवं गुड खिलाकर मनाया। मालू ने बताया कि वर्तमान में कोरोना महामारी के चलते जन जीवन अस्त व्यस्त हो रखा है। मानव जाति के साथ साथ मुक प्राणीयों के हालात भी खराब है। ऐसी विकट परिस्थिति में उन्होने भी सौचा की इस बार वो अपना जन्मदिन गौशाला में मनाएगे। प्रातः नन्दी गौशाला एवं मोहन गौशाला में सपरिवार जाकर हरा चारा एवं गुड

खिलाया इसके साथ ही कुर्जा मन्दिर में बने चुगाघर में भी पक्षियों के लिए दाना डाला। पक्षीयों को दाना डालते वक्त मेरी बेटीयां दृष्टि एवं परी बडी खुश नजर आई। पहली बार जन्मदिन पर परिवार के साथ ये अनुभव अच्छा रहा। मोहन गौशाला में महन्त प्रतापपुरी महाराज का सानिध्य मिला उन्होने गौ सेवा को अतिउतम बताते हुए कहा कि गायों में ही सभी देवी देवताओं का वास है। इनकी सेवा से सब दुख दुर होते है। झाक ने मंहत के समक्ष अपना प्रत्येक जन्मदिन गौशाला में मनाने का निर्णय लिया। जन्मदिन के दौरान मोहन गौशाला में महंत प्रतापपुरी द्वारा कैलाश मालू व मधुदेवी को ट्रस्टी बनाया गया। इस कार्यक्रम के दौरान नेमीचन्द मालू,कपिल मालू,गुलाबसिंह धान्धु, आदि उपस्थित थे।

सीमांचल में कोरोना से जंग में मिल रही कामयाबी

राजस्थान के सीमान्त जिले प्रकृति की मार से पीड़ित तो है ही साथ ही अकाल, धूलभरी आँधिया और टिड्डियों के हमले से भी आशंकित रहते है

जयपुर (ब्यूरो)

सीमावर्ती क्षेत्र होने से पाकिस्तान की कुदृष्टि भी बनी रहती है। प्रकृति की मार के बावजूद यहाँ के निवासी जीवट के धनी है। मेहनती है और विपरीत परिस्थितियों के बावजूद जीना सीख लिया। खेती के अलावा रोजी रोटी का कोई अन्य साधन नहीं है। तेल रिफाइनरी से बड़ी आशा है। सीमावर्ती जिले खेत खलिहान पर निर्भर है। जमाना हो जाये तो बल्ले बल्ले अन्यथा पडोसी राज्यों में मज़दूरी के लिए निकल पड़ते है। संकटों का सामना करना और उन पर विजय पाना कोई इनसे सीखे। कोरोना महामारी से सीमान्त जिले भी अछूते नहीं रहे। मगर यहाँ के वाशिंदों ने कोरोना को हराने के लिए कमर कस ली है। जिला प्रशासन मुस्तैदी दे जुटा है तो नेहरू युवा केंद्र जैसा संगठन अपने ग्रामीण युवा मंडलों के साथ कोरोना को हराने के लिए ग्रामीणों के साथ कंधे से कन्धा मिलकर जूझ रहा है। नेहरू युवा केंद्र जैसा संगठन, राजस्थान के राज्य निदेशक डॉ भुवनेश जैन के अनुसार प्रदेश के सीमान्त जिलों यथा बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर और श्री गंगानगर जिलों में कोरोना संक्रमण की आहट के साथ ही संगठन की इकाइयों ने आमजन के बीच जाकर कोरोना से बचाव और उपचार की कार्यवाही शुरू करदी।

जरुरत मंदों को राशन और मास्क वितरण के साथ अन्य सभी संभव सहायता प्रदान की। श्री गंगानगर सीमावर्ती इलाका है यहाँ संगठन के स्वयंसेवक जान से कोरोना संकट में लोगों की सहायता में जुटे है। जिले के सभी युवा मंडल अच्छा कार्य कर रहे है। साथ ही सभी ब्लॉक के स्वयंसेवक एक्स - स्वयंसेवक भी अपना कर्तव्य पूरी ईमानदारी के साथ निभा रहे है। घर पर मास्क बनाना एवं वितरित करना, प्रवासी मजदूरों को राशन वितरण, 2 गज की दूरी का पालन, गांवों को सनिटाइज करना, गांवों के बॉर्डर पर नाकाबंदी करना, प्रशासन के साथ मिलकर बैंकों एवं अन्य जगहों पर सोशल डिस्टेंसिंग की पालना करवाना, भारत सरकार के दिशा निर्देशों को जन - जन तक पहुंचाना, बचाव के उपायों का व्यापक प्रचार प्रसार ई- मीडिया के माध्यम से करना, परिंडा अभियान, दीक्षा ऐप, आई गोट, नए स्वयंसेवक जोड़ना जैसे कार्य पूरी मेहनत और समर्पित भाव से किए जा रहे है। बीकानेर भी सीमावर्ती क्षेत्र है। जिले में अब तक करीब 14400 परिवार घर पर ही मास्क बना कर लोगों को मुफ्त में वितरित कर रहे हैं।

15 वालंटियर ने अपने-अपने ब्लॉक के गांवो सेनीटाइज किया है और कीटनाशक दवा का छिड़काव कराया है। आई गॉट पर 1937 युवाओं का रजिस्ट्रेशन करवाया जिनमें से अब तक 1254 ट्रेनिंग भी ले चुके हैं। और कोरोना के इस जंग में लड़ने और इस देश के लिए एक स्वयं सेवक के रूप में कार्य करने के लिए तैयार किया है। गरीब परिवारो एवं प्रवासी मजदूरों को राशन एवं फूड पैकेट उपलब्ध करवाने का कार्य किया जा रहा हैं। पशु एवं पक्षियों का भी खास ख्याल रखते हुए युवा स्वयंसेवकों द्वारा दाना एवं पानी की व्यवस्था की जा रही है।

नेहरू युवा केंद्र जैसलमेर ने लॉक डाउन घोषित किए जाने के तुरंत बाद से ही कोरॉना महामारी से बचाव और राहत कार्य के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने जनता कर्फ्यू के पालन हेतु लोगों को जागरूक करने और निशुल्क मास्क वितरण करने के लिए प्रेरित किया। इस आपदा में राहत के लिए नेहरू युवा केंद्र जैसलमेर के स्वयंसेवकों और युवा क्लब सदस्यों द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में गरीब-मजदूर परिवारों को राशन सामग्री पहुंचाने, निशुल्क मास्क वितरण करने, सार्वजनिक वितरण प्रणाली से वंचित लोगों का सर्वे करने, प्रवासी मजदूरों का सर्वे करने और सोशल मीडिया के माध्यम से ऑनलाइन अभियान चलाकर लोगों को कॉरोना बचाव के लिए जागरूक करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। बाडमेर देश का पांचवां सबसे बडा जिला है। क्षेत्रफल की दृष्टि से केरल राज्य के बराबर है। इस जिले के गडरारोड, चैहटन, धनाऊ, सेडवा ब्लाक, की सीमा पडौसी मुल्क पाकिस्तान से लगती है। जिले के 21 ब्लोक में राष्ट्रीय युवा स्वंय सेवको को लोकडाउन के दौरान मास्क बनाने एवं प्रवासियो की सहायता करने के लिये प्रेरित कर रहे है।

खरतरगच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभसूरीश्वर जी म.सा. का 2020 का चातुर्मास जहाज मंदिर तीर्थ माण्डवला में होगा

बाड़मेर (ओपन सर्च)

परम पूज्य खरतरगच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री जिनमणिप्र भसूरीश्वर जी म.सा. का 2020 का वर्षावास में चातुर्मास जहाज मंदिर तीर्थ माण्डवला में होगा।गुरुभक्त केवलचंद छाजेड़ ने बताया कि गच्छाधिपति जी ने जहाज मंदिर ट्रस्ट मंडल की भावभरी विनती स्वीकार करते हुए कोरोना महामारी के चलते 2020 के चातुर्मास की घोषणा की। छाजेड़ ने बताया कि गच्छाधिपति श्री के चातुर्मास के साथ-साथ वसी मालाणी रत्नशिरोमणी ब्रह्मसर तीर्थोद्वारक आचार्य श्री मनोज्ञसूरीश्वर जी म.सा.,मुनि मयंकप्रभसागर जी म.सा.,मुनि मनितप्रभसागर जी म.सा.,मुनि मेहुलप्रभसागर जी म.सा.,मुनि नयज्ञसागर जी म.सा.,मुनि मयुखप्रभसागर जी म.सा.मुनि महितप्रभसागर जी म.सा. व

प्रवर्तिनी महोदया साध्वी श्री शशिप्रभा श्रीजी म.सा.,साध्वी विमलप्रभा श्रीजी म.सा.,साध्वी कल्पलता श्रीजी म.सा. सहित साधु-साध्वियों के साथ धर्ममय चातुर्मास होगा ।

2020 के चातुर्मास के जहाज मंदिर ट्रस्ट के साथ-साथ मोकलसर,चम्पावाड़ी सिवाना, शंखेश्वर रूणिचा धाम बालोतरा, नाकोड़ा तीर्थ, गज मंदिर केशरिया जी, उदयपुर, केशवना, कुशल वाटिका, खरतरगच्छ संघ बालोतरा की भी विनतिया चल रही थी इन भावनाओं को देखते हुए यह चातुर्मास अनपे गुरु आचार्य श्री जिनकांतिसागर जी म.सा. के समाधि स्थल जहाज मंदिर माण्डवला को स्वीकृति प्रदान करते हुए उनके चरणों मे 2020 का चातुर्मास समर्पित किया।

गच्छाधिपति जी ने घोषणा करते हुए बताया कि इस वर्ष का हमारा चातुर्मास आडम्बर रहित, सुरक्षा, साधना, स्वाध्याय, शुद्व गोचरी, गवेश्वना एवम आत्म कल्याण के लक्ष्य का होगा। उन्होने सभी जैन संघों से भी चातुर्मास बिना आडम्बर,परमात्मा भक्ति,साधर्मिक भक्ति से सम्पन्न करवाने की मंगल भावना प्रकट की है।

opensearch

कभी सौतन कभी सहेली!

ऐसा रहा रणबीर कपूर की प्रेमिकाओं के साथ दीपिका पादुकोण का रिश्ता

बॉलीवुड के मोस्ट बैचलर बॉय रणबीर कपूर के लव अफेयर के किस्से किसी से छुपे हुए नहीं हैं। कॉलेज से लेकर अभी तक लड़कियों की रणबीर कपूर के लिए लाइन लगी हैं। कॉलेज से ही उनके लव अफेयर के किस्से मीडिया में आने लग गये थे। रणबीर कपूर कोई छोटी मोटी हस्ती तो हैं नहीं, वह बॉलीवुड के

कपूर खानदान के बेटे हैं। कपूर खानदान का दशकों से बॉलीवुड पर दबदबा चला आ रहा हैं। लड़कियों में रणबीर कपूर को लेकर एक अलग की क्रेज देखा गया है। रणबीर गुड लुकिंग से साथ-साथ टैलेंटिड भी हैं। पर्दे पर जब वह किरदार निभाते हैं तो वह उस किरदार को लोगों के जहन में अपने अभिनय से हमेशा के लिए जिंदा कर देते हैं।

दीपिका पादुकोण की बॉलीवुड में एंट्री, रणबीर कपूर से प्यार

आजतक फिल्मों में रणबीर कपूर को लोगों ने दीपिका पादुकोण के साथ देखना पसंद किया हैं। बॉलीवुड की सुपरहिट जोड़ियों में रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण की जोड़ी शूमार हैं। कहते हैं जब दीपिका ने 2007 में बॉलीवुड में फिल्म ओम शांति ओम से शाहरुख खान के साथ कदम रखा तो लोग दीपिका के दिवाने हो गये। कहा जाता है कि दीपिका की खूबसूरती के भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी भी कायल थे लेकिन दीपिका के दिल में कोई और ही राज कर रहा था। 2007 में दीपिका और रणबीर कपूर का लव रिलेशन शुरू हुआ। दोनों दो साल तक साथ रहे इस दौरान दीपिका बहुत ही कम फिल्मों में नजर आयी जो ज्यादा चली नहीं। 2009 में रणबीर और दीपिका का ब्रेकअप हो गया। काफी समय डिप्रेशन में रहने के बाद दीपिका ने एक बार फिर कमबैक किया। खुद को संभालते हुए दीपिका ने एक के बाद एक सुपरहिट फिल्में देनी शुरू कर दी दीपिका की ये रफ्तार आज भी नहीं रूकी। आज दीपिका के नाम से ही फिल्म चल जाती हैं। 2018 में दीपिका ने रणवीर सिंह के साथ शादी की।

फैशन डिजाइनर नंदिता महतानी के साथ रणबीर का रिलेशनशिप

रणबीर कपूर की लाइफ में आयी लड़कियों के बारे में बात करें तो अब तक उन्होंने कई लड़कियों को डेट किया हैं लेकिन चर्चा में उनके कुछ ही रिलेशनशिप रहे। दीपिका से पहले रणबीर कपूर का नान फैशन डिजाइनर नंदिता महतानी के साथ जोड़ा जाता था। नंदिता से ब्रेकअप के बाद रणबीर कपूर ने दीपिका को डेट किया।

कैटरीना के साथ 6 साल रहने के बाद शादी करने वाले थे रणबीर कपूर

दीपिका से ब्रिकअप के बाद रणबीर कपूर एक्ट्रेस कैटरीना कैफ के साथ लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहे। दोनों का बॉन्ड काफी मजबूत था। रणबीर-कैटरीना का रिश्ता छह साल तक चला। माना जा रहा था कि दोनों शादी के बारे में सोच रहे हैं। यहां तक की रणबीर कपूर अपना घर छोड़कर कैटरीना के साथ ही रहने लग गये थे लेकिन इस जोड़ी को न जाने किसकी नजर लग गयी कि 2016 में ये दोनों एक दूसरे से अलग हो गये।

आलिया भट्ट खुशी के साथ-साथ दुख में भी रही रणबीर के साथ

2018 में रणबीर कपूर के लव अफेयर की खबरें आलिया भट्ट के साथ आयी। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर को लोग साथ में देखना पसंद करते हैं। पिछले ढाई साल से रणबीर और आलिया एक दूसरे के साथ है। 2018 में जब रणबीर के पिता ऋषि कपूर को कैंसर होने के बात पता चली थी तो वह उसका इलाज करवाने अमेरिका चले गये थे। इस दौरान रणबीर सहित उनका पूरा परिवार उसके साथ था। आलिया भट्ट भी रणबीर का दुख की घड़ी में साथ देने अमेरिका गयी थी और महीनों तक वहां रही थी। हाल ही में जब ऋषि कपूर का निधन हुआ तो कपूर खानदार के साथ आलिया भट्ट दिखाई पड़ी।

वीडियो शूट में इब्राहिम के साथ सारा अली खान की केमिस्ट्री

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान ने 1991 में एक्ट्रेस अमृता सिंह से शादी की थी। उस समय अमृता सैफ से 13 साल बड़ी थी लेकिन दोनों के बीच प्यार था इस लिए उम्र के फांसले न दिखे और दो जिस्म शादी के बंधन में बंध कर हमेशा के लिए एक हो गये। धीरे-धीरे जब प्यार का खुमार उतरने लगा तो दोनों के बीच दूरियां भी बढ़ने लगी।

सैफ अली खान ने 13 साल बाद 2004 में अमृता से तलाक ले लिया। 13 सालों में दोनों के दो बच्चे थे, लड़की सारा और लड़का इब्राहिम। मां ने अपने दोनों बच्चों को बहुत ही प्यार से पाला। सैफ ने भी तलाक के बाद भी अपने पिता होने की पूरी जिम्मेदारी उठाई। फिल्म केदारनाथ से सारा अली खान ने बॉलीवुड में कदम रखा। फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स मिला। इस फिल्म में सारा अली खान सुशांत सिंह राजपूत के साथ नजर आया थी। दोनों की एक्टिंग की काफी तारीफ हुआ थी।

इसके बाद सारा अली खान फिल्म सिंबा ने रणवीर सिंह के साथ नजर आयी थी। ये फिल्म भी सुपरहिट साबित हुई। इसके बाद सारा हिट पर हित फिल्में दे रही हैं। बीच में सारा अली खान की कार्तिक आर्यन के साथ लव रिलेशनशिप की भी खबरें आयी थी। अब बॉलीवुड को इंतजार है सैफ के छोटे बेटे इब्राहिम अली खान के डेब्यू का।

घर पर अमिताभ बच्चन ने पढ़ा रामायण का पाठ,चौपाई शेयर कर फैंस को दी बड़ी सीख

बॉलीवुड मेगास्टार अमिताभ बच्चन जल्द ही फिल्म गुलाबों-सिताबों के साथ ओटीटी से आपके घरों में दस्तक देने वाले हैं। बिग बी और आयुष्मान खुराना की फिल्म गुलाबों सिताबों 12 जून को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली हैं। अमिताभ बच्चन और आयुष्मान खुराना सोशल मीडिया से फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं। लॉकडाउन में वैसे अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव दिखाई दिए। लॉकडाउन के दौरान उन्होंने कविताए लिखी, पेंटिंग बनाई, अपनी पुरानी यादों को तर्क के साथ साझा किया, इसके अलावा अमिताभ बच्चन ने अपने भगवान के प्रति भक्ती को भी अपने फैंस के साथ साझा किया। अमिताभ बच्चन ने लॉकडाउन के दौरान घर पर रामायाण का पाठ पढ़ा। उन्होंने सोशल मीजिया पर रामायाण के पाठ की एक तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा कि आज पूरा दिन रामायाण का पाठ किया बहुत अच्छा लगा। रामायण की जो पंक्ति अमिताभ बच्चन ने शेयर की उसमें नाम और नामी में अंतर बताया गया हैं।

संगीतकार-गायक वाजिद खान के निधन पर बॉलीवुड ने जताया शोक

बॉलीवुड के मशहूर सिंगर और म्युजिक कंपोजर वाजिद खान का सोमवार की सुबह निधन हो गया। वाजिद खान किडनी की बीमारी से लंबे वक्त से जूझ रहे थे। हाल ही में उन्होंने किडनी ट्रांसप्लांट करवायी थी। किडनी ट्रांसप्लांट सर्जरी के बाद उन्हें कई तरह से इंफेक्सन हो गये थे जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। जहां पर उन्हें कोरोना वायरस का संक्रमण भी हो गया था। चार दिन वेंटिलेटर पर रखने के बाद 1 मई को उनका निधन हो गया। निधन की खबर के बाद पूरे बॉलीवुड जगत में शोक की लहर दौड़ गयी। हर कोई मशहूर गीतकार को श्रद्धांजलि दे रहा हैं। संगीतकार वाजिद खान के निधन पर बॉलीवुड ने शोक जताते हुए इसे फिल्म तथा संगीत उद्योग को एक भारी क्षति बताया। अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा, वरुण धवन, संगीतकार शंकर महादेवन और गायक जावेद अली सहित कई बॉलीवुड हस्तियों ने उनके निधन पर शोक जताया है। वाजिद खान का कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद सोमवार को एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 42 वर्ष के थे। उन्हें पहले से किडनी संबंधी परेशानियां भी थीं। वाजिद के

भाई साजिद खान ने उनके कोविड-19 से संक्रमित होने की जानकारी देते हुए कहा, '' उनका निधन दिल का दौरा पड़ने से हुआ।'' बिग बी ने उनके निधन पर शोक जताते हुए कहा, '' वाजिद खान के निधन की खबर सुन सदमे में हूं। एक उज्ज्वल प्रतिभा हमें छोड़कर चली गई। दुआ, प्रार्थना और सांत्वना।''

अक्षय कुमार ने ट्वीट किया, ''प्रतिभाशाली और हंसमुख.... बहुत जल्दी चले गए। भगवान इस मुश्किल घड़ी में उनके परिवार को हिम्मत दे।'' वाजिद के करीबी मित्र एवं अभिनेता अरबाज खान ने ट्वीट किया, ''संगीत उद्योग ने एक हीरा खो दिया। बेहद जल्दी चले गए। उनके परिवार और दोस्तों को मेरी संवेदनाएं। अल्लाह जन्नत नसीब करे।''

प्रियंका ने ट्वीट किया, '' एक चीज जो मुझे हमेशा याद रहेगी वह है वाजिद भाई की मुस्कुराहट। हमेशा मुस्कुराने वाले। बेहद जल्दी चले गए। उनके परिवार और सभी भावाकुल लोगों को मेरी संवेदनाएं। भगवना आपकी आत्मा को शांति दे, मेरे दोस्त। आप हमेशा मेरी प्रार्थनाओं में रहेंगे।'' अनुपम खेर, मनोज बाजपेयी, अदनान सामी,प्रीति जिंटा, परिणीति चोपड़ा, लूलिआ वंतूर ने भी वाजिद खान के निधन पर शोक जताया।

संगीतकार ने सलमान खान की 1998 में आई फिल्म 'प्यार किया तो डरना क्या' से अपने बॉलीवुड करियर का आगाज किया था। इसके बाद उन्होंने अभिनेता की 'गर्व', 'तेरे नाम', 'तुमको ना भूल पाएंगे', 'पार्टनर' और 'दबंग' आदि कई हिट [illegible] में [illegible] इसके अलावा [illegible] हिट गाने जैसे 'मेरा ही [illegible]', 'फेविकॉल से', 'चिंता ता चिता चिता' का भी संगीत दिया। कोरोना वायरस की रोकथाम के लिये जारी लॉकडाउन के दौरान सलमान द्वारा यूट्यूब पर रिलीज 'प्यार करोना' और 'भाई-भाई' गीत का संगीत भी इस मशहूर जोड़ी ने ही दिया था। इसके अलावा उन्होंने 'सा रे गा मा पा' में जज की भी भूमिका निभाई। आईपीएल4 के गीत 'धूम धूम धूम धड़ाका' का संगीत भी इस जोड़ी ने दिया था और इसे गाया वाजिद ने था।

वरुण धवन ने अपने पिता एवं फिल्मकार डेविड धवन और वाजिद की एक तस्वीर साझा करते हुए संगीतकार को बॉलीवुड के सबसे सकारात्मक लोगों में से एक बताया। उन्होंने लिखा, '' वाजिद भाई के निधन की खबर सुनकर बेहद सदमे में हूं... वह मेरे और मेरे परिवार के बहेद करीब थे। वह आसपास रहने वाले सबसे सकारात्मक लोगों में से एक थे। वाजिद भाई हम आपको याद करेंगे, संगीत के लिए शुक्रिया।

लॉकडाउन में साइकिल पर घूमने निकले सलमान खान-जैकलीन

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान इन दिनों लॉकडाउन में अपना वक्त [illegible] असकर मुंबई में साइकिलिंग करते हुए देखा गया हैं। कई बार वह मुंबई की

पनवेल वाले फॉर्म हाउस में गुजार रहे हैं। सलमान खान के साथ इस फार्म हाउस में बॉलीवुड एक्ट्रेसस जैकलीन फर्नाडीज, वलूचा डिसूजा और लूलिया वंतूर भी हैं।

इन एक्ट्रेस के अलावा पनवेल में सलामान खान की टीम भी हैं । सलमान खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल जिसमें वह जैकलीन फर्नाडीज और अपनी टीम के साथ साइकिल पर मॉर्निंग वॉक पर निकले हैं। वीडियो सलमान खान के पनवेल वाले फॉर्म हाउस के बाहर का हैं। सलमान खान को सड़कों पर साइकिलिंग करते हुए नजर आये हैं। आपको बता दें कि हाल में सलमान खान ने पनवेल फॉर्महाउस शूट करते तीन गाने रिलीज किए हैं। जिसमें से एक जैकलीन फर्नाडीज के साथ रोमांटिक सॉन्ग हैं।

इस गाने का नाम तेरे बिना था, जिसमें सलमान खान के साथ जैकलीन फर्नाडीज की जानदार केमिस्ट्री देखी जा सकती हैं। इसके अलावा सलमान खान ने सामाजिक संदेश का गाना प्यार करोना और भाई-भाई रिलीज किया था। इन गानों को भी अच्छा रिस्पॉन्स मिला हैं।

तैमूर की अम्मी करीना कपूर ने जब किया ऋतिक रोशन के साथ कपल डांस

एक समय था जब करीना कपूर और ऋतिक रोशन की जोड़ी पर्दे पर हिट हुआ करती थी। दोनों ने साथ में 2001 में आयीं फिल्म यादें , 2002 में क्या मुझसे दोस्ती करोगी, 2003 में मैं प्रेम की दीवानी हूं, 2001 में कभी खुशी कभी गम जैसी सुपरहिट फिल्मों में साथ काम किया था। ऋतिक रोशन की पहली फिल्म कहो ना प्यार है में भी राकेश रोशन ने करीना को लिया था लेकिर करीना मां और राकेश रोशन के बीच कुछ बात होने के कारण मां के कहने पर करीना ने ये फिल्म छोड़ दी। फिल्म इस फिल्म में अमीषा पटेल को लिया गया था। बाद में राकेश रोशन और करीना के मां के बीच रिश्ते ठीक हो गये। फिर ऋतिक और करीना ने कई फिल्मों में साथ काम किया। गलियारों में ये भी खबरे उड़ रही थी कि दोनों एक दूसरे को पसंद करने लगे हैं। दोनों को कई बार शूटिंग के बाद साथ में देखा गया हैं। खैर इन खबरों में कितनी सच्चाई थी ये तो इन दोनों को ही पता था।

गरीबों के साथ बॉलीवुड

किसी ने दान किए ऑक्सीजन सिलेंडर, वेंटिलेटर और किसी ने बांटी चप्पल

देश में जब कोरोना संकट आया तो पूरे देश को लॉकडाउन कर दिया गया। इस दो महीने से चल रहे इस लॉकडाउन में लोगों का तमाम संकट का सामना करना पड़ा। दिहाड़ी पर काम कर रहे लोगों की जिंदगी मानों रूक गई। लोगों के पास खाने तक के पैसे नहीं बचे। सरकार ने लोगों से गुहार लगाई की आप इस संकट की खड़ी में अपने आस पास लोगों का ध्यान रखें किसी को भूखा पेट न सोने दे। इसके साथ-साथ सरकार ने भी लोगों से मदद मांगी की सक्षम लोग सरकार को इस संकट में दान दे ताकि वह लोगों की मदद कर सकें और मेडिकल सर्विस को बेहतर कर सके ताकि कोरोना संक्रमितों का बेहतर इलाज हो सके।

सरकार की मदद के लिए पूरा देश सामने आया बिजनेस, क्रिकेट, बॉलीवुड, यहां तक की आम इंसान ने भी अपनी श्रमता के अनुसार सरकार की मदद की। बॉलीवुड के लोगों ने बढ़-चढ़ कर सरकार की मदद के लिए हाथ बढ़ाए। अक्षय कुमार, शाहरुख खान, सोमम कपूर, कपिल शर्मा, अनुष्का शर्मा, आमिर खान, उर्वशी रौतेला, प्रभाष, रजनीकांत, कमल हसन, ऋतिक रोशन. महेश बाबू सहित अधिकतर सितारों में पीएम फंड में दान किया।

इस दौरान प्रवासी मजदूर के शहर से पलायन की एक बड़ी समस्या सामने आने लगी। लोगों ने लॉकडाउन के दौरान पैदल ही कोसो दूर अपने गांव जाना शुरूकर दिया। इस दौरान देश में बहुत ही दिल देहला देने वाली तस्वीरे सामने आयी। हर कोई इन तस्वीरों को देखकर दुख प्रकट कर रहा था लेकिन मदद के लिए कोई सामने नहीं आ रहा था। ऐसे में कुछ लोगों ने मजदूरों की मदद के लिए कुथ लोग सानमे आये। उनमें से एक थे एक्टर सोनू सूद। इसके अलावा और भी लोग थे जिन्होंने लगातार गरीबों के लिए मदद का हाथ बढ़ाया।

सोनू सूद ने प्रवासी मजदूरों को भेजा उनके घर

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद इस मुश्किल समय में जरूरतमंदों की मदद कर रहे हैं। लॉकडाउन में अपने घर जाने के लिए सड़क पर पैदल चल रहे प्रवासी मजदूरों के लिए सोनू सूद ने अपने दम पर बसें चलवाई और उन्हें घर भेजा। लॉकडाउन के दौरान प्रवासी मजदूरों की स्थिति काफी दयनीय थी। अभी भी हैं लेकिन सोनू सूद प्रवासी मजदूरों को उसके घर पहुंचाने में मदद करके उनके लिए भगवान बन गये। वह लगातार लोगों की मदद कर रहे हैं। सोशल मीडिया या फोन पर लोग उनसे मदद मांगते हैं और सोनू और

उनकी टीन लोगों की मदद कर रही हैं। अभिनेता सोनू सूद ने लॉकडाउन के कारण मुंबई में फंसे प्रवासी मजदूरों के परिवहन के लिए बसों की व्यवस्था की। अभिनेता ने प्रवासी मजदूरों की यात्रा और भोजन का पूरा खर्चा उठाया। कर्नाटक और महाराष्ट्र सरकार से अनुमति मिलने के बाद बसें कर्नाटक के गुलबर्ग के लिए रवाना हुई। सोनू सूद ने कहा कि उनका मानना है कि इस वैश्विक संकट के समय में हर भारतीय को उसके परिवार के साथ रहने का अधिकार है और इसलिए उन्होंने राज्य सरकार से अनुमति लेकर प्रवासियों को उनके घर जाने में मदद की।

सोनू सूद ने 177 लड़कियों का करवाया एयरलिफ्ट

मजदूरों की मदद के बाद अभिनेता सोनू सूद ने शुक्रवार को 177 लड़कियों को ओडिशा में उनके घर पहुंचाने में मदद की। कोरोना वायरस महामारी से निपटने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के कारण ये लड़कियां केरल में फंस गई थी।

सलमान खान ने की दिहाड़ी पर काम करने वालों की मदद

बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान भले ही लॉकडाउन के दौरान पनवेल वाले फार्म हाउस में क्वारंटाइन हो लेकिन किसी काम में पीछे नहीं हटे हैं। सलमान खान ने लॉकडाउन के दौरान बॉलीवुड के 25 हजार डैली वर्कर्स की मदद की। उनके खाने-दवाई का खर्चा उठाया। गरीबों को लगातार राशन बांटे। किसी न किसी रूप में गरीबों की मदद करते रहे। हाल ही में सलमान खान ने अपना हेंड सेनेटाइजर भी लॉन्च किया। सलमान खान ने स्त्रस्त्र नाम से सेनेटाइज लॉन्च किया और लोगों से कोरोना काल में सेनेटाइजर यूज करने की अपील भी की। अब खबरें आ रही है कि अभिनेता सलमान खान ने मुंबई पुलिस को हैंड सैनिटाइजर दान किया है। इस बात की जानकारी युवा सेना के सदस्य राहुल कनाल ने ट्वीट करके दी।

25 करोड़ का किया अक्षय कुमार ने दान

अक्षय कुमार ने सिने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशन के लिए 45 लाख रुपए दान किये हैं, जिससे वह एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कार्यरत दिहाड़ी मजदूरों की मदद कर सकें। इस बात की जानकारी सिंटा के सीनियर जॉइंट सेक्रेट्री अमित बहल ने मिड डे को दिए इंटरव्यू में दी है। अक्षय कुमार ने इससे पहले भी पीएम केयर फंड में लोगों की मदद के लिए 25 करोड़ का दान किया था।

अजय देवगन ने धारावी में बनाए गए अस्थायी अस्पताल को ऑक्सीजन सिलेंडर और वेंटिलेटर दान में दिया

जून बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने मुंबई के धारावी में बने 200 बिस्तरों के अस्थायी अस्पताल को ऑक्सीजन सिलेंडर और दो वेंटिलेटर दान दिए हैं। एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती माने जाने वाली धारावी के ढाई वर्ग किलोमीटर के इलाके में करीब 6.5 लाख लोग रहते हैं और यहां पर कोविड-19 के 1500 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2014/56301
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबइल : 9210092542 फोन :- 011-27380260 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com